- मेसी के कार्यक्रम में गड़बड़ी मामले में हाईकोर्ट का एसआईटी जांच में दखल से इन्कार - 12

- एआई से बनी सामग्री की पहचान से जुड़े नियम जल्द होंगे जारी : आईटी सचिव - 12

- भारत ने श्रीलंका के लिए 45 करोड़ डॉलर की मदद का किया एलान - 13

- विजय हजारे ट्रॉफी : कोहली रोहित, गिल ने बढ़ाई टूर्नामेंट की चमक - 14

आज का मौसम

21.0° अधिकतम तापमान

08.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.02

सूर्यास्त 05.22

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष चतुर्थी 01:11 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 24 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 30, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

हिंदुओं पर बर्बरता बंद करो

नई दिल्ली : बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ जारी बर्बरता के विरोध में हजारों लोग बांग्लादेश उच्चायोग के नजदीक जुटे हुए हैं और उच्चायोग तक जाने की कोशिश में हैं। विहिप के इस विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर सैकड़ों की संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था।

शीतलहर और घने कोहरे के कारण कई जिलों के स्कूलों में छुट्टी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा के लिए उठाया कदम, सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों पर भी आदेश लागू
- वाराणसी, अंबेडकरनगर फर्रुखाबाद, रायबरेली, संभल समेत 6 जिलों में 24 तक अवकाश
- लखनऊ में छोटे बच्चों को 27 तक छुट्टी, झांसी में स्कूलों के समय में बदलाव

अमृत विचार: कड़ाके की ठंड व घने कोहरे को देखते हुए राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में स्थानीय प्रशासन ने विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया है। वहीं, कई जिलों में स्कूलों के समय में परिवर्तन किया गया है। दरअसल, विजिबिलिटी कम होने और कड़ाके की ठंड से छात्रों को स्कूल जाने में होने वाली असुविधा के मद्देनजर विभिन्न जिलों के जिलाधिकारियों ने अवकाश के निर्देश जारी किए हैं।

बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि छोटे बच्चों को इस जानलेवा ठंड से बचाया जा सके। लखनऊ में कड़ाके की सर्दी के चलते छह जिलों में स्कूलों में 24 दिसंबर तक अवकाश घोषित कर दिया गया है। लखनऊ में प्री-प्राइमरी से नर्सरी तक के बच्चों के लिए 27 दिसंबर तक अवकाश रहेगा। वाराणसी में जाड़े के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए सभी बोर्ड के स्कूलों में नर्सरी से लेकर कक्षा 5 तक के बच्चों के लिए 23 और 24 दिसंबर को छुट्टी रहेगी। यह आदेश सभी निजी और सरकारी स्कूलों पर समान रूप से प्रभावी है। फर्रुखाबाद जिले के सभी परिषदीय, मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त और सीबीएसई, आईसीएसई स्कूलों को बंद करने का निर्देश दिया है। यहां नर्सरी से कक्षा 12 तक के स्कूलों में 22 और 23 दिसंबर को अवकाश रहेगा। अंबेडकरनगर जिले के सभी बोर्ड (नर्सरी से कक्षा 12 तक) के स्कूलों में 22, 23 और 24 दिसंबर को अवकाश घोषित किया गया है। कड़ाके की ठंड को देखते हुए यह जिले का अब तक का सबसे बड़ा शैक्षणिक ब्रेक है। मिर्जापुर में 8 तक के सभी स्कूलों में 24 दिसंबर तक शैक्षणिक कार्य स्थगित कर दिए हैं। हालांकि, शिक्षकों और कर्मचारियों को विद्यालय में उपस्थित रहकर विभागीय कार्य (जैसे यू-डायस, अपार आईडी) निपटाने के निर्देश दिए गए हैं। रायबरेली में प्री-प्राइमरी से कक्षा 8 तक के सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है। इसके अंतर्गत परिषदीय स्कूल, केजीबीवी और सभी निजी स्कूल 22 और 23 दिसंबर को बंद रहेंगे। संभल में सभी बोर्ड के स्कूल, जो नर्सरी से 12वीं तक संचालित हैं, उन्हें 23 और 24 दिसंबर को बंद रखने का आदेश दिया गया है। झांसी में प्रशासन ने फिलहाल छुट्टी के बजाय समय में बदलाव का रास्ता चुना है।

ब्रीफ न्यूज

अमेरिका स्थित कश्मीरी लॉबिस्ट की संपत्ति कुर्क करने का आदेश

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में एनआईए की विशेष अदालत ने अमेरिका स्थित कश्मीरी लॉबिस्ट गुलाम नबी शाह उर्फ डॉ. फई की 1.5 कनाल से अधिक भूमि कुर्क करने का आदेश दिया। सहायक लोक अभियोजक मोहम्मद इकबाल राठेर ने फई की संपत्ति कुर्क करने का अनुरोध करते हुए अर्जी दायर की थी जिसके बाद न्यायाधीश यहाया फिरदौस ने यह आदेश पारित किया। अर्जी में कहा गया कि इस अदालत ने 2020 में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज एक मामले में आरोपी को पहले ही फरार घोषित कर दिया है।

मुर्शिदाबाद में पिता-पुत्र की हत्या के मामले में 13 को उम्रकैद

कोलकाता। मुर्शिदाबाद की एक अदालत ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान अप्रैल में पिता-पुत्र की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले में 13 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। जांगीपुर की त्वरित कोर्ट ने राज्य सरकार को पीड़ित परिवार को 15 लाख का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया। 12 अप्रैल को जाफराबाद स्थित घर में भीड़ ने हरगोबिंद दास (72) और उनके बेटे चंदन दास (42) की हत्या कर दी थी।

घरौनी से घर का कानूनी मालिकाना हक क्रय-विक्रय और नामांतरण भी आसान

विधानसभा सत्र में ग्रामीण आबादी अभिलेख विधेयक 2025 पास, 10 अन्य विधेयक बने कानून

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विधान सभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन मुख्यमंत्री योगी सरकार का पक्ष रखते हुए।

अमृत विचार: विधानसभा में मंगलवार को उप्र. ग्रामीण आबादी अभिलेख विधेयक-2025 पास हो गया। इस तरह ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों को राहत देने के मद्देनजर घरौनी को कानूनी मान्यता देने की विधायी औपचारिकता भी पूरी हो गई है।

दरअसल घरौनी, जिसे ग्राम्य आवासीय अभिलेख कहा जाता है, ग्रामीणों के आवासीय संपत्ति का आधिकारिक दस्तावेज होता है। पहले इस दस्तावेज का उपयोग सीमित कामों के लिए किया जाता था, लेकिन बीती सात अगस्त को कैबिनेट द्वारा ग्रामीण आबादी अभिलेख विधेयक-2025 को मंजूरी दिए जाने के बाद अब इसे कानूनी ताकत भी मिल गई है। इस विधेयक के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में खरीद बिक्री और नामांतरण जैसी प्रक्रियाओं को आसान और मालिकाना हक को सुरक्षित किया गया है। इसके बाद घरौनी को ही अधिकारिक दस्तावेज माना जाएगा। इस बदलाव से ग्रामीण अब अपनी आवासीय संपत्ति, यानी घर और उससे जुड़ी जमीन, को गिरवी रखकर बैंकों से आसानी से ऋण प्राप्त कर सकेंगे। वहीं, मंगलवार को सदन में उच्च शिक्षा सेवा चयन आयोग संशोधन विधेयक, निजी विश्वविद्यालय तृतीय, चतुर्थ और पंचम संशोधन विधेयक के अलावा पेंशन की हकदारी एवं विद्यामान्यीकरण विधेयक भी पास किया गया है। नगर निगम संशोधन विधेयक भी पास किया गया। इससे विज्ञापन का अनुबंध अब 15 साल के लिए किया जा सकेगा। गन्ना उपकर निरसन विधेयक, केजीएमयू संशोधन विधेयक भी पास हुआ। इस विधेयक के विरोध में सपा ने वॉक आउट किया। उप्र सुगम्य व्यापार विधेयक भी पास किया गया। इससे पहले सोमवार को विधानसभा में 10 विधेयकों के कानून बनने की सूचना दी गई। प्रमुख सचिव विधानसभा ने सदन को बताया कि राज्यपाल आनंदीबेन की मंजूरी मिलने के बाद श्री बांके बिहारी मंदिर न्यास समेत 10 विधेयक कानून बन गए हैं। इसी तरह उप्र निरसन विधेयक 2025, उप्र माल एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2025, उप्र निजी विवि (संशोधन) विधेयक 2025, उप्र राज्य लोक सेवा आयोग (प्रक्रिया का विनियमन) (संशोधन) 2025, उप्र लोक अभिलेख विधेयक 2025, उत्तर प्रदेश मोटर यान कराधान (संशोधन) विधेयक 2025, उप्र विधानमंडल सदस्य तथा मंत्री सुख-सुविधा विधि (संशोधन) विधेयक 2025, उप्र राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधक (संशोधन) विधेयक 2025 और कारखाना (उप्र संशोधन) विधेयक 2024 शामिल हैं।

विभागीय अधिकारी अनुपस्थित सतीश महाना ने नाराजगी जताई

लखनऊ। उप्र. ग्रामीण आबादी अभिलेख विधेयक-2025 पेश किए जाने के दौरान कोई विभागीय अधिकारी मौजूद नहीं था। इस पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का आदेश दिया। सदन में विधेयक पेश होने के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी अनिवार्य है लेकिन कोई अफसर नहीं आया था। महाना ने उपस्थिति दर्ज कराने का आदेश दिया।

50 हजार के इनामी शुभम समेत चार के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

वाराणसी, एजेंसी

कोडीन कफ सिरप मामला

- एसआईटी ने आकाश, अमित और दिवेश जायसवाल को देश छोड़ने से रोकने के लिए जारी किया नोटिस

उत्तर प्रदेश में कोडीन युक्त कफ सिरप के अवैध कारोबार में आरोपी एवं 50 हजार रुपये के इनामी शुभम जायसवाल समेत चार व्यक्तियों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) गौरव बंसवाल ने बताया कि शुभम जायसवाल पर पहले 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था, जिसे बाद में बढ़ाकर 50 हजार रुपये किया जा चुका है।

बंसवाल ने बताया कि शुभम जायसवाल और तीन अन्य आकाश पाठक, अमित जायसवाल और दिवेश जायसवाल को देश छोड़ने से रोकने के लिए सोमवार को लुकआउट नोटिस जारी किए गए। बंसवाल ने बताया कि रांची के शैली ट्रेडर्स से जुड़ी कई फर्म के लाइसेंस भी निरस्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जांच में सामने आया है कि शुभम जायसवाल के लिए दिवेश जायसवाल और अमित जायसवाल फर्जी फर्म और फर्जी दस्तावेजों से बिल जनरेट कराने का काम करते थे। उन्होंने बताया कि चारों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है।

उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिरीक्षक (कानून-व्यवस्था) एल आर कुमार के नेतृत्व में गठित एक विशेष जांच दल (एसआईटी) मामले की जांच कर रहा है। विशेश्वरगंज के औसानगंज निवासी मेसर्स सिंडिकेट के प्रोपराइटर मनोज यादव और उसके बेटे लक्ष्य यादव, सूजाबाद निवासी राहुल यादव, खोजवा के घनश्याम, अंकुश सिंह को एसआईटी ने रडार पर लिया है। इन आरोपियों के करीबियों से एसआईटी ने कई चक्र में पूछताछ की है।

तौकीर के करीबी के बरातघर पर चला बुलडोजर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

फरीदापुर चौधरी मे वाजिद वेग के बरात घर पर चलता बुलडोजर।

- फरीदापुर चौधरी स्थित पूर्व सपा पार्षद वाजिद बेग के बरातघर पर बीडीए ने की ध्वस्तीकरण की कार्रवाई
- बीडीए ने बिना नक्शा पास कराए बनाए गए बरातघर को दो माह पूर्व किया था सील, पुलिस रही तैनात

अमृत विचार : बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने मंगलवार को आईएमसी नेता मौलाना तौकीर रजा के करीबी सपा के पूर्व पार्षद वाजिद बेग का फरीदापुर चौधरी में स्थित बेग बरातघर के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही भारी पुलिस बल मौजूद रहा। कार्रवाई बुधवार को भी जारी रह सकती है।

आई लव मुहम्मद के पोस्टर विवाद को लेकर शहर में 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद से ही आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा के करीबियों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। फरीदापुर चौधरी में पूर्व सपा पार्षद वाजिद बेग का बिना नक्शा पास कराए बने बेग बरातघर को बीडीए ने दो माह पूर्व अक्बटूर में नोटिस जारी किया था। अफसरों के अनुसार, बेग बरातघर का करीब 1200 वर्ग मीटर क्षेत्र में निर्माण कराया गया है। इसकी लागत करीब तीन करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। बीडीए की टीम ने शाम करीब 6 बजे तक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रखी। कार्रवाई के दौरान एडीएम सिटी सौरभ दुबे मौजूद रहे, जबकि एसपी सिटी मानुष पारिक ने भी कार्रवाई का निरीक्षण कर पुलिस को दिशा निर्देश जारी किए।

प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल का निधन

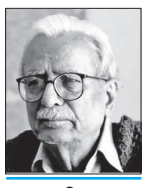

- भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से थे सम्मानित

रायपुर। भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल का मंगलवार शाम यहां निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। उनके पुत्र शाश्वत शुक्ल ने बताया कि सांस लेने में तकलीफ होने के बाद उन्हें इस महीने दो तारीख को रायपुर के एम्स में भर्ती कराया गया था।

मंगलवार शाम 4.48 बजे में उन्होंने अंतिम सांस ली। एक नवंबर को जब प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ का दौरा किया था तब शुक्ल व उनके परिवार से बात की थी। 'नौकर की कमीज', 'खिलेगा तो देखेंगे', 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' और 'एक चुप्पी जगह' जैसे उपन्यासों के रचयिता शुक्ल को 59 वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

कोर्ट ने कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम पर आरोप तय करने का दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

चीनी वीजा घोटाला मामला

- सीबीआई के विशेष न्यायाधीश ने दिया आदेश, छह अन्य के खिलाफ भी आरोप होंगे तय

दिल्ली की एक अदालत ने चीनी वीजा घोटाला मामले में कांग्रेस सांसद कार्ति पी. चिदंबरम और छह अन्य के खिलाफ आरोप तय करने का मंगलवार को आदेश दिया। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश दिग विनय सिंह ने सातों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया और चेतन श्रीवास्तव नाम के एक व्यक्ति को मामले में आरोपमुक्त कर दिया।

अदालत ने आपराधिक षड्यंत्र के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया। चिदंबरम पर 2011 में एक बिजली कंपनी के लिए चीनी नागरिकों को वीजा दिलाने में रिश्वतखोरी का आरोप है। तब उनके पिता पी. चिदंबरम केंद्रीय गृह मंत्री थे। इस मामले में सीबीआई ने अक्टूबर 2024 में कार्ति चिदंबरम और अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। सीबीआई ने एक विशेष कोर्ट के समक्ष दाखिल किए गए अपने आरोपपत्र में शिवगंगा लोकसभा सीट से सांसद कार्ति चिदंबरम, उनके कथित करीबी सहयोगी एस. भास्कररमन, वेदांता की सहायक कंपनी टीएसपीएल और मुंबई स्थित बेल टूल्स का नाम लिया है। बेल टूल्स के जरिए कथित तौर पर रिश्वत दी गई थी।

गैलरी में प्रसव के बाद नवजात की मौत, हंगामा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बदायूं के जिला महिला अस्पताल में गर्भवती को स्टॉफ ने नहीं देखा
- दर्द की तड़पती रही गर्भवती, परिजन लगाते रहे स्टॉफ से गुहार

सोमवार की रात की घटना के बारे में मंगलवार को जानकारी मिली है। पता किया जाएगा उस समय कौन ड्यूटी पर था। पूछताछ की जाएगी कि मरीज को भर्ती क्यों नहीं किया गया। रात को नियमित डॉक्टर और अन्य स्टाफ ड्यूटी पर रहता है।

– शोभा अग्रवाल, सीएमएस

अमृत विचार : जिला महिला अस्पताल में सोमवार आधी रात गर्भवती महिला दर्द से चीखती रही, लेकिन डॉक्टरों ने उसे अनदेखा कर दिया। महिला ने अस्पताल के बरामदे के बाहर गैलरी में रात 1 बजे शिशु को जन्म दिया। प्रसव के बाद ठंड की वजह से शिशु की मौत हो गई। परिजनों ने हंगामा किया तब जाकर प्रसूता को भर्ती किया गया। पीड़ित परिवार ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई कराने की बात कही है।

सिरसौली गांव निवासी गर्भवती सविता को सोमवार रात 10 बजे प्रसव पीड़ा हुई। एंबुलेंस न मिलने पर परिजन ई-रिक्शा से लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। रात 12 बजे जिला अस्पताल गेट पर ई-रिक्शा चालक ने गर्भवती को उतार दिया। इसके बाद परिजन सविता को किसी तरह जिला महिला अस्पताल के अंदर ले गए। दर्द अधिक होने पर सविता को बरामदे के बाहर गैलरी में बिठा दिया। सविता के पति व अन्य लोग डॉक्टर के पास पहुंचे और सविता को देख लेने की गुहार लगाई। नर्स और स्टाफ नर्स ने गर्भवती को हाथ नहीं लगाया। उन्होंने महिला डॉक्टर के न होने की बात कही।

परिजन ने महिला को वार्ड में भर्ती करने को कहा, लेकिन स्टाफ नर्स ने उसकी एक नहीं सुनी। दर्द से तड़प रही सविता ने रात 1 बजे गैलरी में ही शिशु को जन्म दिया। आधी रात को भारी ठंड के चलते कुछ ही देर में नवजात बच्ची की मौत हो गई और प्रसूता बेहोश हो गई। हंगामा देखकर स्टॉफ ने सविता को फौरन वार्ड में भर्ती किया। मंगलवार को पीड़ित परिवार ने जिला महिला अस्पताल के सिस्टम के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही।

किसान सम्मान दिवस मुख्यमंत्री ने जयंती पर चौधरी चरण सिंह को दी श्रद्धांजलि, ट्रैक्टर वितरण के साथ सीड पार्क का किया उद्घाटन

किसान के पसीना बहाने से धरती उगलती है सोना : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने किसान सम्मान दिवस के अवसर पर किसानों की मेहनत और योगदान को नमन करते हुए कहा कि किसान जब सर्दी-गर्मी की परवाह किए बिना पसीना बहाता है और धरती मां के साथ ऊर्जा का प्रवाह करता है, तब खेती अन्न उत्पादन के रूप में सोना उगलती है।

उन्होंने किसान समृद्धि योजना के तहत ट्रैक्टर पाने वाले किसानों के उत्साह का उल्लेख करते हुए कहा कि कोई किसान अपनी मां तो कोई पत्नी को ट्रैक्टर में बिठाकर घर ले जा रहा है, यही किसान की असली ताकत है। योगी पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की 123वीं जयंती पर विधान भवन प्रांगण स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के बाद 'किसान सम्मान दिवस' कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने किसानों को ट्रैक्टर की चाबी सौंपी, वैज्ञानिकों, एफपीओ और प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। साथ ही चौधरी चरण सिंह सीड पार्क, अटारी (लखनऊ) में प्लॉट आवंटन प्रक्रिया का बटन दबा उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि पहले किसान शासन की योजनाओं से वंचित रहता था, लेकिन आज लाभ सीधे पहुंच रहा है।

पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री योगी, साथ में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व अन्य।

सरकार के एजेंडे का केंद्र बना किसान

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसान पहली बार सरकार के एजेंडे का केंद्रीय विषय बना। स्वायल हेल्थ कार्ड से धरती मां की सेहत का आकलन हुआ, प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, एमएसपी की गारंटी और बीज से बाजार तक की सुविधाओं ने किसानों को सशक्त किया।

स्वास्थ्य के लिए करें प्राकृतिक खेती

मुख्यमंत्री ने शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी और बहराइच में रिकॉर्ड उत्पादन का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों को उन क्षेत्रों में ले जाकर तकनीक से अवगत कराया जाए। प्राकृतिक खेती को स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए आवश्यक बताते हुए उन्होंने कहा कि कैंसर, किडनी और लीवर जैसी बीमारियों से बचाव का प्रभावी मार्ग यही है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 24 दिसंबर 2025

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

तीन वारंटी किए गिरफ्तार

बीसलपुर, अमृत विचार : एसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के दौरान कोतवाली पुलिस ने तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया। कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि वारंटी अखिलेश कुमार पुत्र हरद्वारी लाल, देवेंद्र कुमार पुत्र हरद्वारी लाल निवासी ग्राम खानपुर उर्फ बीरमपुर को घर से गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा ग्राम अखोली निवासी वारंटी रतिराम को पकड़ा। तीनों को न्यायालय में पेश किया गया है।

पुराने विवाद में किया हमला, रिपोर्ट

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव पचपेडा पुखा के रहने वाले धर्मेंद्र कुमार पुत्र राम प्रसाद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसने अपना एक ट्राली गन्ना गांव के पूरनलाल के हाथ बेचा था। उसके पुत्र संजीव कुमार से विवाद हो गया था। उस दौरान गांव के लोगों ने समझा दिया। कुछ समय के बाद पूरनलाल व संजीव कुमार अपने साथी दीनदयाल संग आए और चौराहे पर हमला कर पिटाई कर दी।

घर में घुसकर मां-बेटी को पीटा, रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव लखनऊकलां की रहने वाली सुदामा देवी पुत्री माखनलाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी थाना गजरौला क्षेत्र के गांव पिपरिया भजा निवासी अजीत प्रताप पुत्र रामस्वरूप से हुई थी। उसका दहेज प्रथा का मुकदमा ससुराल पक्ष से न्यायालय में विचाराधीन है। 13 अक्टूबर की सुबह पति अजीत प्रताप, ससुर रामस्वरूप, सास बसंतो देवी घर के अंदर घुस आए। उस वक्त परिवार वाले नहीं थे। उसकी छोटी पुत्री पांच वर्षीय गौरी देवी घर पर मौजूद थी। मुकदमे में सुलह का दबाव बनाया। मना करने पर हमला कर पीटा। पुत्री गौरी देवी के हाथ में फ्रैक्चर हो गया।

उर्स का कुलशरीफ के साथ समापन

जहानाबाद, अमृत विचार : कस्बे में चल रहा तीन दिनी उर्स हज़रत सूफ़ी अहमद हुसैन का चादरपोशी की गई और शाम मे कब्बली का प्रोग्राम हुआ। सोराब कब्बॉल पूरनपुर से आए थे। मंगलवार को कुल शरीफ के साथ उर्स का समापन हुआ। गद्दीनशीन अब्दुल्ला मियां, हाफिज समीउल्लाह ने फातिहा पढ़ी और आपस में अमन और सुकून से रहने की दुआ की। इस मौके पर सूफ़ी रहीस मियां, नाजिम मियां, मोहम्मद मियां, हाफिज तालिब, अशफाक आदि मौजूद रहे।

क्रिसमस और नए साल को लेकर बाजार हुए गुलजार

सेंटा क्लॉज ड्रेस और क्रिसमस ट्री की बाजार में बढ़ी मांग, चर्च में बनाई जा रही चरनी, गिफ्ट और गुलाब के फूल किए जा रहे पसंद

कार्यालय संवाददाता,पीलीभीत

शहर के एक चर्च में चरनी तैयार करते लोग। ● अमृत विचार

स्टेशन रोड पर दुकान में सेंटा क्लॉस की ड्रेस व अन्य सामान। ● अमृत विचार

नए साल और क्रिसमस को लेकर तैयार किए जा रहे बुके। ● अमृत विचार

अमृत विचार : क्रिसमस और नए साल के आगमन की आहट के साथ शहर का बाजार गुलजार हो उठा है। सर्द मौसम के बीच रोशनी, सजावट और खुशियों से सजी दुकानों पर लोगों की चहल पहल लगातार बढ़ रही है। बाजारों में सेंटा क्लॉस, क्रिसमस ट्री, सजावटी झालरें और आकर्षक डेकोरेशन सामग्री की खूब खरीदारी हो रही है, वहीं चर्चों में प्रभु यीशु के आगमन को लेकर तैयारियां तेज हो गई है।

साफ सफाई के अलावा चरनी बनाई जा रही है। घरों में प्रार्थना सभा कराई जा रही है। इधर, नए साल के जश्न को लेकर भी बाजार में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। हालांकि पहले की तरह ग्रीटिंग कार्डों की जगह उपहारों, गुलाब के फूलों, चॉकलेट और खास गिफ्ट आइटम की मांग तेजी से बढ़ रही है।

प्रभु मसीह का जन्मदिवस 25 दिसंबर को क्रिसमस के रुप में मनाया जाता है। इस पर्व को लेकर मसीह समाज के लोग बड़े ही धूमधाम से मनाते हैं। घरों व गिरजाघरों की साफ-सफाई और रंगाई-पुताई का काम शुरू हो चुका है। प्रभु यीशु के आगमन के लिए पेंटी कॉस्टल फुल गोस्पल चर्च, मैथोडिस्ट चर्च आदि में चरनी बनाई जा रही हैं। इसके अलावा घरों में भी चरनिया बनाने के साथ ही रंग बिरंगी रोशनी से सजाया जा रहा है। प्रभु आगमन के लिए तैयार रहने का संदेश दिया जा रहा है।

क्रिसमस को लेकर बाजार में विभिन्न प्रकार की सेंट क्लाज ड्रेस, क्रिसमस ट्री, सेंटा मास्क, टोपी, सेंटा टॉय के अलावा घर की सजावट का सामान बिक रहा है। जिससे लोग खरीदने के लिए बाजार में पहुंच रहे हैं। इस वजह से शहर के स्टेशन रोड, छिपियान मस्जिद, चौक बाजार, जेपी रोड, चावला चौराहा समेत विभिन्न जगह चहल पहल देखने को मिल रही है। दुकानों पर भी क्रिसमस पर ट्री, सेंटा क्लाज की ड्रेस की डिमांड अधिक है। वहीं कपड़ों की दुकानों पर भी अब ग्राहकों की भीड़ देखने को मिल रही है। मंगलवार को भी चर्च में तैयारियां होती मिली। जहां चर्च में चरनी का कार्य होता मिला। इधर, सप्ताह भर पहले ही कैरोल सिंगिंग घर-घर शुरु हो गई है। जिसमें टोलियां घर-घर जाकर प्रभु यीशु का गुणगान कर रहे हैं।

कैरेल्स गाकर प्रभु यीशु का संदेश भी दिया गया। पहले चर्च में प्रार्थना होती है। इसके बाद शाम को टोलियां शहर के नकटादाना चौराहा, आवास विकास कॉलोनी, छोटा खुदागंज, एकता नगर कॉलोनी, शिवनगर कॉलोनी, बेनी चौधरी आदि इलाकों में ईसाई समुदाय के घरों पर जाकर प्रभु का गुणगान किया। इधर, पांच दिन के बाद नए साल का स्वागत करने के लिए भी तैयारियां शुरु हो गई है। होटल और रेस्टोरेंट में बुकिंग शुरु हो चुकी है। हालांकि हुडदंग न हो, इसलिए पुलिस विभाग भी पूरी तैयार कर चुका है।

रम केक के अलावा अन्य डिजाइन की भरमार

क्रिसमस की खुशी केक के बिना अधूरी है। क्रिसमस पर केक की मांग 25 दिसंबर से एक सप्ताह बाद नए वर्ष तक रहती है। ऐसे में शहर के बेकरी संचालकों के पास लोग मनपसंद केक की बुकिंग करवा रहे हैं। हालांकि जिले में अधिकतर लोगों अपना केक बरेली में तैयार करते हैं। क्रिसमस पर रम केक की डिमांड अधिक होती है। वहीं शहर की प्रतिष्ठित बेकरी में क्रिसमस केक के ऑर्डर आने लगे हैं। क्रिसमस पर विभिन्न प्रकार के केक के ऑर्डर बेकरी में आने शुरू हो गए हैं। जिसमें सेंटा क्लाज के आकार से लेकर क्रिसमस ट्री के आकार के केक की डिमांड अधिक है। इसके अलावा 30 किलो का केक बनाने का ऑर्डर भी आया है। प्लम केक की डिमांड ज्यादा रहती है। खासकर रम वाले केक की बाजार में अधिक डिमांड है। तो वहीं कई लोग बरेली में इस केक के लि ऑर्डर दे रहे हैं।

ग्रीटिंग का क्रेज कम, गिफ्ट का बढ़ा चलन

नए साल करीब सात साल पहले तक ग्रीटिंग का क्रेज चलता था। इसको लेकर कई दिन पहले ही युवा ग्रीटिंग की खरीदारी करने के लिए जुट जाते थे। बदलते दौर के साथ नए साल भी आधुनिक हो चुका है। अब नए साल पर लोग ग्रीटिंग नहीं खरीदते है। बल्कि अपने चाहने वाले लोगों को गिफ्ट देकर यादगार बनाते हैं। ऐसे में बाजार में युवाओं के टेडी वियर, हैड पर्स, चाकलेट पैक आदि गिफ्ट से गुलजार है। जिनको युवा हाथों हाथ पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा फूल की बिक्री भी बढ़ जाती है। खासकर बात हो गुलाब की। नए साल पर गुलाब की बिक्री सर्वाधिक होती है। युवा नए साल रोजवट, जरबेरा फूल से तैयार बुके युवा की पसंद बन रहे हैं। इसको लेकर फूल कारोबारियों ने भी तैयारियां शुरु कर दी है।

छात्र-छात्राओं को करियर के संबंध में दिया परामर्श

बच्चों के बनाए मॉडल देखते शिक्षक। ● अमृत विचार

जहानाबाद, अमृत विचार: पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय गौनेरीबदी में मंगलवार को कैरियर मेले का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र छात्राओं को कैरियर के सम्बन्ध में परामर्श दिया गया।

शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, कानून सहित कई अन्य क्षेत्रों से आमन्त्रित लोगों ने बच्चों का मार्गदर्शन किया। जहानाबाद इंटर कालेज प्रधानाचार्य आरके गंगवार , शिक्षक सर्वेश कुमार, ग्राम प्रधान कृष्ण गोपाल , शाहिद ख़ां एडवोकेट, पूरनलाल, सेवानिवृत्तशिक्षिका सुमन जैसवार, शाहीन परवीन, प्राथमिक शिक्षक संघ की ब्लाक ललौरीखेड़ा इकाई के अध्यक्ष डॉ.संतोष कुमार गंगवार ने बच्चों को आवश्यक जानकारी दी। बच्चों ने मॉडल व चित्रों का प्रदर्शन किया।

क्रिसमस पर भव्य एवं आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

सेंट जोसेफ स्कूल पूरनपुर में कार्यक्रम पेश करते बच्चे। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सेंट जोसेफ स्कूल पूरनपुर में क्रिसमस के अवसर पर भव्य एवं आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ईसा मसीह के जीवन से जुड़े नाटिका, नृत्य और कैरल सिंगिंग की प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रेयर इंटेंशन से हुई। कक्षा आठ की छात्रा पवनीत कौर ने ईसा मसीह के जीवन और उनके संदेशों पर प्रकाश डाला। कक्षा चार के बच्चों ने मैरी ऑफ फाइव अडवेंट कैंडल्स कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिसे लिली प्रकाश और अलीशा कुजूर के निर्देशन में तैयार किया गया था। यह प्रस्तुति बच्चों के बीच विशेष रूप से सराही गई। कक्षा एक के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने हम चरवाहे नाचे झूम-झूम के

● ईशु के जीवन से जुड़े नाटिका, नृत्य और कैरल सिंगिंग की दीं प्रस्तुतियां

नृत्य-नाटिका प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस प्रस्तुति को अलीशा कुजूर और अंशिका पांडेय ने तैयार कराया था। सांता क्लॉज ने बच्चों का मनोरंजन किया और मिठाइयां बांटीं। प्रधानाचार्य सिस्टर रेम्या सेबेस्टियन ने सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं। स्कूल मैनेजर फादर ग्रेगरी मसक्रेनस ने कहा कि प्रभु ईसा मसीह किसी एक धर्म के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए प्रेम और शांति का संदेश लेकर आए थे। उन्होंने प्रसिद्ध गायिका पलक मुच्छल द्वारा की जा रही समाज सेवा का भी उल्लेख किया। संचालन खनक खंडेलवाल और अनमोल वीर सिंह ने किया।

बच्चों ने पेश किए रंगारंग कार्यक्रम, मन मोहा

कार्यक्रम में मौजूद बच्चे। ● अमृत विचार

बरखेड़ा, अमृत विचार: कस्बे में स्थित पीएमश्री विद्यालय नंबर दो में मंगलवार को खेलकूद प्रतियोगिता एवं वार्षिक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष श्याम बिहारी भोजवाल,विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष अलका देवी ने किया।

कार्यक्रम में मां शारदे वंदना, स्वागत गीत, अतिथि सम्मान, भोले की बम लहरी, नन्हे-मुन्ने बच्चों के द्वारा मेरा जूता है जापानी आदि पर रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अतिथियों ने प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। अभिभावकों ने कार्यक्रम की सराहना की। अतिथियों को प्रधानाध्यापिका द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

दिव्यांग छात्र-छात्राओं को बांटे सहायक उपकरण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

छात्र-छात्राओं के साथ सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, बीएसए रोशनी सिंह व अन्य।

● सीडीओ और बीएसए ने किया वितरण, बच्चों के खिले चेहरे

अमृत विचार: समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत एलिम्को कंपनी कानपुर के सहयोग से परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले दिव्यांग छात्र-छात्राओं को मंगलवार को सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, बीएसए रोशनी सिंह द्वारा उपकरण बांटे गए।

बीएसए कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 202 दिव्यांग बच्चों को उपकरण दिए गए। उपकरण पाकर दिव्यांग छात्र छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। पांच दिव्यांग बच्चों को ट्राईसाइकिल, 27 बच्चों को व्हीलचेयर, तीन बच्चों को सीपी चेयर, 18 बच्चों को बैसाखी, 11 बच्चों को रोलेटर,पांच बच्चों को ब्रेल किट, एक बच्चे को ब्रेल केन, 33 बच्चों को टीएलएम किट,चार बच्चों को सुगम केन,21 बच्चों को हियरिंग ऐड,पांच बच्चों को कैलीपर उपकरण दिए गए।

सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास ने दिव्यांग बच्चों उनके परिजनों को संबोधित करते हुए कहा दिव्यांगता कोई अभिशाप नहीं है। यदि इन दिव्यांग बच्चों को तराशा जाए तो यह सामान्य बच्चों से आगे जा सकते हैं। परिषदीय स्कूलों में इन बच्चों को पढ़ाने की बेहतर व्यवस्था स्पेशल एजुकेटरों के द्वारा की जा रही है।

बीएसए रोशनी सिंह ने कहा कि दिव्यांग बच्चों का विशेष ख्याल रखा जाए। शिक्षक इन पर अपना फोकस अधिक करें। शासन के द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए यह एक कल्याणकारी योजना है। इस योजना के तहत प्रत्येक दिव्यांग बच्चे को लाभान्वित करना शासन की मंशा है।

दिव्यांग बच्चों के परिजनों से स्पेशल एजुकेटर्स समय-समय पर काउंसलिंग भी करते रहें। इस मौके पर जिला समन्वयक समेकित शिक्षा राकेश पटेल, खंड शिक्षा अधिकारी नगर सुनील कुमार सिंह, जिला समन्वयक बालिका शिक्षा मनीष श्रीवास्तव, जिला व्यायाम शिक्षक राजीव कुमार, स्पेशल एजुकेटर अनिल कुमार, रामदास, मनीष श्रीवास्तव, संजीव मिश्रा, अनुराधा अग्रवाल, पंकज कुमार, नूतन कुमार, सुनील त्रिपाठी, विजय गुप्ता, राजेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

रक्तदान है जीवनदान, इसके लिए आगे आएं

पीलीभीत, अमृत विचार: पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के रक्त बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने शिविर का उद्घाटन किया। रक्तदान के महत्व पर जोर दिया। प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने रक्तदान को जीवनदान बताया और आमजन से रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया। शिविर में 15 लोगों ने रक्तदान किया, जिनमें तीन महिलाएं शामिल रही। इस मौके पर डॉ. परीक्षित सिंह, डॉ. अमृता सिंह, डॉ. जूली, डॉ. सौरभ राय, डॉ. विभूति गोयल आदि मौजूद रहे।

बांग्लादेश सरकार का पुतला फूंका

संवाददाता, बीसलपुर

बीसलपुर में पुतला फूंकते हिंदू महासभा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

● बारह पत्थर चौराहे पर एकत्र हुए हिंदू महासभा के कार्यकर्ता

अमृत विचार: अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को बारह पत्थर चौराहे पर एकत्र होकर बांग्लादेश सरकार का पुतला फूंका। कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए पुराने बस अड्डा चौराहा से कई मार्गों से होकर पहुंचे थे।

नगर महामंत्री महंत अवनीश रतन ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं को योजनाबद्ध तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मांग की। वे इस मामले में हस्तक्षेप करें और भारतीय सेना के माध्यम से वहां के हिंदुओं को सुरक्षा सुनिश्चित कराई जाए।

उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर बांग्लादेश के मुद्दे को कड़ाई से नहीं उठाया गया तो स्थिति और भी खराब हो सकती है। इसके पश्चात कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश सरकार का पुतला फूंका। इस मौके पर महिला विंग अध्यक्ष बबीता सक्सेना, विवेक श्रीवास्तव, नरेश चंद शर्मा, सुनील अवस्थी, अनूप शर्मा, प्रतीक ठाकरे, योगेंद्र गंगवार, वीरेंद्र गंगवार, कृति शर्मा, रवि यादव, पीयूष गंगवार, हरीश शर्मा, नैना सक्सैना आदि मौजूद रहे।

प्रशासनिक न्यायमूर्ति ने सुनीं समस्याएं

● जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और महासचिव ने भेंट की बांसुरी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

न्यायमूर्ति मुजीब शुक्ला को बांसुरी भेंट करते जिला संयुक्त बार एसो . अध्यक्ष व महासचिव।

अमृत विचार: जनपद के प्रशासनिक न्यायमूर्ति एवं उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति मंजीब शुक्ला ने जिला अदालतों का निरीक्षण किया। वादकारियों से उनकी समस्याएं जानी। शाम को अधिवक्ता संगठनों से न्यायमूर्ति से भेंट कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। न्यायमूर्ति ने अधिवक्ताओं की समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

न्यायमूर्ति मंजीब शुक्ला के पीलीभीत पहुंचने पर जिला जज रविंद्र कुमार, स्पेशल जज टीएन पासवान, अपर जिला जज विजय कुमार डुंगराकोटि, स्पेशल जज रामकिशोर, सीजेएम मंगलदेव सिंह, एसीजेएम सुंदरपाल आदि ने स्वागत किया। न्यायमूर्ति ने जजी परिसर पहुंचकर मुकदमों की सुनवाई की प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने कचहरी में अधिवक्ताओं और वादकारियों से मिलकर समस्याओं को सुना। न्यायमूर्ति ने मुकदमों के शीघ्रता से निस्तारण पर भी जोर दिया। शाम को अधिवक्ता संगठनों के पदाधिकारियों और अधिवक्ताओं ने न्यायमूर्ति मंजीब शुक्ला से मुलाकात की और समस्याएं बताई। जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेंद्र मिश्र एडवोकेट, महासचिव आनंद मिश्रा ने न्यायमूर्ति का दोशाला भेंट कर स्वागत किया। उन्हें स्मृति चिन्ह के रुप में बांसुरी भेंट की। इस मौके पर अधिवक्ता विवेक अवस्थी, अशोक बाजपेई, विमल कुमार सिंह, सरोज बाजपेई आदि मौजूद रहे।

शीतलहर के चलते आज बंद रहेंगे स्कूल

पीलीभीत, अमृत विचार: पिछले कई दिनों से कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। मंगलवार को भी दिनभर कोहरा छाया रहा और बर्फीली हवा चलती रहीं। जिससे ठिठुरन बनी रही। इसका असर घरेलू और व्यावसायिक जनजीवन पर भी पड़ा। उधर, सर्दी को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से अलाव व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं स्कूलों में भी अवकाश घोषित कर दिया गया है। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि शीतलहर को देखते हुए कक्षा एक से आठ तक के परिषदीय, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक आदि समस्त स्कूलों में 24 दिसंबर को ठछात्र छात्राओं के लिए अवकाश घोषित किया गया है। शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी स्कूल में यथावत पहुंचकर विभागीय कार्य करेंगे। आदेश का सख्ती से पालन कराने के लिए निर्देशित किया गया है।

कैसे हों बच्चे निपुण, शिक्षकों को समय से मानदेय नहीं

कार्यालय संवाददाता,पीलीभीत

● 1025 आउट ऑफ स्कूल बच्चे किए थे चिन्हित, 46 शिक्षकों की होनी थी भर्ती

● महज 12 शिक्षकों ने ही किया ज्वाइन, उन्हें भी समय से नहीं मिल रहा मानदेय

आउट आफ स्कूल के लिए रिटायर्ड शिक्षक और स्नातक पास लोग रखने के प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्तमान समय में 12 शिक्षक काम कर रहे हैं। उनका मानदेय देने के लिए अब बजट मिला है। जिसको जल्द ही उनके खाते में भेजा जाएगा। – सचिन चौधरी, जिला समन्वयक

अमृत विचार : शिक्षा से वंचित बच्चों को मुख्यधारा से जोड़कर निपुण बनाने की महत्वाकांक्षी मुहिम पर अव्यवस्थाएं भारी हैं। आउट ऑफ स्कूल बच्चों को पढ़ाने के लिए बनाई गई पूरी कार्ययोजना कागजों में तो मजबूत दिखाई देती है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है। शिक्षकों की समय पर भर्ती और उन्हें नियमित मानदेय न मिलने के कारण योजना तेजी नहीं पकड़ पा रही है। जिससे बड़ी संख्या में बच्चों का भविष्य अधर में है। चार माह का मानदेय देने का बजट अब मिला है। जिसके बाद मानदेय खातों में भेजने की प्रक्रिया शुरु की जा रही है।

जिले में परिषदीय विद्यालयों की संख्या 1508 हैं। जिसमें 291 कंपोजिट, 928 प्राथमिक और 280 उच्च प्राथमिक विद्यालय संचालित होते हैं। इसके अलावा नौ कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय भी शामिल हैं। इनमें 18 स्कूलों का संचालन नगरीय क्षेत्र में किया जा रहा है। इन सभी स्कूलों में कक्षा चार से आठ में 1.15 लाख और कक्षा एक से तीन में 60864 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। जिले में ऐसे कई छात्र-छात्राएं हैं, जो आर्थिक तंगी, पारिवारिक जिम्मेदारियों, मौसमी पलायन, बीमारी या अन्य सामाजिक कारणों से स्कूल छोड़ चुके हैं। ऐसे छात्र-छात्राओं की पहचान कर उन्हें परिषदीय विद्यालयों से जोड़ा जाएगा। इसके लिए स्कूलों में विशेष कक्षाओं का संचालन किया जाएगा, जहां बच्चों को अक्षर ज्ञान, गणित की बुनियादी समझ और सामान्य विषयों की शिक्षा दी जाएगी। इनको पढ़ाने के लिए सेवानिवृत्त अध्यापक शिक्षण अनुभव के साथ-साथ बच्चों को भावनात्मक सहयोग भी दे सकेंगे। इन बच्चों की पढ़ाई में प्रयोग होने वाली स्टेशनरी खर्च भी सरकार वहन करती है। जिसके लिए शासन की ओर से 838 रुपये देती है। इसमें कापी, पैंसिल, रबर, कटर, ज्योमेट्री बाक्स, पैन, आर्ट कापी, स्लेट, चाक, चार्ट पेपर, फाइल कवर आदि सामग्री शामिल है। जिले में वर्ष 2025-26 के शैक्षिक सत्र के लिए 1025 बच्चें चिन्हित किए हैं। जिले में इनको पढ़ाने के लिए 46 शिक्षकों की भर्ती होनी थी। जिनको चार हजार रुपये मानदेय दिया जाएगा। सितंबर माह में भर्ती शुरु की गई। तो सिर्फ 16 लोगों ने ज्वाइन किया। इनमें अधिक काम और कम मानदेय होने के कारण चार छोड़कर चले गए। जबकि 12 कार्य कर रहे हैं। मगर काम करने के बाद भी उन्हें समय से मानदेय नहीं मिल पा रहा है। आलम यह है कि सितंबर, अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर माह का मानदेय के लिए अब बजट जारी किया गया है। बजट मिलने के बाद विभाग की ओर से मानदेय खाते में भेजने की तैयारियां कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के ग्राम भिखारीपुर निवासी अशोक कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका छोटा भाई 40 वर्षीय राकेश कुमार 18 दिसंबर को सुबह साढ़े 10 बजे भिखारीपुर से शहर में मजदूरी करने जा रहा था। ग्राम रम्पुरिया चौराहे के पास पहुंचते ही पीलीभीत की ओर से आ रहे कार के चालक ने उसके भाई की बाइक में टक्कर मार दी। जिससे उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर हालत में उसके भाई का बरेली के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे के दौरान बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

किशोरी लापता, तलाश में जुटी पुलिस

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना गजरौला क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी 13 वर्षीय पुत्री 16 दिसंबर को दोपहर तीन बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। उसने अपनी पुत्री की काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एसओ गजरौला बृजवीर सिंह ने बताया कि किशोरी की बरामदगी के प्रयास किया जा रहे हैं, जल्द उसको बरामद कर लिया जाएगा।

37 ग्राहकों को बांटे कृषि ऋण संबंधी स्वीकृति पत्र

पीलीभीत, अमृत विचार : पंजाब एंड सिंध बैंक की पीलीभीत शाखा में किसान दिवस का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक (वित्तीय समावेश) अशनी कुमार ने किसानों को बैंक की कृषि संबंधी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। जिले के तमाम किसानों ने भाग लिया और बैंक की विभिन्न कृषि योजनाओं के बारे में चर्चा की। इस मौके पर 37 किसान ग्राहकों को कृषि ऋण संबंधी स्वीकृति पत्र आवंटित किए गए। आंचलिक प्रबंधक किरण शंकर, मुख्य प्रबंधक अमित मोहन अस्थाना, शाखा प्रबंधक राधे श्याम प्रभाकर मौजूद रहे।

पैदल गश्त कर परखे हालात, दिए निर्देश

पीलीभीत, अमृत विचार : एएसपी विक्रम दहिया, सीओ सदर दीपक चतुर्वेदी ने शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने को सुनगढ़ी और कोतवाली पुलिस के साथ मंगलवार शाम पैदल गश्त की। बाजार समेत कई मुख्य मार्गों से पुलिस बल गुजरा और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

बाघों के आशियाने में सेंधमारी, कब्जे को उजाड़ीं झाड़ियां

पीटीआर कोर एरिया में निर्माण सामग्री फैलाकर अवैध कब्जे का प्रयास, महज मजदूरों के खिलाफ केस दर्ज कर की खानापूरी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व के चारों ओर कंकरीट के पहाड़ बनाने के बाद अब बाघों के आशियाने पर भी चोट करने लगे हैं। खास बात है कि सबकुछ जिम्मेदारों की आंखों के सामने हो रहा है, मगर जानकर भी अंजान बने हैं। जंगल नियमों की धज्जियां उड़ाने का ऐसा ही एक मामला महोफ रेंज से जुड़ा सामने आया है। जंगल क्षेत्र में निर्माण सामग्री फैला अवैध कब्जा किया जा रहा है। बाउंड्रीवॉल बनाने के नाम पर खड़ी जंगल झाड़ी का सफाया करते हुए वन्यजीवों के प्राकृतवास को भी नष्ट कर दिया गया। फिलहाल इस पूरे मामले में कार्रवाई के नाम पर खानापूरी करते हुए मामले को रफा-दफा करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व ने महज एक दशक में जितनी ऊंचाईयां हासिल की, उससे अब अधिकांश लोगों की नजरें इसी ओर टिकी हैं। इसमें कुछ ऐसे भी रसूखदार हैं, जिन्होंने निवेश के नाम पर जंगल को अपनी मिल्कियत मानते हुए जंगल के बेहद नजदीक अपने फार्महाउस और रिसोर्ट विकसित कर दिए हैं। हालांकि पूर्व में सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश का हवाला देते हुए पीलीभीत टाइगर रिजर्व की सीमा से 10 किमी के दायरे को इको सेंसिटिव जोन (ईसीजे) घोषित करते हुए इसमें होने वाले निर्माण कार्य को प्रतिबंधित किया गया था। लेकिन, बाद में इको सेंसटिव जोन के एरिया को कम करने का प्रस्ताव भेजकर इसमें छूट दी गई। ऐसे में कुछ लोगों ने इस छूट को भी नाकाफी मानते हुए जंगल सीमा से महज चंद मीटर की दूरी पर फार्म हाउस और रिसोर्ट बना डाले। ऐसा भी नहीं कि जिम्मेदारों को इस गोरखधंधे की जानकारी न हो, लेकिन कार्रवाई नहीं की गई है। वैसे तो पीलीभीत टाइगर रिजर्व की महोफ एवं बराही रेंज के आसपास पिछले कुछ सालों से पर्यटन के नाम पर अंधाधुंध जमीनों को खरीदकर जंगल नियमों को तांक पर रखकर रिसोर्ट और फार्महाउस बनाए ही जा रहे हैं। लेकिन, बीते दिनों महोफ रेंज की जंगल सीमा से सटे इलाके में एक नया मामला सामने आया है।

मामला महोफ रेंज के मुस्तफाबाद रेस्टहाउस के नजदीक का है। बताते हैं कि यहां लखनऊ के एक उद्योगपति का फार्महाउस बना हुआ है। इस फार्म हाउस में लगातार कंस्ट्रक्शन किया जा रहा है। बताते हैं कि हाल ही में इसी फार्महाउस की बाउंड्रीवाल का विस्तार किया जा रहा है। बांउड्रीवाल के नाम पर पहले तो जंगल सीमा में खड़ी जंगल झाड़ियों का सफाया कर दिया गया और बाद में जंगल क्षेत्र में जहां-तहां निर्माण सामग्री को फैलाकर जंगल जमीन पर अवैध कब्जे का प्रयास किया जा रहा है।

वन क्षेत्र में डाले गए सीमेंट के खाली बोरे। ● अमृत विचार

महोफ जंगल सीमा पर वन क्षेत्र में निर्माण सामग्री डालकर काम करते मजदूर।

● लखनऊ के एक उद्योगपति का बताया जा रहा फार्म हाउस

ऐसे किसी मामले की जानकारी नहीं है। यदि ऐसा कोई मामला है तो उसकी जानकारी की जाएगी। अगर नियमों और जंगल के साथ छेड़छाड़ की गई तो संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।
– **पीपी सिंह**, मुख्य वन संरक्षक, बरेली वृत

कोपभाजन से बचने को कार्रवाई की खानापूरी

इस पूरे मामले में जिम्मेदारों की मिलीभगत की बात कही जा रही है। बताते हैं कि पोल खुलने के डर से और कहीं उच्चाधिकारियों के कोपभाजन का शिकार न होना पड़े, इस मामले में काम करने वाले दो लोगों के विरुद्ध विभागीय केस दर्ज कर खानापूरी कर ली गई है। इधर, मामला संज्ञान में आने पर टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से भी संबंधित रेंजर का भी स्पष्टीकरण तलब किया गया है। अब इस मामले में आगे क्या कार्रवाई की जाएगी, इसका खुलासा तो आने वाले दिनों में ही हो सकेगा।

ज्वैलरी शॉप में चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

पीलीभीत, अमृत विचार: ज्वैलरी शॉप में हुई चोरी की घटना का अमरिया पुलिस ने खुलासा कर दिया। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इनके पास से चोरी की गई ज्वैलरी बरामद करने का दावा किया गया है।

दरोगा राजेश कुमार ने बताश कि शाहजहांपुर जनपद के थाना निगोही क्षेत्र के ग्राम ईशापुर के रहने वाले मंगल पुत्र छोटे और भारत पुत्र पप्पू की गिरफ्तारी मंगलवार को तुमड़िया मोड़ से की गई। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह कूड़ा बीनने की आड़ में दुकानों के शटर तोड़करचोरी की घटनाएं किया करते थे। अपने साथी गब्बर उर्फ कोमल के साथ मिलकर अमरिया कस्बे में ज्वैलरी शॉप और बरेली के भोजीपुरा क्षेत्र में घटनाएं की थी। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने पीली धातु के माथे के टीके के 19 पीस, पीली धातु का झूमर 10 पीस, 10 पीस गले के हार, सात हजार रुपये, हथौड़ा आदि बरामद किया। इसके अलावा दो तमंचे और दो कारतूस भी ब रामद हुए। चालान कर कोर्ट में पेश करके आरोपियों को जेल भेज दिया है।

बीसी संचालक ने 13 ग्राहकों के हड़पे 5.92 लाख, रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● खाता खोलने के नाम पर लिए थे रुपये, जिला प्रबंधक ने लिखाई रिपोर्ट

अमृत विचार : बैंकिंग सुविधाओं के माध्यम से एक बीसी संचालक ने करीब 13 ग्राहकों का खाता खोलने के नाम पर 5.92 लाख रुपये हड़प लिए। इसके बाद सेंटर बंद कर भाग गया। मामला संज्ञान में आने के बाद बैंक प्रबंधक ने धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज कराई है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला देशनगर निवासी संतोष कुमार ने थाना न्यूरिया तहरीर देकर बताया कि वह सीएससी के जिला प्रबंधक हैं। उनकी कंपनी ई गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के कस्टमर सर्विस प्वाइंट के माध्यम से नागरिकों को बैंक खाता खोलने एवं जमा निकासी की सुविधा प्रदान करती है। इसके अंतर्गत अधिकृत व्यक्तियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें संचालन के लिए लॉगिन आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराया जाता है। इसके माध्यम से वह ग्राहकों की उंगलियों को निशान लेकर खाता खोलने और लेनदेन करते हैं।

थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम टांडा विजैंसी निवासी संजू सरकार ने उसकी संस्था के साथ व्यावसायिक अनुबंध किया। इसके बाद उन्हें शिकायत मिली कि ऑपरेटर द्वारा ग्राहकों से रुपये तो लिए गए, लेकिन बैंक में जमा नहीं किया गया। वर्तमान में कुल राशि 592933 रुपये हैं और 13 मामलों में गड़बड़ी है। जानकारी मिली कि ऑपरेटर ने सेंटर बंद कर रखा है। पुलिस ने तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की है। एसओ न्यूरिया सुभाष मावी ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

बांग्लादेश सरकार का फूंका पुतला, जमकर किया प्रदर्शन

संवाददाता, पीलीभीत/अमरिया

अमृत विचार: बांग्लादेश सरकार के खिलाफ विभिन्न संगठनों की ओर से विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान बांग्लादेश सरकार का पुतला फूंका गया। जमकर नारेबाजी की गई। सरकार से मांग की गई कि इस मामले में ठोस कदम उठाया जाए।

पीलीभीत के कस्बा अमरिया में मंगलवार को गो रक्षा हिंदू दल, विश्व हिंदू परिषद, विश्व हिंदू महासंघ समेत कई संगठनों से जुड़े कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस का पुतला फूंका। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार विदेह सिंह को सौंपा। दोपहर करीब 12 बजे अमरिया रामलीला मैदान से नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ता तहसील अमरिया पहुंचे और प्रदर्शन करने वाले कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि बांग्लादेश में हिंदू पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं। इस सरकार को सख्त कदम उठाया जाए। रक्षा हिंदू दल जिलाध्यक्ष सचिन भारती, बरेली जिलाध्यक्ष देवेंद्र भास्कर, जिला मंत्री जितेंद्र मौर्य, मुकेश बाबू, सुमित गुप्ता, धर्मेंद्र लोधी, सुधांशु पाठक, हेमंत मोर्य, अजय मौर्या, गजेंद्र भास्कर, पुपिंदर सिंह, राजू सक्सेना, आकाश दिवाकर आदि लोग मौजूद रहे। एसओ अमित सिंह पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे।

उधर, पूरनपुर में विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने पुतला फूंका उकना कहना था कि बांग्लादेश में हिंदू समाज को निशाना बनाया जा रहा है। सरकार से मांग की गई कि हिंदू विरोधी हिंसा व प्रशासनिक निष्क्रियता पर अविलम्ब रोक लगाई जाए। अपरोधियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समाज के लिए भय और शोषण मुक्त वातावरण तैयार कराया जाए। इस मौके पर जिला महामंत्री रूम सिंह यादव, सचिन सरकार, दीपक बरोई, विष्णु मंडल, मिथलेश पांडेय, दिलशेर, गौरंग मंडल, सुकदेव, धीरेंद्र आदि मौजूद रहे।

पूरनपुर में पुतला फूंक नारेबाजी करते विहिप कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमरिया में प्रदर्शन के बाद ज्ञापन सौंपते कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

● अमरिया, पूरनपुर समेत कई जगह प्रदर्शन के बाद सौंपे ज्ञापन

● बांग्लादेश में हिंदूओं पर लगातार हो रहे अत्याचार पर जताया आक्रोश

एसडीएम दफ्तर के बाहर मारपीट, अफरा-तफरी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● युवक और अधिवक्ताओं के बीच हुआ विवद, कामकाज बाधित

अमृत विचार : पूरनपुर तहसील परिसर में मंगलवार दोपहर अचानक मारपीट हो गई। एसडीएम कार्यालय के बाहर एक युवक और अधिवक्ताओं के बीच हुए विवाद में मारपीट हो गई। इसस तहसील में अफरा-तफरी मच गई और प्रशासनिक कार्य प्रभावित रहा।

मंगलवार दोपहर करीब ढाई बजे सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र का एक युवक किसी निजी कार्य से पूरनपुर तहसील पहुंचा था। इसी दौरान उसकी एक अधिवक्ता से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। बताते हैं कि विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। शोर सुनकर अन्य अधिवक्ता भी मौके पर पहुंच गए। क्राइम इंस्पेक्टर अशोक कुमार पुलिस बल के साथ तहसील परिसर में ही मौजूद थे। पुलिस टीम पहले से अधिवक्ताओं और विद्युत विभाग के कर्मचारियों के बीच चल रहे एक अन्य विवाद को लेकर वार्ता के लिए पहुंची थी। पुलिस की मौजूदगी के बावजूद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद हालात पर काबू किया और दोनों पक्षों को अलग किया। मारपीट के चलते करीब आधे घंटे तक तहसील का कामकाज पूरी तरह ठप रहा। फरियादी और कर्मचारी अपनी सुरक्षा के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। इंस्पेक्टर पवन पांडे ने बताया कि घटना का संज्ञान लिया गया है। वायरल वीडियो और गवाहों के बयान के आधार पर दोषियों की पहचान की जा रही है।

ब्लोअर से बैंककर्मी के घर लगी आग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : हाल ही में गीजर से निकली गैस से दम घुटने से दंपति की जान चली गई थी। अब बल्लभनगर कॉलोनी में बैंक कर्मी के मकान में ब्लोअर से निकली चिंगारी से भीषण आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने कमरे में रखे सामान को चपेट में ले लिया। शोर मचने पर घर में मौजूद बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के बल्लभनगर कॉलोनी के निवासी राहुल शर्मा एक निजी बैंक में कार्यरत हैं। मंगलवार को उनके घर के एक कमरे में ठंड से बचाव के लिए ब्लोअर चल रहा था। इसी दौरान ब्लोअर में शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी पास में रखे कपड़ों पर जा गिरी। कुछ ही देर में कपड़ों ने आग पकड़ ली और लपटें तेजी से फैलने लगीं। उस समय राहुल की पत्नी रसोई में काम कर रही थीं, जबकि उनके माता-पिता बैठक में बैठे थे। तीनों बच्चे भी उसी समय घर में थे। कमरे से धुआं और आग की लपटें उठती देख पत्नी ने शोर मचाया तो कॉलोनी में अफरा-तफरी मच गई। मकान की ऊपरी मंजिल पर रह रहे एक पुलिस आरक्षी ने तत्काल पानी का पाइप लगाकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। शोर सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए और आग पर काबू पाने में जुट गए। सूचना मिलने पर राहुल शर्मा भी घर पहुंचे, लेकिन तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाई गई, मगर तब तक कमरे में रखा बेड, सोफा, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, अन्य घरेलू सामान और कुछ नकदी जलकर खाक हो चुकी थी। हालांकि मकान स्वामी नुकसान की जानकारी नहीं दे सके।

आग लगने से कमरे में जला पड़ा सामान। ● अमृत विचार

● सुनगढ़ी क्षेत्र के वल्लभनगर कॉलोनी का मामला, सिपाही की सूझबूझ से बुझी आग

विवाहिता को घर से निकाला, रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार: थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम रम्पुरा निवासी राधा देवी पुत्री जगदीश प्रसाद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका विवाह चार मार्च 2022 को प्रमोद कुमार पुत्र छत्रपाल निवासी ग्राम जनकपुरी थाना न्यूरिया से हुआ था।

आरोप है कि शादी के बाद से उसके पति प्रमोद कुमार, सास रामकुमारी, ससुर छत्रपाल दहेज में बाइक और सोने की चेन की मांग करने लगे। दहेज देने में असमर्थता जताने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दी। उसके दो पुत्रियां भी है। 20 नवंबर को शाम पांच बजे ससुराल पक्ष के लोगों ने मारपीट कर उसको और उसकी बच्चों को घर से निकाल दिया। इसके बाद वह अपने मायके पहुंची और परिजनों को पूरे मामले की जानकारी दी।

रंजिश के चलते दो पक्षों में मारपीट, दो महिलाएं घायल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर दर्ज की क्रॉस रिपोर्ट

अमृत विचार : रंजिश के चलते दो पक्षों में विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस दौरान दो महिलाएं घायल हो गई। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर क्रास रिपोर्ट दर्ज कर घायल महिलाओं का गजरौला सीएचसी में मेडिकल परीक्षण कराया है।

थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम बिठौराकलां निवासी तेजवती पत्नी मुकेश ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 21 दिसंबर को दोपहर 12 बजे वह ग्राम समाज की जमीन पर रस्सी के सहारे कपड़े धूप में सुखा रही थी। गांव के नन्हेंलाल उसकी पत्नी रामबेटी, विमला देवी पुत्री रामप्रसाद और ठाकुरदास व उसकी पत्नी ने रस्सी काट दी। जिससे उसके कपड़े गिरकर गंदे हो गए। जब उसने विरोध किया। तो आरोपियों ने गाली गलौज करते मारपीट करने लगे तो वहीं दूसरे पक्ष की योगश्वरी देवी पत्नी नन्हेंलाल ने भी रिपोर्ट दर्ज कराई। उनका आरोप है कि 21 दिसंबर को दोपहर 12 बजे वह अपनी जगह पर हल्दी खोद रही थी। तभी गांव का ही जगदीश और उसकी पत्नी ओमवती, मुकेश और उसकी पत्नी तेजवती वहां आ गई और उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट करना शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। एसओ गजरौला बृजवीर सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर क्रास रिपोर्ट दर्ज कर दोनों घायल महिलाओं का मेडिकल कराया गया है।

धान खरीद

अव्यवस्थाओं पर भाकियू अराजनैतिक का प्रदर्शन, मंडी गेट बंद कर दिया धरना, सूचना पर पहुंचे एसडीएम पूरनपुर ने कराया शांत, फिर भ्रमण कर परखे हालात

पूरनपुर मंडी सचिव और एएमओ का फूंका पुतला, जमकर की नारेबाजी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : धान खरीद को लेकर तहसील स्तर पर स्थापित किए गए क्रय केंद्रों में किसान की अनदेखी बरकरार है। बीसलपुर मंडी में बीते दिनों अघोषित हड़ताल जैसे हालात क्रय केंद्रों पर बने रहे थे और तौल का आंकड़ा बढ़ता रहा। अब पूरनपुर मंडी में बदतर इंतजामों के बीच किसान नेताओं का गुस्सा फूटा।

किसान नेताओं ने मंडी सचिव पूरनपुर और एएमओ का पुतला फूंका। मंडी गेट बंद करके जमकर नारेबाजी की गई। सूचना पर एसडीएम मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। हालांकि अव्यवस्थाओं की अनदेखी कर किसानों के धान की नियमानुसार तौल करने के निर्देश दिए गए। हालांकि इसके बाद भी अव्यवस्थाएं जय की तस दिखाई दी।

धान खरीद को लेकर पूरनपुर क्षेत्र में शुरुआत से ही सवाल उठ रहे हैं। बाहरी बिचौलियों के धान की धरपकड़ करने के दौरान गोली भी चल गई थी। जिसमें किसान नेता घायल हुए थे। इसके अलावा एक महिला की ओर से भी धान की तौल न होने पर खुदकुशी करने की चेतावनी से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया था। इसके अलावा रात के वक्त तौल होने के आरोप भी धान खरीद की शुरुआत में लग गए थे। कई बार मंडी समिति पूरनपुर में विरोध प्रदर्शन किए जा चुके हैं। मंडी गेट बंद कर धरना प्रदर्शन भी किया जा चुका है। अब मंगलवार को भी पूरनपुर मंडी समिति में किसान नेताओं का प्रदर्शन हुआ। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के तहसील अध्यक्ष कुलवंत सिंह सोनी ने धान किसानों की समस्याओं को लेकर मंडी समिति पूरनपुर में मंडी सचिव और एएमओ का पुतला फूंका। इस दौरान जमकर नारेबाजी की गई। धान की होली जलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। पूरनपुर मंडी समिति का मेन गेट बन्द करके धान खरीद से संबंधित अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। मंडी गेट को बंद करके कार्यकर्ता वहीं धरने पर बैठ गए। इसकी सूचना मिलने पर एसडीएम अजीत प्रताप सिंह मंडी समिति पहुंचे। उन्होंने किसानों और भाकियू अराजनैतिक के पदाधिकारियों से वार्ता की। इस दौरान तीखी नोकझोंक भी हुई। एसडीएम ने नियमानुसार धान की तौल कराए जाने का आश्वासन देकर शांत कराया।

पूरनपुर मंडी सचिव का पुतला फूंकते भाकियू अराजनैतिक कार्यकर्ता।

हंगामे के बाद पूरनपुर मंडी का भ्रमण करते एसडीएम अजीत प्रताप सिंह।

जिलाध्यक्ष बोले : लखनऊ जाकर बताएंगे हकीकत

भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष मंजीत सिंह का कहना है कि पूरनपुर मंडी समिति के सरकारी धान क्रय केन्द्र और कलीनगर तहसील के बाहरी धान क्रय केन्द्रों पर फर्जी धान खरीद होने पर विशाल आन्दोलन करने की चेतावनी दी गई है। साथ ही उत्तर प्रदेश के खाद्य आयुक्त को जनपद पीलीभीत की फर्जी धान खरीद के सम्बन्ध में लखनऊ पहुंचकर अवगत कराया जाएगा।

प्रभारी बोले- 100 क्विंटल हो गई खरीद

सराय सुंदरपुर क्रय केंद्र मंगलवार दोपहर सन्नाटा पसरा हुआ था। कोई धान लदा वाहन नहीं था। एक कर्मचारी अलाव जलाए बाहर बैठे हुए थे, जबकि केंद्र प्रभारी कक्ष में थे। यहां पर धान लदा कोई वाहन नहीं था और न ही किसान। हालांकि केंद्र प्रभारी का कहना था कि खरीद चल रही है। मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे के आसपास ही 100 क्विंटल खरीद होने का दावा किया गया।

सीएलएफ का डीएम ने किया उद्घाटन

गजरौला, अमृत विचार: ग्राम मैदना स्थित पंचायत सचिवालय में जागृति प्रेरणा संकुल स्तरीय समिति (सीएलएफ) का उद्घाटन किया गया। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने फीता काटकर उद्घाटन किया। सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास मौजूद रहे। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भाग लिया और अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। नन्हें बच्चों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया और सबका मन मोह लिया। अतिथियों ने महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने में सीएलएफ की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। डीएम ने सरकारी योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए महिलाओं को प्रेरित किया। उनके कार्यों की सराहना की। इस मौके पर कृष्ण कुमार, सचिव मनोरंजन, ब्लॉक मिशन मैनेजर मरौरी नसीम अहमद आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार
बरेली, बुधवार, 24 दिसंबर 2025
पीलीभीत

NSNH
NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL
न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन
डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन
डॉक्टर्स पैनल
डा. प्रदीप कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन
डा. ओमवती — एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. अहमद अली अंसारी — एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास — एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डा. कुन्दन कुमार — एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन
डा. अमन अग्रवाल — एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी — एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
डा. निशान्त गुप्ता — एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. प्रिया सिंह — एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. रहबर इदरीश — बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ
डा. राजा गुप्ता — बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.
उपलब्ध सुविधायें :
• सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज • दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा • दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा • दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। • छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण • घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध • नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन • बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज • वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU
डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा
24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

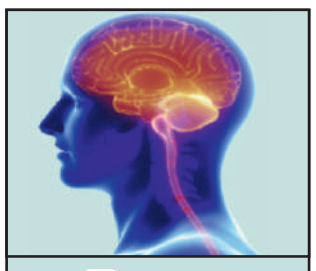
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
सुविधायें
• सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
• रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
• ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
• दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रो सिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
• सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
• दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
• गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
• रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
• बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
• अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
• रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
• लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रातः 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

सुरक्षाकर्मियों ने तीमारदारों पर अभद्रता के आरोप लगाए

मेडिकल कॉलेज में हंगामा, आरोप प्रत्यारोप के बीच हुई नोकझोंक

बुजुर्ग को लेकर पहुंचे तीमारदारों का आरोप, चिकित्सक बनाते रहे कहीं और ले जाने का दबाव

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः मेडिकल कॉलेज में एक बार फिर हंगामा हो गया। बुजुर्ग को लेकर पहुंचे तीमारदारों की सुरक्षाकर्मियों व स्टाफ से जमकर नोकझोंक हुई। हंगामा इतना बढ़ गया कि पुलिस भी पहुंच गई। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाए। हालांकि लिखित शिकायत किसी ने नहीं दी है। मरीज को परिवार वाले रेफर कराकर ले गए। तब जाकर मामला देर रात शांत हो सका। सुरक्षा कर्मियों ने मेडिकल कॉलेज प्रबंधन से इसे लेकर ठोस कदम उठाने की मांग की है।

बताते हैं कि गजरौला थाना क्षेत्र के ग्राम कैंच के रहने वाले 80 वर्षीय छोटेलाल पुत्र रामप्रसाद को श्वांस लेने में दिक्कत हो रही थी। सोमवार रात इसे लेकर परिवार वाले उन्हें मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में पहुंचे। वहां बुजुर्ग को भर्ती कर लिया गया। परिवार वालों का आरोप है कि ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक नशे की हालत में थे और उन्होंने एक इंजेक्शन बुजुर्ग को लगाया। इसके बाद बुजुर्ग का इलाज करने में ध्यान देने के बजाय अभद्रता शुरू कर दी। ये कह दिया गया कि बुजुर्ग को रेफर कराकर कहीं और ले जाएं।

उधर, स्टाफ का कहना था कि बुजुर्ग के साथ आए कुछ तीमारदार नशे की हालत में हंगामा करने लगे। स्टाफ से भिड़ना शुरू कर दिया। एक नेता का रिश्तेदार बताकर दबाव बनाने में जुट गए। जबकि तीमारदार इन आरोपों को गलत बताते रहे। इसके बाद हंगामा बढ़ा तो सुरक्षाकर्मी भी आ गए। जिसके बाद सुरक्षाकर्मी और तीमारदारों के बीच विवाद की शुरुआत हो गई। सुरक्षाकर्मियों का कहना है कि उनसे अभद्रता की गई जबकि तीमारदार सुरक्षाकर्मियों द्वारा मारपीट करने का आरोप लगाने लगे।

इमरजेंसी के बाहर हंगामा चलता रहा और भीड़ जमा हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पहले यूपी 112 पुलिस और फिर कोतवाली पुलिस आ गई। उन्होंने मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी की। दोनों पक्ष एक दूसरे पर आरोप लगाते रहे। मगर, कोई लिखित तहरीर नहीं दी गई। इसके बाद मरीज की बिगड़ती हालत को देखते हुए परिवार वाले कुछ शांत हुए और फिर रेफर कराकर बुजुर्ग को शहर के एक निजी अस्पताल ले गए। पुलिस देर रात तक मौके पर मौजूद रही और फिर चली गई।

दोनों पक्षों से जानकारी करती हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस। ● अमृत विचार

पहले भी कई बार हो चुके हंगामे

मेडिकल कॉलेज में बीते कुछ दिनों में कई बार हंगामा हो चुका है। अभी कुछ दिन पहले ही एक मामला चर्चित रहा था। जिसमें सीएमओ कार्यालय के एक कर्मचारी पर नशे की हालत में सुरक्षा कर्मियों से भिड़ने का आरोप लगा था। इस मामले की सुरक्षा कर्मियों की ओर से लिखित शिकायत भी सीएमएस से की गई थी। इसके अलावा एक प्रसूता के परिवार ने भी स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे। उधर, सुरक्षा कर्मियों का कहना है कि आए दिन लोग हंगामा करते हैं। जब उनको शांत कराने का प्रयास किया जाए तो झगड़ा शुरू कर देते हैं। ऐसे में सख्त इंतजाम अस्पताल प्रबंधन की ओर से उठाए जाने चाहिए।

सुरक्षा कर्मियों के द्वारा अस्पताल में कुछ लोगों द्वारा हंगामा किए जाने की जानकारी मिली है। इसकी जांच कराई जाएगी। सीएमएस से रिपोर्ट मांगी गई है।
– डॉ. संगीता अनेजा, प्राचार्य, मेडिकल कॉलेज।

समाचार पत्र वितरकों को कंबल बांटे

पीलीभीत, अमृत विचार : समुन कंप्यूटर इंस्टीट्यूट पर मंगलवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्थान के निदेशक सौरभ सक्सेना ने समाचार पत्र वितरकों को पटका पहनाकर सम्मानित किया। उन्हें कंबल और मिठाई भेंट की। उन्होंने कहा कि समाचार पत्र वितरक मौसम की परवाह किए बिना सुबह उठकर घर-घर समाचार पत्र पहुंचाने का काम करते हैं। ऐसे कर्मठ, लग्नशील व्यक्तियों का सम्मान सभी को करना चाहिए। सम्मानित होने वालों में नत्थूलाल राठौर, गोपाल अवस्थी, प्रवेश, मंगली प्रसाद, असलम आदि थे।

अधिवक्ता व पावर कॉरपोरेशन कर्मी में विवाद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर लगाए आरोप, एसडीएम, सीओ ने कराया शांत

अमृत विचार : एसडीओ कार्यालय में अधिवक्ताओं और बिजली विभाग के कर्मचारियों के आमने-सामने आने के बाद हालात इतने बिगड़े कि नगर और देहात क्षेत्र की बिजली आपूर्ति कुछ देर को ठप कर दी गई। घटना के बाद दोनों पक्ष कोतवाली पहुंचे, जहां पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे और मामला शांत कराया।

पूरनपुर विद्युत उपकेंद्र में सोमवार को एक अधिवक्ता का बिजली कनेक्शन काटे जाने को लेकर विवाद शुरू हुआ। इसी मामले में मंगलवार को कई अधिवक्ता एसडीओ से मिलने कार्यालय पहुंचे। एसडीओ के मौजूद न होने पर विरोध प्रदर्शन हुआ, जो देखते-देखते हंगामे में बदल गया। बिजली विभाग के सहायक कैशियर ने आरोप लगाया कि कुछ अधिवक्ताओं ने सरकारी कार्य में बाधा डाली, गाली-गलौज और मारपीट की। कैश काउंटर पर रखी नकदी में से रकम गायब होने की भी बात कही। वहीं अधिवक्ता ने एसडीओ पर अभद्र व्यवहार और जातिसूचक टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि वे केवल बिजली बिल व योजना संबंधी समस्या के समाधान के लिए कार्यालय गए थे। इसकी सूचना मिलने पर एसडीएम अजीत प्रताप सिंह और सीओ प्रतीक दहिया कोतवाली पहुंचे। दोनों पक्षों को निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद मामला शांत हो सका।

Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
MEDICAL
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002
फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, रेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448
डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली
प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट)
(के.जी.एम.यू. लखनऊ)
निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली
डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

हाइड्रा ने कार में मारी टक्कर

बरखेड़ा, अमृत विचार: कस्बे में मंगलवार देर शाम को हाइड्रा की टक्कर से एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। कार चालक को मामूली चोट आई। बताते हैं कि एक कार बीसलपुर की तरफ से आ रही थी। सीएचसी चौराहे पर पहुंचते ही कार मुड़ रही थी। इस दौरान पीछे से आ रहे हाइड्रा के चालक ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर होने पर मौके पर भीड़ एकत्रित हो गई। हाइड्रा के चालक ने भागने का प्रयास किया लेकिन मौके पर मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर आ गई। दोनों पक्षों को थाने ले गई। दोनों के बीच वार्ता चलती रही।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का नमन करते शिक्षक। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार : बालाजी निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती को किसान दिवस के रूप में मनाया गया।

प्रधानाचार्य विकास सक्सेना ने स्टाफ संग पुष्पांजलि अर्पित की। उनके योगदान को नमन किया गया। कहा कि चौधरी चरण सिंह ने पूरे जीवन में किसानों के अधिकारों, हितों और सम्मान के लिए कार्य किया। उनका विचार था कि जब तक किसान समृद्ध नहीं होगा, देश प्रगति नहीं कर सकता।

किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और आधुनिक कृषि तकनीक, जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य और कौशल विकास के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि की जा सकती है।

कार्यक्रम में सम्मानित किए अन्नदाता

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर आयोजित हुए किसान सम्मान दिवस में जनप्रतिनिधियों समेत अफसरों ने कृषि क्षेत्र में उल्लेखीय योगदान पर किसानों को सम्मानित किया। एक दिवसीय किसान मेला/प्रदर्शनी में विशेषज्ञों एवं अफसरों ने किसानों को खेती-किसानी की आधुनिक जानकारियां दी गई। विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल भी लगाए गए।

कृषि विभाग की ओर से शहर के ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में मंगलवार को डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में किसान सम्मान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (एसएमएई) योजना के अंतर्गत एक दिवसीय मेला/प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इसमें जनपद के विभिन्न ब्लाकों से आए करीब 800 प्रगतिशील किसानों ने हिस्सा लिया। डीएम ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि किसान एकीकृत कृषि प्रणाली अपनाकर मुर्गी पालन, बकरी पालन, मधुमक्खी पालन का भी कार्य करें, जिससे अधिक आय प्राप्त होगी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एसएस ढाका एवं डॉ. दीपक कुमार ने रबी सीजन की सभी फसलों की समसामयिक क्रिया-कलापों एवं कृषि की विभिन्न नवीनतम तकनीकियों पर विस्तार से चर्चा की। मेले में कृषि विभाग, गन्ना विभाग, उद्यान विभाग, रेशम विभाग, पशु पालन विभाग, मत्स्य विभाग समेत विभागों द्वारा स्टाल लगाकर विभागीय योजनाओं एवं नई तकनीक/प्रजातियों का प्रदर्शन किया गया। कुछ प्राइवेट संस्थाओं के द्वारा भी स्टाल लगाकर उत्पाद के बारे में बताया गया। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गुरभाग सिंह, पूर्व मंत्री रामसरन वर्मा, उप कृषि निदेशक राममिलन सिंह परिहार, पीडी पवन कुमार, अधिशासी अभियंता सिंचाई प्रवीन प्रकाश गौतम आदि मौजूद रहे।

किसान मेले में गन्ना विभाग के स्टॉल पर जानकारी लेते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह।

● किसान मेले में जनप्रतिनिधियों और कृषि वैज्ञानिक ने किसानों को दी नई जानकारियां

● भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस पर आयोजित हुआ किसान सम्मान दिवस

उल्लेखनीय योगदान पर 63 किसान सम्मानित

किसान सम्मान दिवस पर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने जनपद के 63 प्रगतिशील किसानों को उनके द्वारा कृषि क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय योगदान पर सम्मानित किया। इसमें 14-14 किसानों को क्रमशः जनपदस्तरीय प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार एवं 35 किसानों को विकासखंड स्तरीय प्रथम पुरस्कार दिए गए। वहीं जनप्रतिनिधियों एवं डीएम ने महकफेड प्रोड्यूसर कंपनी को 80 प्रतिशत अनुदान पर एवं किसान वीरेंद्र पाल को 40 % अनुदान पर ट्रैक्टर की चाबी सौंपी।

न्यूज ब्रीफ

रंजिश के चलते सरसों में जहरीली दवा छिड़की

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना ईसानगर के गांव रुद्रपुर निवासी अवनीश कुमार ने बताया कि उसके खेत में सरसों की फसल खड़ी थी। आरोप है कि अवस्थीपुरवा मजरा हसनपुर निवासी भोले शंकर अवस्थी, उनके पुत्र बृजभूषण व दिव्यांशु ने एक अज्ञात युवक के साथ मिलकर रंजिश के चलते रात करीब 11 बजे फसल में जहरीली दवा का स्प्रे कर दी, इससे पूरी फसल क्षतिग्रस्त हो गई। पीड़ित ने बताया कि जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने गंदी-गंदी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस घटना से उसे करीब 90 हजार रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बकाया रुपये मांगने पर युवक का सिर फोड़ा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली धौरहरा के गांव कलुआपुर निवासी दिनेश कुमार ने बताया कि वह गांव के ही तीन सगे भाईयों राजू, तेजपाल और सर्वेश कुमार से अपने बकाया रुपये मांग रहा था। इसी बात को लेकर नाराज आरोपियों ने उसकी पिटाई कर दी और सिर फोड़ दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई रुद्रप्रकाश पांडेय को सौंपी है।

पूर्व चालक की पिटाई मामले में रिपोर्ट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कचहरी परिसर में थाना खीरी के मोहल्ला पट्टी रामदास निवासी पूर्व चालक इसरार अहमद की पिटाई के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। इसरार सोमवार को एक मुकदमे की पेशी पर आया था। कलेक्ट्रेट परिसर की तरफ चाय पीने जाते समय हमलावरों ने उसकी पिटाई कर दी थी। आरोप है कि विपक्षी आफताब खां के कहने पर उसके पुत्रों अदल खां और अनस खां ने उसके साथ जमकर मारपीट की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायल को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है।

वांछित चल रहा आरोपी गिरफ्तार, भेजा चालान

मोहम्मदी, अमृत विचार : कोतवाली मोहम्मदी पुलिस ने एक मामले में वांछित चल रहे थाना भीरा के गांव गोगावां निवासी अरविंद प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी का चालान भेजा है। पुलिस उसकी काफी समय से तलाश कर रही थी।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ खेलकूद शुरू

बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में देखी गईं अव्यवस्थाएं, ठंड में बच्चों को काफी देर करना पड़ा इंतजार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जनपद स्तरीय दो दिनी बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आरंभ स्पोर्ट्स स्टेडियम लालपुर में हुआ। कड़ाके की ठंड के बीच इस प्रतियोगिता में जहां एक ओर परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, वहीं दूसरी ओर व्यवस्थाओं की कमी देखने को मिली। ठंड के बावजूद सुबह से ही बच्चे शिक्षकों के साथ स्टेडियम पहुंच गए, लेकिन अतिथियों के देर से पहुंचने पर प्रतियोगिताओं के आरंभ में विलंब से हुआ, जिससे बच्चों को मैदान में इंतजार करना पड़ा।

प्रतियोगिता का उद्घाटन संयुक्त मजिस्ट्रेट मनीषा धारवे ने किया। उन्होंने मार्चपास्ट कर रही टीमों की सलामी ली और खिलाड़ियों को खेल शपथ दिलाई। इसके साथ ही खेल ध्वज फहराया गया। बालिकाओं की 400 मीटर दौड़ से खेल प्रतियोगिताओं का औपचारिक आरंभ हुआ, जिसमें पलिया की प्रीति ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। मुख्य अतिथि ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना का भी विकास होता है। उन्होंने बच्चों से ईमानदारी और खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अपील की। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण तिवारी ने कहा कि खेलकूद बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आवश्यक हैं। इससे बच्चों में नेतृत्व क्षमता और आपसी सहयोग की भावना विकसित होती है।

विजेताओं के साथ मुख्य अतिथि संयुक्त मजिस्ट्रेट मनीषा धारवे और बीएसए प्रवीण तिवारी।

लोकनृत्य प्रस्तुत करतीं छात्राएं। ● अमृत विचार

कोहरे के बीच भीषण ठंड में कबड्डी में प्रतिभाग करते बच्चे। ● अमृत विचार

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बढ़ाया उत्साह

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में रिसोर्स सेंटर के बच्चों ने बंशी बाजे गीत पर मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं राजापुर मंडी के बच्चों ने जंक फूड बनाम हेल्दी फूड विषय पर डिबेट प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी। लखीमपुर देहात, गनेशपुर सहित अन्य विद्यालयों के बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को रंगारंग बना दिया।

कबड्डी मुकाबले में हुआ विवाद

प्रतियोगिता के दौरान बेहजम और पलिया के बीच खेले गए कबड्डी मुकाबले में प्वाइंट को लेकर शिक्षकों के बीच कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते झड़प में बदलने लगी। मौके पर मौजूद अधिकारियों और शिक्षकों ने बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला, जिससे बड़ा विवाद टल गया।

मशाल लेकर दौड़ी गत वर्ष की चैंपियन

उद्घाटन समारोह के दौरान गत वर्ष की चैंपियन प्रीति द्वारा मशाल लेकर ट्रैक पर दौड़ लगाए जाने पर स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मुख्य अतिथि ने दौड़ प्रतियोगिताओं में विजेता बच्चों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में ये अधिकारी रहे मौजूद

उद्घाटन समारोह में जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद तिवारी, सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी नीरज मौर्य, खंड शिक्षा अधिकारी देवेश राय, शत्रुघ्न सरोज, आशीष कुमार पांडेय, अखिलानंद राय, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में प्रतिभागी बच्चे मौजूद रहे।

कार्यक्रम में ये रहे प्रमुख विजेता

प्राथमिक स्तर कबड्डी (बालक वर्ग)

बेहजम	प्रथम
निघासन	द्वितीय

प्राथमिक स्तर 400 मी. दौड़ (बालक वर्ग)

शिवमोहन (नकहा)	प्रथम
अरमान (निघासन)	द्वितीय
कृष्णा (मितौली)	तृतीय

प्राथमिक स्तर 400 मी. दौड़ (बालिका वर्ग)

प्रीति (पलिया)	प्रथम
आलिया (रमियाबेहड़)	द्वितीय
जोया (मोहम्मदी)	तृतीय

जूनियर स्तर 400 मी. दौड़ (बालिका वर्ग)

तान्या (कुम्भी)	प्रथम
अफसाना (नकहा)	द्वितीय
अंजली राज (मितौली)	तृतीय

वॉलीबॉल (बालिका वर्ग)

लखीमपुर	विजेता
पलिया	उपविजेता

18 खेल इवेंट्स में बच्चों ने जीते पुरस्कार

बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में बच्चों ने कुल 18 खेल इवेंट्स में भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का दमखम दिखाया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

फर्जी आख्या लगाकर शिकायत का निस्तारण दिखाया

बिझौली, अमृत विचार: मुख्यमंत्री पोर्टल जन सुनवाई पर की गई शिकायत में सहकारिता विभाग ने फर्जी आख्या लगाकर शिकायत का निस्तारण कर दिया। जांचकर्ता न तो शिकायत कर्ता से मिले और न ही बात की, फिर भी शिकायत का निस्तारण कर रिपोर्ट भेज दी गई। शिकायत कर्ता बिझौली निवासी सुनील कुमार ने बताया कि लगभग एक साल से सहकारी समिति बिझौली में लिमिट बढ़वाने के लिए जनवरी 2025 को फाइल बनवाई थी, लेकिन आठ महीने बीत जाने के बाद भी लिमिट नहीं बढ़ी। तब 20 नवम्बर को मुख्यमंत्री पोर्टल जन सुनवाई पर शिकायत की, जिसका निस्तारण यह कह कर दिया कि तहसील में कागज बंधक के लिए पड़े हैं। जवाब लगाकर शिकायत का निस्तारण दिखा दिया।

शिकायतकर्ता सुनील ने बताया कि सहकारी समिति के सचिव पांच सालों से चकबंदी का बहाना बना रहे थे, अब जब सभी कागज ऑनलाइन निकलवा कर दिए तब भी टरका रहे हैं। जब विभाग से ऐसे झूठी और फर्जी आख्या लगाई जा रही है तो लोगों को न्याय कैसे मिल पाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि झूठी आख्या लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

अधिवक्ता संघ चुनाव: 5 जनवरी से शुरू होगा नामांकन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- 17 जनवरी को होगा मतदान, अगले दिन कराई जाएगी मतगणना

अमृत विचार : जिला अधिवक्ता संघ लखीमपुर-खीरी के वर्ष 2026 के चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। संघ के विभिन्न पदों के लिए प्रत्याशियों की योग्यता एवं नामांकन शुल्क संबंधी अधिसूचना जारी कर दी गई है। पांच जनवरी से शुरू होने वाली नामांकन प्रक्रिया 19 जनवरी तक चलेगी। यह सूचना मंगलवार को जारी की गई।

जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पं. कमला कांत दीक्षित ने बताया कि चुनाव में अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कनिष्ठ उपाध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष, संयुक्त मंत्री तथा गवर्निंग काउंसिल के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ सदस्यों के पदों पर चुनाव कराया जाएगा। अधिसूचना में पदों के अनुसार अधिवक्ता अनुभव की न्यूनतम अवधि तथा नामांकन शुल्क निर्धारित किया गया है। अध्यक्ष पद के लिए 25 वर्ष से अधिक की वकालत अनिवार्य की गई है। नामांकन शुल्क 12000 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए 20 वर्ष से अधिक की वकालत और नामांकन शुल्क 10,000 रुपये निर्धारित किया गया है।

15 साल से अधिक की वकालत करने वाले कनिष्ठ उपाध्यक्ष समेत अन्य प्रमुख पदों के लिए 15 वर्ष का अनुभव रखने की शर्त रखी गई है। संयुक्त मंत्री पद के लिए न्यूनतम 5 वर्ष की वकालत निर्धारित की गई है। कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन शुल्क 6000, महामंत्री के लिए 11,000, कोषाध्यक्ष के लिए 6,000, संयुक्त मंत्री के लिए नामांकन शुल्क 3000, सदस्य गवर्निंग कौंसिल के लिए 4000 और सदस्य गवर्निंग कौंसिल कनिष्ठ के लिए नामांकन शुल्क 3,000 रुपये निर्धारित किया गया है।

भी पदों के लिए नामांकन फॉर्म शुल्क 500 रुपये रखा गया है। संयुक्त मंत्री, सदस्य गवर्निंग कौंसिल वरिष्ठ और सदस्य गवर्निंग कौंसिल के तीन पदों पर चुनाव होंगे। चुनाव प्रक्रिया कार्यक्रम जारी होने के बाद कचहरी परिसर में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है।

संभावित प्रत्याशी समर्थकों से संपर्क में जुट गए हैं, वहीं अधिवक्ता मतदाता चुनाव को लेकर चर्चा करते नजर आ रहे हैं।

वर्ष 2026 का चुनाव कार्यक्रम

- मतदाता सूची का प्रकाशन : 03 जनवरी शाम 4 बजे तक
- नामांकन पत्र दाखिल : 05 से 07 जनवरी सुबह 10:30 से दोपहर 2:30 बजे तक
- नामांकन पत्रों की जांच : 08 जनवरी 2026 शाम 3 बजे
- नामांकन वापसी : 09 जनवरी 2026
- मतदान : 17 जनवरी सुबह 8 बजे से शाम 4:30 बजे तक
- मतगणना : 18 जनवरी
- मतपत्र नष्ट : 19 जनवरी : सायं 3 बजे के बाद

पहाड़ों पर बर्फबारी और सर्द हवाओं के चलते तराई में कड़ाके की ठंड

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी और उत्तरी सर्द हवाओं के चलते तराई क्षेत्र कड़ाके की ठंड की चपेट में आ गया है। मंगलवार को गलन भरी ठंड ने लोगों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित कर दी। दो दिनों तक खिली धूप का असर समाप्त हो गया और पूरे दिन ठिठुरन बनी रही। मौसम में आए इस बदलाव के कारण न्यूनतम तापमान में करीब एक डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई, जिससे ठंड का प्रकोप और बढ़ गया।

सर्द हवाओं के चलते सुबह और शाम के समय घरों से निकलना लोगों के लिए मुश्किल हो गया। बाजारों, बस अड्डों और सार्वजनिक स्थलों पर लोग अलाव के आसपास सिमटे नजर आए। कड़ाके की ठंड का सबसे ज्यादा असर बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों पर देखने को मिला। बता दें कि हफ्ते भर से मौसम में उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा था। रविवार और सोमवार को खिली धूप ने लोगों को काफी राहत पहुंचाई थी, हालांकि सोमवार की सुबह काफी घना कोहरा था, लेकिन सुबह करीब नौ बजे कोहरा छंटने के बाद धूप निकली, लेकिन शाम होते ही पाला गिरने के साथ ही सर्द हवाएं चलने लगीं।

इससे एकाएक रात में ठंड बढ़ गई, जो मंगलवार को पूरे दिन जारी रही। धूप न निकलने के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। अन्य दिनों की अपेक्षा सरकारी कार्यालयों और दफ्तरों में लोगों की कम आवाजाही रही। कर्मचारी और अधिकारी हीटर आदि के सहारे गर्माहट लेते रहे। लोग पूरे शरीर को गर्म कपड़े. में ढक कर घरों के बाहर निकले। बुजुर्ग घरों पर ही रजाई की गर्म लिहाफ में रहे। मौसम विभाग के अनुसार पहाड़ी क्षेत्रों में जारी बर्फबारी का असर तराई में अभी बना रहेगा। आने वाले दिनों में सर्द हवाओं की रफ्तार तेज होने से शीतलहर व गलन में और इजाफा होने की संभावना है।

फिलहाल धूप निकलने के आसार बेहद कम बताए जा रहे हैं। वहीं मौसम विभाग ने प्रदेश के 18 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें सीतापुर, बहराइच के साथ ही लखीमपुर खीरी भी शामिल है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 25 दिसंबर के बाद ठंड और अधिक बढ़ सकती है।प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक बाहर न निकलने, अलाव का सहारा लेने और बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की अपील की है।

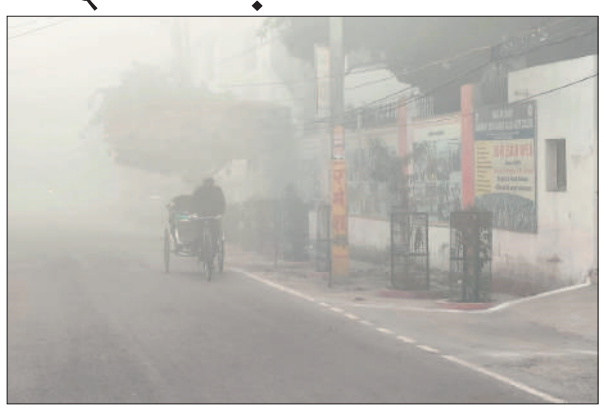
शहर में छाया घना कोहरा। ● अमृत विचार

बैलहा में 200 जरूरतमंद परिवारों को बांटे कंबल

निघासन। कड़ाके की ठंड और शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए निघासन विकासखंड की ग्राम पंचायत बैलहा में मंगलवार को कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम प्रधान हाजी रफीक अहमद के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में गांव के लगभग 200 गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम दोपहर करीब 11 बजे शुरू हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कंबल पाकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के चेहरों पर संतोष और राहत साफ दिखाई दी। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सद्दाम हुसैन ने कहा कि ग्राम पंचायत का उद्देश्य केवल विकास कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरत के समय गरीब और असहाय लोगों की मदद करना भी प्राथमिकता है।

जेसीबी लेकर अतिक्रमण हटाने गए अधिकारी बैरंग लौटे

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: मिल रोड स्थित जिला पंचायत कॉम्पलेक्स का मुख्य द्वार वर्षों से अवैध अतिक्रमण की गिरफ्त में है, लेकिन प्रशासन अब तक इसे हटाने में पूरी तरह असफल साबित हुआ है। हालात यह है कि अतिक्रमण हटाने पहुंचे अधिकारी बुलडोजर या कार्रवाई के आदेश लेकर नहीं, बल्कि कब्जेदारों को एक और मोहलत देकर लौट आए। इससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि प्रशासन की सख्ती सिर्फ कागजों और नोटिसों तक ही सीमित रह गई है।

नगर की मिल रोड पर अगस्त 2016 में जिला पंचायत कॉम्पलेक्स की 23 दुकानों की विधिवत निविदा और खुली नीलामी कराई गई थी। नीलामी से पहले वर्ष 2014-15 में तत्कालीन उपजिलाधिकारी द्वारा जिला पंचायत की भूमि (पूर्व में काजी हाउस) को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कराया गया था।

14 सितंबर 2016 को खुली बोली के बाद 20 सितंबर 2016 को आवंटियों से पूरी धनराशि जमा करा ली गई थी। उस समय कॉम्पलेक्स का मुख्य द्वार पूरी तरह साफ था।

दुकानदारों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान ही मुख्य द्वार पर अवैध कब्जे करा दिए गए। खोखे, ठेले और तख्त इस तरह जम गए कि कॉम्पलेक्स का प्रवेश मार्ग ही बंद हो गया। 10 अगस्त 2021 को दुकानों के आवंटन आदेश जारी होने के बावजूद आज तक दुकानें नहीं खुल सकीं। आवंटियों का कहना है कि लगभग नौ साल से वह अपनी दुकानों का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ मानसिक उत्पीड़न भी झेलना पड़ रहा है।

गोला में अतिक्रमण हटाने के लिए गए जेसीबी के साथ अधिकारी। ● अमृत विचार

- अतिक्रमण के सामने प्रशासन नतमस्तक, कार्रवाई सिर्फ नोटिस तक रही सीमित

27 नवंबर को दर्ज कराई दोबारा आईजीआरएस पर शिकायत

ताजा मामला 27 नवंबर का है, जब दोबारा आईजीआरएस पर शिकायत दर्ज कराई गई। तो पांच दिसंबर को जिला पंचायत के जेई ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और अतिक्रमण की पुष्टि की। इसके बाद जिला पंचायत के इंजीनियर, जेई, नायब तहसीलदार, लेखपाल और नगर पालिका के अधिकारी संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचे, लेकिन अतिक्रमण हटाने के बजाय कब्जेदारों को फिर एक सप्ताह का समय दे दिया गया। जबकि इससे पहले भी कई बार नोटिस जारी किए जा चुके हैं। स्थानीय नागरिकों और दुकानों के आवंटियों में प्रशासन की इस कार्यशैली को लेकर गहरा रोष है। उनका कहना है कि जब जिला पंचायत कार्यालय के मुख्य द्वार पर मौजूद अवैध कब्जे तक नहीं हटाए जा पा रहे हैं, तो शहर में चलने वाले बड़े अतिक्रमण हटाओ अभियानों पर भरोसा करना बेमानी है। सवाल उठ रहा है कि प्रशासन वास्तव में अतिक्रमण हटाना चाहता है या सिर्फ दिखावटी कार्रवाई कर अपनी जिम्मेदारी से बच रहा है।

कई बार अतिक्रमण हटाने के हुए प्रयास

अतिक्रमण हटाने को लेकर शिकायतों की लंबी फेहरिस्त है। तीन दिसंबर 2021 को अपर मुख्य अधिकारी को लिखित शिकायत दी गई। नौ दिसंबर 2021 को जिला पंचायत ने स्वयं उपजिलाधिकारी गोला को पत्र भेजकर मुख्य द्वार पर अतिक्रमण होने की बात स्वीकार कर हटवाने के निर्देश मांगे। 26 मई 2022 को आईजीआरएस पर की गई शिकायत में तत्कालीन क्षेत्राधिकारी ने भी अतिक्रमण की पुष्टि करते हुए कब्जेदारों के नाम दर्ज किए। इसके बाद 04 जुलाई 2022 को तहसील दिवस में जिलाधिकारी को भी ज्ञापन सौंपा गया, लेकिन कार्रवाई शून्य रही।

इग्नू अध्ययन केंद्र में जनवरी सत्र 2026 के प्रवेश आरम्भ

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अनिल कुमार मिश्रा के हवाले से सीजीएन पीजी कॉलेज के समन्वयक डॉ. अरुण कुमार सिंह ने बताया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय सत्र जनवरी 2026 में ऑनलाइन एवं ओडीएल विधा में स्नातक, परास्नातक डिप्लोमा कार्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जनवरी निर्धारित की गई है।

समन्वयक श्री सिंह ने बताया कि इग्नू में वर्ष में दो बार जनवरी एवं जुलाई सत्र में प्रवेश होते हैं। इग्नू अध्ययन केन्द्र में बीए/बीकाम/एमए हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र, इतिहास, ग्रामीण विकास, छः माह के विभिन्न रोजगार परक सर्टिफिकेट कोर्स व एक वर्षीय डिप्लोमा आपदा प्रबन्धन, ग्रामीण विकास, अनुवाद, खाद्य एवं पोषण आदि में ऑनलाइन प्रवेश प्रारम्भ है। इसके लिए आवेदकों को अपना स्वचालित स्थायी शैक्षणिक खाता पंजीकरण तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रवेश के लिए आवेदकों को डीईबी आईडी बनानी होगी। शैक्षिक योग्यता, अनुभव प्रमाण पत्र और लागू श्रेणी प्रमाण पत्रों अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग की प्रतियों के साथ स्कैन की फोटो व हस्ताक्षर अपलोड करने होंगे।

ओवरस्पीड, ओवरलोडिंग और ओवरहाइट वाहनों के खिलाफ चलेगा अभियान

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- डीएम ने गन्ना वाहनों में लाल कपड़ा और रिट्रोरिफ्रेक्टिव टेप अनिवार्य करने के दिए निर्देश
- विकास भवन के स्वामी विवेकानंद सभागार में डीएम-एसपी ने ली हाई लेवल सड़क सुरक्षा बैठक

अमृत विचार: सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए मंगलवार को विकास भवन स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली। बैठक का संचालन पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड (तृतीय) के अधिशाषी अभियंता अनिल कुमार यादव ने किया।

डीएम ने ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग, ओवरहाइटिंग, सीटबेल्ट, हेलमेट की नियमित निगरानी करने पर जोर दिया। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर चालान किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में अब तक किए गए चालानों की प्रगति की समीक्षा भी की गई। एआरटीओ शांति भूषण पांडेय ने बताया की प्रवर्तन की कार्रवाई निरंतर की जा रही है। जिले में जहां पर घुमावदार स्थान तथा ब्लाइंड स्पॉट है, वहां से सौ मीटर पूर्व में साइनेज लगाने के दिशा निर्देश दिए गए।

सड़क सुरक्षा बैठक को संबोधित करती डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल। ● अमृत विचार

डीएम ने सभी चीनी मिल प्रबंधन को निर्देश दिए कि गन्ना वाहनों पर शत प्रतिशत लाल कपड़ा और टेप लगवाए जाएं। उन्होंने कहा कि मिलें ग्राम स्तर पर किसानों को जागरूक करें और सामग्री का वितरण सुनिश्चित करें। इसके लिए माइक्रो प्लानिंग बनाकर जमीन पर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। सड़कों की सुरक्षा और विजिबिलिटी बनाए रखने के लिए डीएम ने जिले भर की सड़क किनारी उगने वाली घास साफ करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही विद्युत विभाग को सैगिंग केबल की मरम्मत के लिए भी सक्रिय रहने को कहा गया। अधिकारियों ने बताया कि शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। डीएम ने स्कूलों में रोड सेफ्टी क्लब के क्रियान्वयन, एनसीसी और स्काउट गाइड के जागरूकता अभियानों और "नो हेलमेट नो फ्यूल" के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया। उन्होंने संबंधित विभागों से एक्शन टेकन रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। बैठक में सड़क दुर्घटना विश्लेषण, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान, स्कूली वाहनों के मानक, सड़क मरम्मत, ड्रेनेज वर्क, पुल-तटबंध की सुरक्षा, वाहन प्रबंधन, शहरी चौराहों पर अतिक्रमण और सड़क सुरक्षा मित्र एवं राजवीर योजना के प्रचार-प्रसार की पर भी चर्चा हुई।

सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता को प्रशासनिक प्राइवेट पार्टिसिपेशन से ट्रामा की व्यवस्था सुदृढ़ करने, वल्नरेबल पॉइंट से हॉस्पिटल्स को मैप करने के निर्देश दिए गए। एम्बुलेंस के रिस्पांस टाइम इम्प्रूव करने हेतु कहा गया। बैठक में तरुणेन्द्र त्रिपाठी, केके झा, शुभ नारायण, एआरएम रोडवेज लखीमपुर, एनएचएआई के इंजीनियर डीआईओएस सहित जिला सड़क सुरक्षा समिति के सभी सदस्य मौजूद रहे।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 24 दिसंबर 2025

खीरी

न्यूज ब्रीफ

पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह की मनाई जयंती

बिझौली, अमृत विचार : जिला पंचायत के पूर्व सदस्य महेशचंद्र कनौजिया के आवास पर मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई गई। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह की नीति किसानों व गरीबों को ऊपर उठाने की थी। उन्होंने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की कि बगैर किसानों को खुशहाल किए देश व प्रदेश का विकास नहीं हो सकता।किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वह गंभीर रहते थे। गोष्ठी में मौजूद लोगों ने भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प भी लिया। इस मौके पर समलिया प्रसाद वर्मा, धीरेंद्र वर्मा, प्रमोद वर्मा, अमरीका प्रसाद वर्मा, शंकर लाल, अय्याज खां, शिवदर्शन लाल, मिथिलेश मिश्रा सहित कई लोग मौजूद रहे।

पूर्णिमा से शारदा तट पर होंगे धार्मिक कार्यक्रम

पलिया कलां, अमृत विचार : श्रीकुल सेवा संस्थान के संचालक मंडल की बैठक संस्थापक आचार्य गोविंद माधव मिश्र की अध्यक्षता में हुई, जिसमें पौष पूर्णिमा 3 जनवरी से माघ पूर्णिमा 1 फरवरी तक शारदा नदी तट पर राउटियां लगाकर रहने, नित्य स्नान-ध्यान कर पूजन-अर्चन, दुर्गा सप्तशती पाठ, शारदा आरती एवं प्रसाद वितरण भंडारा आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया। इस दौरान गगन मिश्रा, कृष्ण कुमार गोपी, विश्वकांत त्रिपाठी, सुनील गुप्ता, विकास दीक्षित, आदर्श अग्रवाल, रामू वर्मा, शेरा वर्मा, धनेंद्र शुक्ला, अतुल गुप्ता, सोमेश माधव मिश्र आदि मौजूद रहे।

खीरी इतिहास बोध कार्यक्रम 30 को

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : श्री गोकर्ण शोध कला एवं संस्कृति संस्थान द्वारा आयोजित खीरी इतिहास बोध कार्यक्रम श्री धर्मादा समिति गौशाला में 30 दिसंबर मंगलवार को सुबह 11 बजे से होगा। गोला टूरिज्म के सचिव इं मिलिंद शुक्ला ने बताया कि इतिहास बोध कार्यक्रम में खेरीगढ़ नस्ल गाय, जनपद का संक्षिप्त इतिहास और श्री गोकर्णनाथ के प्रामाणिक इतिहास से संबंधित चर्चा के साथ ही गौ पूजन का कार्यक्रम किया जाएगा।

प्रभु ईशु के जन्मदिन के लिए सजाए गिरजाघर

सेंटा ड्रेस और क्रिसमस ट्री की जमकर हुई खरीदारी, चर्च को भव्य आकर्षक झालरों से सजाया गया

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: शहर में क्रिसमस की तैयारियां जोरों पर हैं। ईसाई समाज के लोग प्रभु ईसा मसीह के जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाने की तैयारी में जुट गए हैं। शहर के डॉन बास्को स्कूल में चर्चा सजाया जा रहा है। यहां अन्य झांकियों की भी सजावट की जा रही है। उधर, गोला गोकर्णनाथ में क्रिसमस पर्व को लेकर पंजाबी कॉलोनी स्थित सेंट जॉन्स सीनियर सेकेंडरी में उत्सव का माहौल है। चर्च को भव्य आकर्षक झालरों से सजाया गया है। नगर की दुकानों पर क्रिसमस से जुड़ी सामग्रियां खरीदने के लिए युवा पहुंच रहे हैं।

जिले भर के प्रमुख गिरिजाघरों को रंग-बिरंगी झालरों, कंदीलों और गुब्बारों से सजाया जा रहा है, जबकि बाजारों में सांता क्लाज की ड्रेस और क्रिसमिस ट्री की खरीदारी जोरों पर है। शहर के मैथोडिस्ट क्राइस्ट चर्च सहित सभी चर्च और गिरिजाघरों में सफाई और साज-सज्जा तेजी से चल रही है। प्रार्थना स्थलों को रोशनी और क्रिसमस ट्री से आकर्षक बनाया जा रहा है।

लखीमपुर के डॉन बास्को स्कूल में सजावट के लिए रखा सामान। ● अमृत विचार

क्रिसमस को लेकर सेंट जॉन्स चर्च में तैयारियां

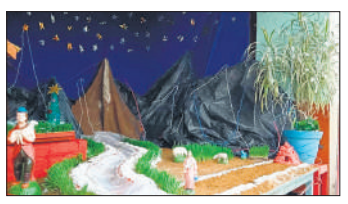

गोला गोकर्णनाथ। सेंट जॉन्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर में बने चर्च में 25 दिसंबर को मनाए जाने वाले क्रिसमस पर्व को लेकर तैयारियां पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ चल रही हैं। चर्च परिसर को रंग-बिरंगी लाइटों, भव्य क्रिसमस ट्री और धार्मिक प्रतीकों से सजाया गया है। चर्च के फादर बैलेरियन पिंटो के नेतृत्व में 18 दिसंबर से विभिन्न स्थानों पर कैरल सिंगिंग का आयोजन किया जा रहा है। कैरल सिंगिंग के माध्यम से प्रभु यीशु के जन्म का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। क्रिसमस पर्व के दिन शाम 5 बजे से 8 बजे तक श्रद्धालुओं का चर्च में लगातार आगमन रहेगा। स्कूल के प्रधानाचार्य फादर अनूप टिर्की, हेड मिस्ट्रेस सिस्टरस्नेहा ने बताया कि चर्च समिति और विद्यालय प्रशासन द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। डॉन बास्को स्कूल परिसर में हर साल की तरह चरनी तैयार की जा रही है। बच्चों में सांता क्लाज की वेशभूषा को लेकर उत्साह है।

क्रिसमस को लेकर दुकानों पर बिक रहे भिन्न-भिन्न केक

गोला में क्रिसमस डे के लिये सामान की खरीदारी करते बच्चे। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार : दुकानों पर सांता क्लास से संबंधित सामान लाल टोपी, दाढ़ी, बेल्ट, कॉस्ट्यूम बच्चों और युवाओं को लुभा रही है। लोग विभिन्न प्रकार के सजावटी सामान, क्रिसमस ट्री, बच्चों को देने के लिए उपहार की खरीदारी कर रहे हैं।

क्रिसमस पर्व को लेकर केक की दुकान भी सज गई है, जहां लोग ऑर्डर दे रहे हैं। क्रिसमस पर्व पर बच्चे, युवा पार्टी और केक कटिंग के दौरान संता टोपी, दाढ़ी लगाकर सेल्फी लेना, फोटो खिंचवाना और रील बनाना पसंद करते हैं। इसके लिए नगर की कई दुकानों पर संता क्लास से संबंधित समान खरीदने के लिए युवाओं बच्चों की भीड़ दिखाई दे रही है। लोगों का मानना है कि क्रिसमस के दिन संता क्लास बच्चों को उपहार देते हैं। ऐसे में लोग गिफ्ट का सामान भी खरीद रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि बच्चों में क्रिसमस को लेकर उत्साह है। इस दिन बच्चों को गिफ्ट्स मिलने का इंतजार रहता है।

आर्सेनिक युक्त पानी का इस्तेमाल ग्रामीणों की मजबूरी

संवाददाता, मझगईं

- नयापुरवा में पेयजल व्यवस्था फेल, पेट व त्वचा रोग से ग्रसित हो रहे लोग

अमृत विचार: ग्राम पंचायत मझगई के मजरा नयापुरवा में पेयजल व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। ग्रामीणों को शुद्ध पानी नसीब नहीं हो पा रहा है। गांव के घरों में लगे नलों से आर्सेनिक युक्त पानी निकल रहा है, जिसे पीने के लिए ग्रामीण मजबूर हैं। इस दूषित पानी के सेवन से गांव में बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं में त्वचा रोग, पेट संबंधी बीमारियां हो रही हैं। वहीं अन्य संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ता जा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि शुद्ध पेयजल की मांग को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई गई। काफी प्रयासों के बाद दीपावली के अवसर पर दुर्गा माता मंदिर परिसर में क्षेत्र पंचायत की ओर से लाखों रुपये की लागत से एक वाटर कूलर लगाया गया। त्योहार के मौके पर वाटर कूलर लगने से ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई और लगा कि अब उन्हें शुद्ध पानी मिलेगा, लेकिन यह खुशी ज्यादा दिन नहीं टिक सकी। महज 20 दिन बाद ही वाटर कूलर खराब हो गया, जिससे शुद्ध पानी की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि तीन माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद आज तक वाटर कूलर की मरम्मत नहीं कराई गई, जिससे लोगों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि गांव में बना ओवरहेड टैंक वर्षों से निष्क्रिय पड़ा है और आज तक उससे पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी। जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं, जिससे ग्रामीण खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। पेयजल संकट को लेकर गांव में आक्रोश लगातार बढ़ रहा है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं की गई तो वे आंदोलन को मजबूर होंगे। इस संबंध में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से हस्तक्षेप कर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्राम प्रधान नीलिमा पांडे ने बताया कि वाटर कूलर क्षेत्र पंचायत की ओर से लगाया गया था। उसका वाल खराब हो गया है, जिसकी सूचना संबंधित जेई को दे दी गई है। जल्द ही मरम्मत कराकर पानी की आपूर्ति शुरू कराई जाएगी।

बच्चों को अच्छी शिक्षा और संस्कार देने की अपील

भूड़ा में ग्रामीणों के साथ बैठक करते एसएसबी अधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता,पलियाकलां

अमृत विचार: नेपाल सीमा के प्रमुख थारू बाहुल्य गांव भूड़ा में 39वीं वाहिनी के कमांडेंट रवींद्र कुमार राजेश्वरी के निर्देश पर मंगलवार को सी समवाय बनकटी के समवाय प्रभारी ने ग्रामीणों के साथ बैठक की।

अध्यक्षता करते हुए समवाय प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद खोजा ने ग्रामीणों से बच्चों को अच्छी शिक्षा और अच्छे संस्कार देने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों के सेवन से सभी लोग दूर रहें। संस्कारवान और शिक्षित पीढ़ी ही समाज को अपराध मुक्त, सुरक्षित और मजबूत बना सकती है। यदि आसपास कोई संदिग्ध या गैरकानूनी गतिविधि करता दिखे तो उसे रोकने का प्रयास करें और सुरक्षाबलों को सूचित करें। इस दौरान ग्राम प्रधान प्रेम सिंह सहित प्रदीप राज, अजय राज, हरे लाल, प्रदीप सिंह, हरिकारी लाल, उमर सिंह, किशन सिंह, गोपाल एवं बलराम आदि मौजूद रहे।

लखनऊ प्रेरणा स्थल को जाएंगे 500 लाभार्थी

भीरा, अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणा स्थल लखनऊ 25 दिसंबर को पहुंचने पर क्षेत्र से 500 लोगों को उनका संबोधन सुनने के लिए बसों से ले जाया जाएगा, इसके लिए प्रशासन ने 10 निजी बसों की व्यवस्था की है।1 खंड विकास अधिकारी बिजुआ महावीर सिंह ने बताया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रेरणा स्थल लखनऊ के लोकार्पण का कार्यक्रम 25 दिसंबर को है। कार्यक्रम में ब्लाक क्षेत्र के गांवों से 500 लोगों को उनका संबोधन सुनने के लिए ले जाने को 10 निजी बसों की व्यवस्था की है। सहायक विकास अधिकारी पंचायत अनिल कुमार वर्मा सहित सभी ग्राम पंचायत सचिवों को दायित्व सौंपा है। प्रेरणा स्थल जाने वाले लोगों की सूची तैयार की है। खासतौर पर सूची में उन्हीं को रखने के निर्देश दिए गए हैं जिन लोगों मने सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लिया है।

माधव पिकनिक व बाल शिविर में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत माधव चिल्ड्रन एकेडमी द्वारा माधव पिकनिक एवं बाल शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए लाइव शो, गेम शो, डांस शो, जुंबा, योग, दादी-बाबा एक्ट, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और मूवी टाइम (जंगल सफारी) जैसे आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए गए। समापन पर बच्चों को प्रमाण पत्र व उपहार दिए गए।

कार्यक्रम का आरंभ दुधवा नेशनल पार्क की प्रसिद्ध वन्यजीव प्रेमी जंगल क्वीन नाजरुन निशा, उत्तर प्रदेश हॉकी एसोसिएशन की संयुक्त सचिव तृप्ति अवस्थी, सशस्त्र सीमा बल की डिप्टी कमांडेंट कोमल जोशी, योग गुरु शशिकांत, सह-प्रबंधक एवं भारत विकास परिषद की अध्यक्ष रुचि ऋतुराज और प्रधानाचार्य साधना अवस्थी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन व मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन कर किया।

प्रमाण पत्र और उपहार के साथ बच्चे। ● अमृत विचार

मुख्य वक्ता आरएसएस, अवध प्रांत के समरसता प्रमुख डॉ. रामनरेश शर्मा ने कहा कि संघ अपनी 100 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा का शताब्दी वर्ष मना रहा है। इस दौरान यह आयोजन समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने पंच परिवर्तन प्रदर्शनी, पुस्तक मेला एवं महापुरुषों की चित्र प्रदर्शनी को अद्भुत बताया। इस दौरान नाज़रुन निशा ने कहा कि वन्य जीवों और पर्यावरण के बिना मानव जीवन की कल्पना अधूरी है।

डिप्टी कमांडेंट कोमल जोशी ने कहा कि बच्चों को विंटर कैंप के माध्यम से रात्रि प्रवास कराना एक सराहनीय पहल है। हॉकी खिलाड़ी तृप्ति अवस्थी ने कहा कि माधव चिल्ड्रन एकेडमी में खेल गतिविधियों का सकारात्मक प्रभाव बच्चों के उत्साह और जिज्ञासा में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। जीव-जंतु चिकित्सक डॉ. नेहा मिश्रा सिंघाई, योग गुरु शशिकांत, विद्यालय की एमडी रुचि ऋतुराज, प्रधानाचार्य साधना अवस्थी ने भी विचार रखे। संचालन पिकनिक संयोजक पूजा गुप्ता किया।

शिक्षकों और समाजसेवियों का रहा सहयोग

शिविर के दौरान समाज के बुद्धिजीवी एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. ओंकार नारायण दुबे, आशू मिश्रा, अंकुर शुक्ला, आचार्य अनूप मिश्रा, आनंद अवस्थी, रमाकांत, प्रथम वाजपेयी, अंकित त्रिवेदी, शरद मिश्रा, ललित अग्रवाल, कराटे शिक्षक प्रवीण बरनवाल, कलाकार अरविंद ओझा, रेखा शुक्ला, अंशु वाजपेयी आदि का सहयोग रहा।

रामचरितमानस पाठ के बाद भंडारा

संवाददाता, धौरहरा

अन्नपूर्णा मंदिर में भंडारे का प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

- संत महावीर बाबा ने इसी स्थान पर ली थी अग्नि समाधि

अमृत विचार: तहसील क्षेत्र के कफारा गांव स्थित प्रसिद्ध माता अन्नपूर्णा मंदिर में मंगलवार को श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में श्रीरामचरितमानस पाठ, हवन-पूजन के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यह आयोजन हर वर्ष की भांति संत महावीर बाबा की पुण्य स्मृति में श्रद्धालुओं ने किया। करीब 11 वर्ष पूर्व आज ही के दिन संत महावीर बाबा ने इसी मंदिर परिसर में अग्नि समाधि ली थी। तभी से प्रत्येक वर्ष उनकी स्मृति में रामचरितमानस पाठ, हवन-पूजन और भंडारे का आयोजन होता चला आ रहा है। कफारा गांव स्थित मां अन्नपूर्णा मंदिर को क्षेत्र में चमत्कारिक एवं आस्था के प्रमुख केंद्र के रूप में जाना जाता है, जहां दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। सोमवार को विधिवत रामचरितमानस पाठ एवं हवन-पूजन संपन्न हुआ, जिसके बाद मंगलवार को भंडारे का आयोजन किया गया।

भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर मां अन्नपूर्णा का प्रसाद ग्रहण किया और संत महावीर बाबा को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इस अवसर पर मुख्य आयोजक अशोक कुमार जायसवाल, शिवदयाल जायसवाल के साथ पंडित हरीश अवस्थी, बृजेंद्र जायसवाल, नरेंद्र वर्मा, राममिलन मिश्रा, सोनू अवस्थी, उमा प्रसाद अवस्थी, उमेश अवस्थी, शिवकुमार सहित अनेक श्रद्धालु एवं ग्रामवासी मौजूद रहे। आयोजन को सफल बनाने में ग्रामीणों का सहयोग रहा।

एकल काव्य पाठ में अक्षरा प्रथम

मितौली, अमृत विचार: राजा लोने सिंह इंटर कॉलेज मितौली की कक्षा 10 की छात्रा अक्षरा सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर जिला स्तरीय एकल काव्य पाठ में जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता 22 दिसंबर 2025 को लखीमपुर में गुरु नानक इंटर विधिक सभा कॉलेज में हुई थी। कॉलेज के अध्यापक जितेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि काव्य पाठ में उत्कृष्ट प्रस्तुति देते हुए अक्षरा सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विजेताओं को 25 दिसंबर को सनातन धर्म बालिका इंटर कॉलेज मिश्राना में आयोजित समारोह में डीएम पुरस्कार देकर सम्मानित करेंगी।

ट्रक की चपेट में आकर खंभा टूटा, बिजली गुल

संवाददाता, धौरहरा

- प्रशासन की अनदेखी, दौड़ रहे गन्ना भरे ओवरलोड वाहन
- कब होगी जिम्मेदारों पर कार्रवाई, लोग उठा रहे सवाल

ट्रक की टक्कर से टूटा बिजली का खंभा।

अमृत विचार: धौरहरा क्षेत्र में ओवरलोड गन्ना ट्रकों का कहर लगातार जारी है। मंगलवार को ग्राम बसंतापुर के पास एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब अत्यधिक ओवरलोड गन्ने से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि खंभा पूरी तरह टूट गया और क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। गनीमत रही कि घटना के समय सड़क पर कोई राहगीर या दोपहिया वाहन मौजूद नहीं था, अन्यथा जनहानि से इनकार नहीं किया जा सकता था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गन्ने से भरा ट्रक तेज रफ्तार में था और अत्यधिक वजन और ओवरहाइट होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। टक्कर के बाद तेज धमाके की आवाज से आसपास के लोग दहशत में आ गए। खंभा गिरने से तार सड़क पर फैल गए, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों का कहना है कि धौरहरा क्षेत्र में ओवरलोड गन्ना ट्रकों का आवागमन रोजाना बना रहता है।

ओवरलोडिंग के चलते आए दिन छोटे-बड़े हादसे होते हैं, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। न तो परिवहन विभाग द्वारा नियमित जांच की जा रही है और न ही पुलिस प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई देखने को मिल रही है। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया है कि आखिर कब तक ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई होगी? यदि समय रहते प्रशासन ने सख्ती नहीं दिखाई तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा होने से इनकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों ने मांग की है कि ओवरलोड गन्ना ट्रकों के खिलाफ अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि आमजन की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

चोरी ट्राली पुवायां में मिली, गन्ना गायब

रोशननगर, अमृत विचार: थाना हैदराबाद क्षेत्र के गांव बरगदिया निवासी किसान उमेश वर्मा ने बताया कि 8 दिसंबर को गन्ना भरकर ट्राली आदित्य रिसोर्ट के सामने खड़ी कर दी थी। नौ दिसंबर को सुबह ड्राइवर गन्ना ले जाने को ट्रैक्टर लेकर पहुंचा तो वहां ट्राली नहीं थी। ट्राली स्वामी ने पुलिस को बताया कि रात एक बजे की घटना सीसीटीवी में कैद हुई है कि एक व्यक्ति ट्रैक्टर लेकर ट्राली में जोड़कर लेकर चला गया। कैमरे की दूरी अधिक होने से कुछ स्पष्ट नहीं हुआ। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों का पता लगाने के किया। हैदराबाद एसओ सुनील कुमार मलिक ने बताया कि शाहजहांपुर जनपद की पुवायां पुलिस से सूचना मिली कि ट्राली लावारिस खड़ी है, जिसमें गन्ना नहीं है। पुलिस ने ट्राली स्वामी को साथ ले जाकर ट्राली बरामद कर उमेश वर्मा को सौंप दी है।

लखीमपुर खेल महोत्सव

महोत्सव में खेल, स्वच्छता और सामाजिक जागरुकता का अद्भुत संगम देखने को मिला

नौवें दिन रन फॉर राम सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अंतर्गत नगर पालिका परिषद लखीमपुर एवं क्रीड़ा भारती के संयुक्त तत्वावधान में विलोबी मेमोरियल मैदान पर आयोजित लखीमपुर खेल महोत्सव सीजन-2 के नौवें दिन खेल, स्वच्छता और सामाजिक जागरुकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस मौके पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के साथ रन फॉर राम मैराथन एवं स्वच्छता रैली निकाली गई।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत आयोजित रन फॉर राम मैराथन का संघ के प्रांत प्रचारक कौशल, स्नातक एमएलसी इंजी. अवनीश सिंह पटेल, विभाग प्रचारक अभिषेक, जिला प्रचारक अविनाश, पालिकाध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव, ईओ संजय कुमार व क्रीड़ा भारती के जिलाध्यक्ष कपिल श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर आरंभ कराया। मैराथन में 1600 से अधिक धावकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर खेल भावना और सामाजिक चेतना का परिचय दिया।

स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र के साथ खिलाड़ी। ● अमृत विचार

रन फॉर राम में भाग लेतीं पालिकाध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव व अन्य। ● अमृत विचार

मैराथन में बालक वर्ग (5000 मीटर) में प्रथमः रवि कुमार पाल को 5100 रुपये, द्वितीयः दीपक को 2100 रुपये और तृतीय जितेंद्र सिंह को 1100 रुपये से पुरस्कृत किया गया। सांत्वना पुरस्कार 500-500 रुपये से अनिल कुमार, सत्यवीर सिंह, नैमिष कुमार को पुरस्कृत किया गया। बालिका वर्ग (5000 मीटर) में प्रथम सृष्टि वर्मा को 5100 रुपये, द्वितीय रुचि श्रीवास्तव को 2100 रुपये और तृतीय अंबिका को 1100 रुपये, जबकि सांत्वना पुरस्कार शिफा, तनु गौड़, शीतल को 500-500 रुपये से पुरस्कृत किया गया। रन फॉर राम के विजेताओं को पुरस्कार राशि स्मृतिशेष डॉ. रवि श्रीवास्तव की स्मृति में नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव एवं उनके पुत्र कपिल श्रीवास्तव द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष कुलभूषण सिंह, जिला कार्यवाह संजीव, चित्रसेन (एनसीसी), अभय प्रताप सिंह (एसडीओ, वन विभाग), खेल महोत्सव के संयोजक आशीष चौहान, कनिष्क बरनवाल, इंजीनियर दुर्गेश वर्मा, जितेंद्र अवस्थी आदि मौजूद रहे।

स्वच्छता रैली व बच्चों के करतब

स्वच्छता रैली में शहर के विभिन्न विद्यालयों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। अजमानी इंटरनेशनल स्कूल, ला मार्टिना स्कूल, डॉन बॉस्को स्कूल, भगवानदीन आर्य कन्या विद्यालय, एनसीसी 26वीं बटालियन तथा धर्म सभा इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। इसके पश्चात नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा किए गए आकर्षक करतबों ने दर्शकों का मन मोह लिया, जिसका नेतृत्व प्रशिक्षक जितेंद्र कुमार ने किया। मंच संचालन राम मोहन गुप्ता ने किया।

क्रिकेट प्रतियोगिताएं भी रहीं रोमांचक

पुरुष वर्ग क्रिकेट में पुलिस टीम एवं रामापुर सुपर स्ट्राइकर के मध्य मुकाबला खेला गया, जिसमें पुलिस टीम ने 6 विकेट से जीत दर्ज की। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज : शालू, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज : आरिफ, सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक : सर्वेंद्र, मैन ऑफ द मैच : अमित कुमार रहे।

न्यूज ब्रीफ

राना व्यापारी के घर नकदी-जेवर चोरी

मितौली, अमृत विचार : सोमवार की रात लडैती देवी पेट्रोल पंप के पास किराना व्यापारी उमेश गुप्ता के घर से सोने-चांदी के जेवर, नकदी सहित अन्य कीमती सामान चुरा ले गए। गृहस्वामी उमेश गुप्ता पुत्र तोताराम गुप्ता ने बताया कि वह रोज की तरह सोमवार की रात भी अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। रात में किसी समय चोरों ने घर में घुस आए और कमरे में रखी अलमारी व बक्सों को खंगाल लिया। चोर घर में रखे 7000 हजार रुपये नकद और करीब चार लाख रुपये से अधिक की कीमत के सोने-चांदी के जेवर समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी सुबह सोकर उठने पर हुई। उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।

मारपीट में घायल ग्रामीण की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : बोलिहान गांव में हरिश्चंद्र ने अपने बड़े भाई रामानंद से करीब दो बीघा जमीन खरीदी थी। रामानंद की करीब छह वर्ष पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। आरोप है कि जमीन को लेकर रामानंद की पत्नी प्रेमा देवी और उनके पुत्र रंजीत आए दिन विवाद करते थे और जमीन लिखाने को लेकर धोखाधड़ी का आरोप लगाते थे। रविवार शाम हरिश्चंद्र अपने खेत में लाही देखने गए थे। इस दौरान वहां पहुंचे भतीजे रंजीत, उसकी पत्नी और मां से कहासुनी हो गई, देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोप है कि तीनों ने मिलकर हरिश्चंद्र की जमकर पिटाई की, जिससे वह गंभीर घायल होकर गिर पड़े। शोर सुनकर पहुंचे परिजनों ने बीच-बचाव किया। मौके पर पहुंची फूलबेहड़ पुलिस ने घायल हरिश्चंद्र को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां से डॉक्टरों ने लखनऊ रेफर कर दिया। इलाज के दौरान सोमवार रात उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की मां की तहरीर पर पहले दर्ज मामले में हत्या की धारा बढ़ाते हुए प्रेमा देवी, उनके बेटे रंजीत और रंजीत की पत्नी को नामजद किया है।

मिशन कार्यकर्ताओं से बैंक मैनेजर ने की अभद्रता

निघासन, अमृत विचार : कस्बे में होने वाले गायत्री यज्ञ का निमंत्रण देने सोमवार शाम गायत्री मिशन के वरिष्ठ कार्यकर्ता विनोद सिंह, दामोदर प्रसाद वर्मा तथा समाजसेवी मोनू दीक्षित सहित अन्य लोग सिंगाही आर्यावर्त बैंक पहुंचे थे। अनुमति लेने के बाद सभी बैंक मैनेजर के केबिन में गए और उन्हें गायत्री यज्ञ का निमंत्रण पत्र सौंपा। आरोप है कि निमंत्रण पत्र देखते ही बैंक मैनेजर भड़क गए और कार्यकर्ताओं से अभद्रता करते हुए उन्हें केबिन से बाहर जाने को कह दिया। जानकारी फैलते ही गायत्री मिशन के कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों में रोष पनप गया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, ग्रामीण और व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, आनंद चतुर्वेदी आदि बैंक पहुंचे और अभद्रता पर कड़ी नाराजगी जताई। इस दौरान लोगों ने बैंक शाखा प्रबंधक को खरी खोटी सुनाई। हंगामा बढ़ता देख बैंक शाखा प्रबंधक ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी जिसके बाद लोग शांत हुए।

किसान दिवस के रूप में मनाई चौधरी चरण सिंह की जयंती

आईटीआई राजापुर में ऑडिटोरियम कम मल्टीपरपज हॉल में लगी कृषि प्रदर्शनी का डीएम ने किया अवलोकन, 36 अन्नदाताओं को प्रशस्ति पत्र व शॉल भेंट किए

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

कृषक विद्यासागर को ट्रैक्टर की चाबी सौंपतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल। ● अमृत विचार

डीएम के साथ विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने पर पुरस्कृत महिलाएं। ● अमृत विचार

कार्यक्रम में मौजूद जिले भर से आए किसान। ● अमृत विचार

अमृत विचार: पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जन्म जयंती किसान सम्मान दिवस के रूप में उल्लास और उमंग से मनाई गई। आईटीआई राजापुर में ऑडिटोरियम कम मल्टीपरपज हॉल में आयोजित किसान सम्मान समारोह का डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने दीप जलाकर एवं भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के चित्र पर पुष्पार्पण कर कार्यक्रम का आरंभ किया।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने जिले के 36 अन्नदाताओं को प्रशस्ति पत्र व शॉल भेंट किया। कार्यक्रम का संयोजन डीडी कृषि गिरीश चंद्र ने किया। इससे पूर्व डीएम ने आईटीआई कैंपस में कृषि, कृषि रक्षा, उद्यान, गन्ना, पशुपालन, रेशम और उनसे संबंधित विभिन्न सेक्टरों द्वारा लगाए स्टालों का अवलोकन किया। विभागीय अधिकारियों ने किसानों को योजनाओं की जानकारी दी।

डीएम ने ब्लॉक लखीमपुर की एफपीओ चितन प्रोड्यूसर्स कंपनी लिमिटेड के डायरेक्टर कृषक विद्यासागर को ट्रैक्टर की चाबी सौंपी और फसल अवशेष प्रबंधन के लिए बेलर मॉडल का अवलोकन कर कृषक रमनदीप से संवाद किया। डीएम ने कहा कि उन्होंने किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए जीवन भर संघर्ष किया। देश में सर्वमान्य किसान नेता के रूप में उनकी पहचान है और आज भी उनका नाम आदर और सम्मान के साथ लिया जाता है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उनके जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। डीएम ने किसानों को चौधरी चरण सिंह की जन्म जयंती व किसान सम्मान दिवस की शुभकामनाएं दी और संगठित खेती व सहकारिता से जुड़कर तरक्की के रास्ते अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने फार्मर आईडी की उपयोगिता बताई और किसानों से इस वर्ष अपने उत्पादन की कीर्तिमानों को तोड़ने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में समाज और कृषि क्षेत्र में नई मिसाल पेश करने वाली 09 प्रगतिशील कृषक महिलाओं को सम्मानित किया गया। इन महिलाओं ने अपने मेहनत और योगदान से समाज और खेती के क्षेत्र में प्रेरणा दी है। डीएम ने कृषि, उद्यान, गन्ना एवं पशुपालन सेक्टर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 36 प्रगतिशील किसानों का सम्मान किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले किसानों को 7-7 हजार और द्वितीय स्थान पर रहने वालों को 5-5 हजार की धनराशि आरटीजीएस के माध्यम से उनके खातों में भेजी जा रही है। सभी विकास खंडों से पांच पांच प्रगतिशील कृषकों को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान डीडी कृषि गिरीश चंद्र, जिला कृषि अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह, डीएचओ मृत्युंजय कुमार, सीवीओ डॉ दिनेश सचान, डीसीओ वेद प्रकाश, भूमि संरक्षण अधिकारी सुभाष चंद्र सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और किसान मौजूद रहे।

प्रगतिशील किसानों का सम्मान

केला में सुभाष चंद्र ने 1060 क्विंटल उत्पादन कर प्रथम और जगदीश प्रसाद ने 1020 क्विंटल के साथ द्वितीय स्थान हासिल किया। हरी मिर्च में रामपाल 97 क्विंटल और समलिया प्रसाद ने 95 क्विंटल उत्पादन कर क्रमशः प्रथम-द्वितीय स्थान प्राप्त किया। आलू में गुरुदत्त सिंह 540 क्विंटल और सुखदेव सिंह 525 क्विंटल उत्पादन कर सम्मानित हुए। गन्ना पौध से 1484 क्विंटल उत्पादन कर जसनप्रीत सिंह, 1296 क्विंटल उत्पादन कर राहुल सोनी और 1262 क्विंटल उत्पादन कर दिलीप सिंह प्रथम स्थान पर रहे। कुलदीप, हरमिंदर और महेश द्वितीय स्थान पर रहे। भैंस पालन में तरसेम सिंह ने 95 लीटर, जय राम ने 80 लीटर और गाय पालन में सत्य प्रकाश ने 50 लीटर उत्पादन कर प्रथम स्थान हासिल किया। बकरी पालन में मनोरमा और गाय-भैंस पालन में सुरेंद्र व विशाल कुमार ने द्वितीय स्थान अर्जित किया। धान में वीरेंद्र कुमार 70 .40 क्विंटल, और आदित्य कुमार 66 .80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर, उर्द में राम ओतार 16 क्विंटल व श्रीराम 15 क्विंटल, गेहूं में राजकुमार सिंह 64 क्विंटल, संतोष कुमारी 62 .50 क्विंटल, सरसों में नरेंद्र कुमार वर्मा 20 .80 क्विंटल व रामरतन 20 क्विंटल आदि ने क्रमशः प्रथम-द्वितीय स्थान हासिल किया।

किसानों के उत्थान में अहम योगदान

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

चौधरी चरण सिंह के चित्र पर पुष्प अपर्ति करते सपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सपा कार्यालय लोहिया भवन पर आयोजित गोष्ठी की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रामपाल सिंह यादव ने की। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री रहते हुए देश और किसानों की सेवा में अहम योगदान दिया। उन्होंने अपने प्रशासन में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और अक्षमता को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया।

उत्तर प्रदेश में भूमि सुधार का पूरा श्रेय भी चौधरी साहब को ही जाता है। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने जोत अधिनियम 1960 लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसका उद्देश्य राज्य भर में जमीन रखने की अधिकतम सीमा को समान बनाना था। रामपाल सिंह यादव ने कहा कि चौधरी साहब ने सरल जीवन जीते हुए जनता में अपार लोकप्रियता हासिल की। उनके निधन के समय उनके खाते में केवल 470 रुपये थे। उनके किसान हित में किए गए कार्य हमेशा याद रखे जाएंगे। गोष्ठी का संचालन जिला महासचिव अंसार महलूद ने किया।

कार्यक्रम में पूर्व एमएलसी शशांक यादव, पूर्व विधायक रामसरन, पूर्व जिलाध्यक्ष कयूम खान, मिर्जा शेखू और रियाजुल्ला खां सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे। प्रमुख रूप से आनंद पटेल, शिवराज वाल्मीकि, प्रख्याति खरे, अमित वर्मा, दीपक रस्तोगी, संजीव वर्मा, आरती सिंह जनवार, रविशंकर वर्मा, फैसल खान, मजिस्टर यादव, पिंकी सक्सेना, शौर्य वर्धन गुप्ता, तारिक अहमद, धर्मदत्त तिवारी उर्फ कुनाल, रामनिवास निषाद, मनोज कुमार, कल्लू खां आदि मौजूद रहे।

हिंसक जानवरों से गांवों के लोगों में दहशत

संवाददाता, पलिया कलां

● हमले रोकने में नाकाम हो रहा वन विभाग

अमृत विचार: पटिहन और पूरनपुरवा गांवों में हिंसक जंगली जानवरों की सक्रियता से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। आए दिन खेतों और आबादी के आसपास जंगली जानवरों के दिखाई देने से लोग भय के साए में जीने को मजबूर हैं। गन्ना छीलने के लिए खेतों में जाने से भी मना करने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि रात के समय घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है, वहीं बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है।

ग्रामीणों के अनुसार हिंसक वन्य पशु इस कदर हावी हो गए हैं कि लोगों का घरों से निकलना भी कठिन हो गया है। इसी के चलते पिछले माह बाघ के हमले में जहां एक किशोर की जान जा चुकी है, वहीं रविवार शाम को भाई के साथ पूरनपुरवा आ रही एक युवती पर तेंदुए ने हमला कर घायल कर दिया था। उनका कहना है कि जंगली जानवरों के दिखने व हमलों की सूचना कई बार वन विभाग को दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। वन विभाग की लापरवाही के चलते न तो गश्त बढ़ाई गई और न ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने मांग की है कि वन विभाग तत्काल प्रभाव से इलाके के जंगलों के बाहर तार बाड़ लगवाकर निगरानी बढ़ाए, पिंजरे लगवाए और जंगली जानवरों को आबादी से दूर रखने के लिए अन्य ठोस कदम उठाए। यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं हुई तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता है। उधर वन विभाग क्षेत्र में लगातार गस्त कर निगरानी बढ़ाने, लोगों को जंगली जानवरों से बचने के तरीका बताने एवं क्षेत्र में पिंजड़ा लगवाए जाने के दावे कर रहा है।

धुंधकारी के मोक्ष प्राप्ति का प्रसंग सुनाया

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: त्रिलोकी नाथ मंदिर में हो रही श्रीमद् भागवत कथा में नैमिषधाम के कथाव्यास पंकज महारथी ने धुंधकारी के मोक्ष की प्राप्ति का प्रसंग सुनाया। नगर के भूतनाथ मार्ग स्थित त्रिलोकी नाथ मंदिर परिसर में मंगलवार की कथा में कथाव्यास ने सुनाया कि वेदपाठी ब्राह्मण आत्मदेव के कोई पुत्र नहीं था। ग्लानि से भरे जंगल में जाकर आत्मदेव एक तालाब में कूदकर प्राण देने वाले थे। तभी एक साधु ने एक फल देकर कहा कि इसे पत्नी को खिलाना। आत्मदेव की पत्नी धुंधली ने वह फल खुद न खाकर गाय को खिला दिया। कुछ समय बाद गाय ने एक बच्चे को जन्म दिया, जिसका पूरा शरीर मनुष्य का था पर कान गाय के थे, जिसका नाम गोकर्ण रखा । उधर धुंधली की बहन ने अपना नवजात शिशु उसे को दे दिया, जिसका नाम धुंधकारी रखा। वह बचपन से ही व्यसनों में पड़कर चोरी करने लगा। बाद में श्रीमद् भागवत कथा सुनकर धुंधकारी को मोक्ष की प्राप्ति हुई और प्रेत योनि से मुक्ति मिली।

निजी बस पलटने से कई यात्री घायल

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● सामने से आ रही दूसरी बस को क्रॉस करने के दौरान हुआ हादसा

मुरादनगर के पास पलटी निजी बस। ● अमृत विचार

अस्पताल में घायल का हालचाल जानते एसडीएम सदर डॉ. अश्वनी कुमार सिंह।

अमृत विचार: लखीमपुर से ढखेरवा जा रही एक प्राइवेट यात्री बस मंगलवार शाम शारदा नगर थाना क्षेत्र के मुरादनगर गांव के पास पलट गई। हादसे में बस में सवार कई यात्री घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौके पर तमाम लोग एकत्र हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों और यात्रियों के अनुसार आयुष ट्रांसपोर्ट की यह बस तेज रफ्तार में थी। मुरादनगर के पास सामने से आ रही दूसरी बस को क्रॉस करने के दौरान चालक ने संतुलन खो दिया। तेज गति होने के कारण बस हाईवे किनारे अनियंत्रित होकर पलट गई। बस के पलटते ही यात्रियों के बीच दहशत फैल गई और कई लोग सीटों से गिरकर घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू कर बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आईं, जबकि कुछ को गंभीर चोटें लगने की बात सामने आई है।

सूचना पर शारदा नगर और फूलबेहड़ थाने की पुलिस फोर्स भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। बस पलटने के कारण कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ, लेकिन पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर यातायात सामान्य करा दिया। शारदानगर प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया हादसे का कारण दो बसों को एक-दूसरे को क्रॉस करने के दौरान चालक का नियंत्रण खो देना प्रतीत हो रहा है।

फिलहाल सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। उधर एसडीएम सदर डॉ. अश्वनी कुमार सिंह अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल जाना।

कृषि महाविद्यालय में लक्ष्य फ्रेशर कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● विद्यार्थियों को पूर्व राष्ट्रपति के विचारों, प्रेरणादायक जीवन के अनुभवों को बताया

अमृत विचार: चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कैंपस कृषि महाविद्यालय जमुनाबाद में लक्ष्य फेशर कार्यक्रम में प्राध्यापकों ने मिसाइल मैन, पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के विचारों और प्रेरणादायक जीवन के अनुभवों को बताया। रितेश कुमार को मिस्टर फ्रेशर चुना गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्वलन कर आरंभ हुआ। अध्यक्षता कर रहे कृषि अधिष्ठाता डॉ. अनिल कुमार सिंह और डॉ. रविन्द्र नाथ वर्मा ने मिसाइल मैन, वैज्ञानिक दूरदर्शिता, राष्ट्र सेवा का भाव रखने वाले पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के विचारों और उनके प्रेरणादायक जीवन के अनुभवों को बताया। इस दौरान नव प्रवेशित छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया।

लक्ष्य फ्रेशर में रितेश कुमार को मिस्टर फ्रेशर, रनर अप में अमन सैनी प्रथम और सचिन कुमार द्वितीय रहे। महाविद्यालय के सह प्राध्यापक डॉ. आनन्द कुमार पांडे ने छात्रों को पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण देते हुए लक्ष्य के बारे में बताया कि विद्यार्थी अपने निर्धारित लक्ष्य तक कैसे पहुंच सकते हैं। डॉ. अरुण कुमार, गेस्ट फैकल्टी डॉ. रणधीर यादव, डॉ. हिमांशू, डॉ. राजकुमार, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. सत्येंद्र कुमार, डॉ. विश्वदीपक चतुर्वेदी, डॉ. अनूप कुमार सहित विद्यार्थी और शिक्षणेत्तर कर्मचारी मौजूद रहे।

जमुनाबाद कृषि महाविद्यालय में पुरस्कृत विद्यार्थियों के साथ प्राध्यापक। ● अमृत विचार

हिमांशु के शव का बिसरा जांच के लिए सुरक्षित

संवाददाता, पसगवां

● गलत इलाज से हुई किशोर की मौत का मामला

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव गणेशापुर में गलत इलाज से हुई मौत के मामले में 100 दिन बाद कब्र खोदकर शव निकालने का मामला इस समय सुर्खियों में है। यह कार्रवाई पुलिस के साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया में डीएम के आदेश पर हुई है। पोस्टमार्टम के बाद बिसरा सुरक्षित रखा है और लैब में जाने के बाद सही रिपोर्ट मिल सकेगी।

आरोपी विकास राठौर और वादी विमलेश कुमार दोनों पक्ष एक ही परिवार के माने जाते हैं। घटना 13 सितंबर की है जब विमलेश कुमार के 15 वर्षीय पुत्र हिमांशु को बुखार आया तो इलाज के लिए वह झोलाछाप विकास के पास ले गया। विकास ने बुखार की दवा दी लेकिन बुखार कम न होने पर विकास ने शाम को घर जाकर हिमांशु के दो इंजेक्शन लगाए। इंजेक्शन लगते ही उसकी तबियत बिगड़ी और रात लगभग 11 बजे उसकी मौत हो गई।

विकास राठौर के चाचा रामनाथ राठौर ने पुलिस से मिलकर विकास और विमलेश के मध्य सुलह समझौता कराकर हिमांशु का शव दफन करा दिया। सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था कि इस बीच आरोपी पक्ष ने खुशी को व्यक्त करते हुए विमलेश को चिढ़ाना शुरू कर दिया, इससे विमलेश अपमानित महसूस करने लगा। उसने 19 सितंबर को थाने में तहरीर दी जिसमें कब्र खोदकर शव का पोस्टमार्टम कराने का आग्रह किया था। पुलिस ने 22 सितंबर को विकास और रामनाथ राठौर के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की। इसकी जांच तत्कालीन उपनिरीक्षक अरविंद तिवारी को दी गई। पुलिस के समक्ष साक्ष्य जुटाने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराना जरूरी था। एसपी के माध्यम से डीएम के यहां पत्राचार शुरू किया तब डीएम के आदेश पर कब्र खोदकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि शव का बिसरा सुरक्षित रखा है।

महिला की पीटकर हत्या का आरोप : **तिलहर।** फंदे पर झूलने से महिला की मौत के मामले में मृतका की मां ने ससुरालियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सितारगंज मोहल्ला निवासी नजमा ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि उनकी पुत्री नगमा की हत्या कर शव को फंदे पर लटकाया गया है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र सुमेश कुमार को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **रामजी मल पुत्र नन्नुकी प्रसाद निवासी ग्राम गहबरा तहसील मीरगंज जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल वर्ष 1988 अनुक्रमांक 0343681 का प्रमाण पत्र व अंकपत्र वास्तव में खो गये है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिले है। **सीमा खान पुत्री श्री मतलूब यार खान निवासी म.सं. 356, चक महमूद, पुराना शहर, जिला बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

आवश्यकता है

- कंप्यूटर ऑपरेटर (MS ऑफिस अनिवार्य, Corel Draw अनुभवी को वरीयता)
- नर्स ANM/GNM (Male) ● आयुर्वेदिक परिचारिका
- पंचकर्म थेरेपिस्ट/असिस्टेंट (Male, Female)
- आयुर्वेदिक मेडिकल स्टोर पर कार्य हेतु अनुभवी लड़के/लड़की
- रसोइया ● वार्ड बॉय
- हॉस्टल वार्डन फीमेल
- कैंटीन सुपरवाइजर/मेस सुपरवाइजर

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल

सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड, बरेली

मो. +91-8077808309, 9837357497

डिपो के 122 कर्मचारियों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● गोला डिपो में हेपेटाइटिस-बी के 2 सिफीलिस का 1 रिएक्टिव मिला

● सीएमओ के आदेश पर लगाया गया विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर

शिविर में दवाइयां लेते रोडवेज कर्मचारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गोला डिपो में एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डिपो से जुड़े चालक कुल 122 लोगों की जांच की गई, जिसमें एआरएम, संचालक, परिचालक, सफाई कर्मी, मिस्त्री सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने बताया कि गोला डिपो पर स्वास्थ्य शिविर के दौरान एचआईवी, सिफीलिस, हेपेटाइटिस-बी, हेपेटाइटिस-सी व क्षय रोग की स्क्रीनिंग की गई। जांच रिपोर्ट के अनुसार हेपेटाइटिस-बी के 2 मामले पाए गए, सिफीलिस का 1 मामला रिएक्टिव पाया गया, जबकि एचआईवी का कोई भी मामला रिएक्टिव नहीं मिला। टीबी की जांच के तहत 37 लोगों का एक्स-रे किया गया और 9 लोगों के स्पुटम (बलगम) की जांच कराई गई। इसके अलावा 80 लोगों की आंखों की जांच भी की गई। शिविर में मौजूद चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने कर्मचारियों को जांचों के महत्व के बारे में जानकारी दी।

बताया गया कि समय-समय पर एचआईवी, टीबी, हेपेटाइटिस और सिफीलिस जैसी बीमारियों की जांच कराने से रोग की पहचान प्रारंभिक अवस्था में हो जाती है, जिससे समय रहते उपचार संभव हो पाता है और गंभीर जटिलताओं से बचाव किया जा सकता है। टीबी की जांच में एक्स-रे और स्पुटम टेस्ट के माध्यम से रोग की पुष्टि की जाती है, जबकि एचआईवी और सिफीलिस की जांच रक्त परीक्षण से की जाती है।

स्वास्थ्य शिविर में डॉ. सुधांशु त्रिपाठी, चित्रांशु समाज कल्याण परिषद, एचआईवी-टीबी कोऑर्डिनेटर, डीएसआरसी काउंसलर, पीपीटीसीटी जिला महिला अस्पताल, एनटीईपी स्टाफ तथा सीएचसी गोला का स्वास्थ्य स्टाफ मौजूद रहा। सभी ने कर्मचारियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और किसी भी लक्षण के दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लेने की अपील की

अमृत विचार
बरेली, बुधवार, 24 दिसंबर 2025

बेग बरातघर में मौलाना तौकीर की मौजूदगी में हुई थी बैठक

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : शहर में आई लव मुहम्मद पोस्टर को लेकर हुए बवाल के बाद से ही बरेली विकास प्राधिकरण अवैध निर्माणों पर कार्रवाई कर रहा है। बेग बरातघर प्रशासन के रडार पर बवाल होने के बाद तब आया जब एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। ये वीडियो 19 सितंबर को बेग बरातघर में मौलाना तौकीर रजा की मौजूदगी की गई बैठक का बताया जा रहा है। इसके एक सप्ताह बाद यानि 26 सितंबर को ही शहर में बवाल हो गया। बीडीए ने पांच अक्टूबर को बिना नक्शा पास कराए बने बेग बरातघर को सील कर दिया था।

दुष्कर्म के दोषी को 10 साल की सजा

विधि संवाददाता, बरेली : स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट नरेन्द्र प्रकाश ने थाना बारादरी क्षेत्र निवासी प्रदीप कुमार को 10 वर्ष पूर्व नाबालिग (16 वर्ष) लड़की के साथ दुष्कर्म के मामले में दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष कठोर कारावास और 17 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

सरकारी वकील सुभव कुमार मिश्रा ने बताया कि 14 मई 2015 की रात लड़की को बहला-फुसलाकर प्रदीप और उसके साथी ने बाइक पर जबरदस्ती बैठाकर ले गए थे।

कन्हैया गुलाटी समेत परिवार पर 18वीं रिपोर्ट दर्ज

गुलाटी, उसकी पत्नी, मां, बेटे समेत साले को बनाया आरोपी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- शाहजहांपुर जिले के मोहल्ला पटेलनगर निवासी वीरेंद्र प्रताप ने दर्ज कराई एफआईआर

अमृत विचार : युवाओं को शेयर मार्केट और फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश करके करोड़पति बनाने का सपना दिखाने वाला कैनविज ग्रुप असल में सुनियोजित तरीके से ठगी करने वाली कंपनी निकली। कंपनी के मालिक कन्हैया गुलाटी और उसके गिरोह के खिलाफ एसएसपी अनुराग आर्य के आदेश पर बारादरी थाने में 800 करोड़ रुपये की महाठगी के मामले में एक और रिपोर्ट दर्ज की गई है। बरेली में कंपनी के संचालकों के खिलाफ यह 18वीं एफआईआर दर्ज हुई है।

शाहजहांपुर निवासी वीरेंद्र प्रताप ने बताया कि कंपनी ने घर-घर एजेंट भेजकर खासतौर पर युवाओं को निशाना बनाया। किसी ने 25 हजार, तो किसी ने 25 लाख रुपये तक झोंक दिए। सिर्फ नगर पंचायत बंडा (शाहजहांपुर) से ही करीब 5 करोड़ रुपये कैनविज में फंस गए। पीड़ित ने आरोप लगाया कि कन्हैया गुलाटी, उसकी पत्नी, मां, बेटे और साले ने कंपनी बनाकर लोगों को सामूहिक रूप से ठगा। शुरुआत में कुछ महीनों तक भुगतान कर भरोसे की नींव रखी गई, लेकिन मई 2025 से अचानक भुगतान बंद कर दिया गया। मूलधन लौटाने के नाम पर दिए गए चेक बैंक पहुंचते ही बाउंस होने लगे। कहीं खाते बंद, तो कहीं बैलेंस शून्य है। अब न कंपनी का दफ्तर है, न कोई जिम्मेदार। कन्हैया गुलाटी और उसका पूरा गिरोह फरार है।

एसएसपी अनुराग आर्य ने वीडियो बयान जारी कर कार्रवाई तेज करने का दावा किया है। उन्होंने बताया कि मामले की गुणवत्तापरक जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित कर दिया गया है। एसपी यातायात अकमल खान को एसआईटी प्रभारी और एएसपी शिवम आशुतोष को सहयोगी बनाया गया है। एसएसपी के मुताबिक कन्हैया गुलाटी, उसके परिवार और साथियों पर झारखंड, बिहार समेत कई राज्यों में मामले दर्ज हैं। हाल ही में बारादरी समेत कई थानों में 18 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने लुकआउट नोटिस जारी कर दिया है ताकि आरोपी देश छोड़कर न भाग सकें। एसआईटी ने विवेचनाओं की समीक्षा शुरू कर दी है और फोकस सीधे गिरफ्तारी पर है।

गोल्डी बराड़ गैंग के दो नाबालिग समेत चार गुर्गों पर चार्जशीट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- फिल्म अभिनेत्री दिशा पाटनी के आवास पर शूटरों ने की थी अधाधुंध फायरिंग

अमृत विचार : सिविल लाइंस स्थित फिल्म अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर हुई फायरिंग मामले में कोतवाली पुलिस ने दो नाबालिग समेत चार आरोपितों के खिलाफ न्यायालय में चार्जशीट दाखिल कर दी है। चार्जशीट में गैंगस्टर गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा गैंग के दो नाबालिगों पर फायरिंग का आरोप लगा है। राजस्थान के जैतारण निवासी रामनिवास और हरियाणा के सोनीपत निवासी अनिल को षड्यंत्र रचने का आरोपी बनाया गया है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने गैंग की दहशत फैलाने के उद्देश्य से यह वारदात की। घटना के दो मुख्य आरोपी रोहतक निवासी रविंद्र और सोनीपत निवासी अरुण को स्पेशल टॉस्क फोर्स (एसटीएफ) और दिल्ली की स्पेशल यूनिट ने नोएडा में मुठभेड़ में मार गिराया था। इस वजह से उनके नाम चार्जशीट में नहीं हैं, लेकिन पुलिस ने उनके कृत्यों का भी जिक्र किया है। विवाद की जड़ दिशा पाटनी की बहन मेजर खुशबू पाटनी द्वारा कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के लिव-इन रिलेशनशिप वाले बयान के विरोध में वीडियो जारी करना था। इसी के बाद 11 और 12 सितंबर की रात को गैंग ने दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग कर दहशत फैलाई।

सोशल मीडिया पर गैंग ने खुलेआम जिम्मेदारी ली और कहा कि हमारे सनातन के गुरुओं का अपमान सहा नहीं जाएगा। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि पहली फायरिंग 11 सितंबर को दो नाबालिग आरोपियों ने बाइक से आकर की थी। चूंकि उस दिन फायरिंग की आवाज किसी ने नहीं सुनी, इसलिए अगले दिन गैंग के मुख्य सदस्य रविंद्र और अरुण ने विदेशी पिस्टल से कई राउंड फायरिंग की। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी बरेली में छह सितंबर को ही पहुंच चुके थे। पहले उन्होंने रेकी की, फिर वारदात को अंजाम दिया। इस पूरी वारदात में रामनिवास और अनिल ने अहम भूमिका निभाई।

मंडल की कुश्ती टीम चयनित

बरेली, अमृत विचार : खेल निदेशालय की ओर से प्रदेश स्तरीय सब जूनियर बालिका कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन 25 से 27 दिसंबर तक मऊ में किया जाएगा। बरेली की मंडलीय टीम का चयन सोमवार को हुआ। टीम में सुरभि, प्रतिक्षा, रीया गंगवार, विनीता, नैना, डॉली, अजंलि, पूर्णिमा शर्मा, नीलम गंगवार, सलोनी को शामिल किया गया। टीम कोच के रूप में योगेंद्र पुनिया मौजूद रहे।

मिशन शक्ति केन्द्रों को औपचारिकता के बजाय बनाएं प्रभावी मंच

बरेली, अमृत विचार : मिशन शक्ति-5.0 अभियान के तहत स्थापित मिशन शक्ति केन्द्रों की स्थिति जानने के लिए डीआईजी अजय कुमार साहनी ने परिक्षेत्र के सभी जिलों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने साफ किया कि मिशन शक्ति केन्द्रों को औपचारिकता के बजाय एक प्रभावी मंच बनाएं। प्राप्त होने वाली शिकायतों की संख्या, उनके गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण जरूरी है। डीआईजी ने कहा कि मिशन शक्ति केंद्र अब नाम भर के काउंटर नहीं रहेंगे। यहां आने वाली हर महिला की पीड़ा को सुना जाएगा, समझा जाएगा और समाधान तक पहुंचाया जाएगा।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 12185 /141सी0(ई0टेण्डर)–3/25 दिनांक : 17.12.2025

ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई–निविदा दिनांक 25.12.2025 से दिनांक 05.01.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 05.01.2026 को ही अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत: सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	लागत: 05 वर्ष अनुरक्षण की लागत (रू0 लाख में)	लागत: कुल लागत (4+5) (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क + स्टेशनरी जी0एस0टी0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों को पात्रता श्रेणी (मार्ग कार्य हेतु)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	बहादुरपुर बुजुर्ग चौराहा से पटई तक सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण का कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहांपुर	115.32	6.44	121.76	8.09	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(महेन्द्र कुमार पाल)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,शाहजहांपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0,बरेली

UP-242873 दिनांक 22.12.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिये ई–निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत इंजीनियर, यांत्रिक कारखाना, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमंत्रित की जाती है:– **निविदा सूचना संख्या:** EL-MWS-GKP-2025-26-15, कार्य का विवरण: मेंटेनेन्स, स्ट्रीपिंग एण्ड रि–फीटिंग आफ इलेक्ट्रिकल आईटम्स आफ नान–ए०सी० आई०सी०एफ० कोचेज ऐट को०वा० शाप फार 02 इयर्स इन मैकेनिकल वर्कशाप, गोरखपुर। अनुमानित लागत: ₹ 1,61,20,654.80, बयाने की राशि: ₹ 2,30,600/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ 0.00, कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकार पत्र जारी होने के तिथि से: 24 महीना। • आन लाइन ई–निविदा जमा करने की तिथि 15-01-2026 समय 11:00 बजे तक। • पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (कार.)
मुजाधि/विद्युत–223 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिये ई–निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत इंजीनियर, यांत्रिक कारखाना, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमंत्रित की जाती है:– **निविदा सूचना संख्या:** EL-MWS-GKP-2025-26-16, कार्य का विवरण: मेंटेनेन्स, स्ट्रीपिंग एण्ड रि–फीटिंग आफ इलेक्ट्रिकल आईटम्स आफ नान–ए०सी० एल०एच०बी० कोचेज ऐट को०वा० शाप फार 02 इयर्स इन मैकेनिकल वर्कशाप, गोरखपुर। अनुमानित लागत: ₹ 4,36,46,372.64, बयाने की राशि: ₹ 3,68,200/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ 0.00, कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकार पत्र जारी होने के तिथि से: 24 महीना। • आन लाइन ई–निविदा जमा करने की तिथि 15-01-2026 समय 11:15 बजे तक। • पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (कार.)
मुजाधि/विद्युत–224 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई–प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते हैं। **क्र.सं. 1; ई–प्रापण निविदा सं.:** उप मु०इं०–नि०– सा०–जीकेपी–07–2025 दिनांक 15.01.2026; **कार्य का नाम:** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल के अन्तर्गत पाँच फुल लेन्थ स्टेबलिंग लाइन के सम्बन्ध में मिट्टी का कार्य, रिटेनिंगवाल, ड्रेन एवं पी०वे० कार्य के साथ–साथ अन्य विविध कार्य तथा आर०ओ०बी० सं. 157ए के निर्माण के सम्बन्ध में ड्रेन, रोड, बाऊण्ड्रीवाल एवं भवन का निर्माण एवं साथ–साथ अन्य विविध कार्य।; **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹32,59,78,528.08; **बयाना राशि(₹):** ₹17,79,900/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** –; **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 (बारह माह)। • बिड प्रारम्भ करने की तिथि– दिनांक **01.01.2026** • उपरोक्त ई–निविदा सबमिशन की अंतिम तिथि– दिनांक **15.01.2026 को 15:00 बजे** तक • उपरोक्त ई–निविदा खुलने की तिथि– दिनांक**15.01.2026** को **15:00 बजे** • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगे।

उप मुख्य इंजी०/निर्माण/सामान्य
मुजाधि/डब्ल्यू–382 गोरखपुर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय उपजिलाधिकारी मितौली खीरी।

पत्र सं0– 154 /मत्स्य पालन पटटा–नीलामी/विज्ञापन/रा0नि0(कार्या0) दिनांक :– 10.12.2025

विज्ञप्ति

माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा रिट संख्या 54161/2013 इन्द्रपाल बनाम उ0प्र0 सरकार में पारित आदेश दि0 14.05.2009 व सिविल रिट याचिका संख्या–18838/2012 प्रमोद कहार व अन्य बनाम राज्य सरकार व अन्य में पारित आदेश दि0 16.04.2012 एवं राजस्व संहिता 2006 (यथा संशोधित) की धारा 61 के अनुपालन में तहसील मितौली जिला खीरी में मत्स्य पालन हेतु उपयुक्त तालाबों का आवंटन नीलामी पद्धति से किये जाने हेतु तहसील मुख्यालय पर शिविर का आयोजन कालम 6 में अंकित दिनांकों में किया गया है। शासनादेश संख्या–3776/1–2–95–रा–2 दिनांक 17.10.1995 में वर्णित नियमों के अनुरूप मछुआ समुदाय व अनुसूचित जाति/जनजाति के व्यक्तियों के मध्य नीलामी पद्धति से तालाबों का 10 वर्षीय पटटा किया जायेगा। 2.000 हे0 से अधिक क्षेत्रफल के तालाबों का आवंटन नीलामी पद्धति से पंजीकृत तथा मान्यता प्राप्त मत्स्य जीवी सहकारी समितियों के मध्य किया जायेगा। मत्स्य पालन पटटे का लगान बकायादार व्यक्ति अथवा समिति को किसी भी दशा में मत्स्य पालन पटटा लेने हेतु बोली में शामिल नही किया जायेगा। मत्स्य जीवी सहकारी समितियों के लिये यह अनिवार्यता होगी की समिति के अध्यक्ष/सचिव मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालन विकास अभिकरण से अदेयता प्रमाण पत्र प्राप्त कर नीलामी अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करेगें। ऐसा ना करने पर नीलामी प्रक्रिया में भाग न ले सकेगें। नीलामी माननीय राजस्व परिषद लखनऊ के पत्र संख्या आर0जी0–2011–जी0–5–23 (आर रिट)/2011 दिनांक 16 जुलाई 2013 के अन्तर्गत तालाबों की नियत प्रारूप पर वित्तीय वर्ष 2024–25 में नीलाम प्रक्रिया किये जाने हेतु प्रकाशित की जा रही है जो निम्नवत है–

नीलामी स्थल– तहसील सभागार, तहसील मितौली–खीरी।
नीलामी की तिथि व समय– 12 जनवरी 2026, समय– प्रातः 11 बजे से 3 बजे तक
नीलामी अधिकारी– नायब तहसीलदार मितौली–खीरी।

नीलामी हेतु तालाबों का विवरण

क0सं0	ग्राम का नाम	आबंटन योग्य तालाबो का विवरण: गाटा संख्या	आबंटन योग्य तालाबो का विवरण: क्षेत्रफल (हे0 में)	नीलामी से पूर्व जमानत के रूप में अग्रिम जमा की जाने वाली धनराषि (रू0 में)	नीलामी की तिथि
1	2	3	4	5	6
1	पिपरा बुजुर्ग	182	0.344	500	12.01.2026
2	अटवा	796	0.380	500	12.01.2026
3	उदरहा	977सं0मि0	1.499	1500	12.01.2026
4	धुमरा	76ख मि0	0.238	500	12.01.2026
5	परसेहरा कलां	87	0.372	500	12.01.2026
6	अतरौली	72	0.769	800	12.01.2026
7	नैनेपारा	153	1.076	1100	12.01.2026
8	पुरैना	282	0.510	550	12.01.2026
9	पुरैना	291	0.450	500	12.01.2026
10	नगरा परगना पैला	412	0.660	700	12.01.2026
11	पैला	111कमि0	0.651	700	12.01.2026
12	पैला	1307	0.939	1000	12.01.2026
13	पैला	259	0.202	500	12.01.2026
14	पैला	400क/3	0.425	500	12.01.2026
15	पैला	551	0.255	500	12.01.2026
16	पैला	646क	0.372	500	12.01.2026
17	पैला	1569	0.360	500	12.01.2026
18	पैला	1307	0.939	1000	12.01.2026
19	करमानी	540	0.567	600	12.01.2026
20	करमानी	71	0.243	500	12.01.2026
21	करमानी	540	0.567	600	12.01.2026
22	करमानी	667	0.372	500	12.01.2026
23	करमानी	673	0.304	500	12.01.2026
24	करमानी	719	0.412	500	12.01.2026
25	खंजननगर	254मि0	1.607	1700	12.01.2026
26	नीवाशिवपुरी	153	1.377	1400	12.01.2026
27	मितौली	2694ख	5.796	5800	12.01.2026
28	मितौली	3765क	2.428	2300	12.01.2026
29	मितौली	1546	0.227	500	12.01.2026
30	मितौली	2587	0.218	500	12.01.2026
31	मितौली	5079	0.462	500	12.01.2026
32	मितौली	3765	0.425	500	12.01.2026
33	मितौली	2118	0.579	600	12.01.2026
34	मितौली	3756ख	1.173	1200	12.01.2026
35	परसेहरा खुर्द	198	0.300	500	12.01.2026
36	परसेहरा खुर्द	230	0.563	600	12.01.2026
37	कैमा बुजुर्ग	959	0.425	500	12.01.2026
38	कैमा बुजुर्ग	915	0.227	500	12.01.2026
39	कैमा बुजुर्ग	923	0.255	500	12.01.2026
40	भूलनपुर	1896	0.279	500	12.01.2026
41	भूलनपुर	274	0.833	900	12.01.2026
42	भूलनपुर	2926	0.417	500	12.01.2026
43	भूलनपुर	2692ख	0.324	500	12.01.2026
44	कल्लुआमोती	279	0.854	900	12.01.2026
45	कल्लुआमोती	455	0.454	500	12.01.2026
46	कल्लुआमोती	370मि0	0.'470	500	12.01.2026
47	रामपुररामदास	134	0.271	500	12.01.2026
48	रामपुररामदास	144	0.209	500	12.01.2026
49	रामपुररामदास	206	0.304	500	12.01.2026
50	तेन्दुआ	480	0.745	800	12.01.2026
51	तेन्दुआ	489	0.409	500	12.01.2026
52	तेन्दुआ	672	0.737	800	12.01.2026
53	तेन्दुआ	679	0.218	500	12.01.2026
54	ग्रन्ट इनायत चीफ	2074क	1.303	1400	12.01.2026
55	बेहजम	862/2	0.137	500	12.01.2026
56	बेहजम	940	0.134	500	12.01.2026
57	रेवाना	293	0.344	500	12.01.2026
58	रेवाना	601	0.518	500	12.01.2026
59	जलालपुर	121	0.421	500	12.01.2026
60	जलालपुर	214	0.462	500	12.01.2026
61	मगही	134	0.324	500	12.01.2026
62	मगही	369	0.304	500	12.01.2026
63	देवरी परगना पैला	131	0.344	500	12.01.2026
64	देवरी परगना पैला	135	0.505	500	12.01.2026
65	देवरी परगना पैला	319क	2.229	2300	12.01.2026
66	देवरी परगना पैला	343मि0	1.192	1200	12.01.2026
67	देवरी परगना पैला	392ग	0.332	500	12.01.2026
68	देवरी परगना पैला	542ख	0.287	500	12.01.2026
69	नगरा परगना पैला	412	0.660	700	12.01.2026
70	करमानी	540	0.567	600	12.01.2026
71	कैमाबुर्जुग	959	0.425	500	12.01.2026
72	मुडिया	177ख	0.328	500	12.01.2026
73	इब्राहिमपुर	494	0.206	500	12.01.2026
74	उमरपुर	43	2.651	2700	12.01.2026
75	उमरपुर	25	0.247	500	12.01.2026
76	उमरपुर	81ख	2.679	2700	12.01.2026
77	उमरपुर	202	0.486	500	12.01.2026
78	उमरपुर	214	0.243	500	12.01.2026
79	उमरपुर	265	1.878	1900	12.01.2026
80	आषिकनगर	178	0.384	500	12.01.2026
81	मलिकपुर	191	0.235	500	12.01.2026
82	उमरिया	34	0.486	500	12.01.2026
83	उमरिया	66	0.267	500	12.01.2026
84	उमरिया	67	1.193	1200	12.01.2026
85	मलिगवां	2	0.206	500	12.01.2026
86	मलिगवां	12	0.376	500	12.01.2026
87	मलिगवां	128	0.535	600	12.01.2026
88	मलिगवां	143	0.705	750	12.01.2026
89	मलिगवां	234	0.283	500	12.01.2026
90	दरीनगरा	271	0.279	500	12.01.2026
91	दरीनगरा	517	0.413	500	12.01.2026
92	दरीनगरा	1491	0.291	500	12.01.2026
93	रौतापुर	430	0.275	500	12.01.2026
92	रौतापुर	684	0.364	500	12.01.2026
93	रौतापुर	793	0.372	500	12.01.2026
94	लल्हौआ	297	0.797	800	12.01.2026
95	लल्हौआ	1615ख	3.388	3400	12.01.2026
96	लल्हौआ	1768	0.368	600	12.01.2026
97	नयागावं	360क	0.607	650	12.01.2026
98	खन्तादेशू	153	1.902	1000	12.01.2026
99	खन्तादेशू	282	0.251	500	12.01.2026
100	खन्तादेशू	321ख	0.324	500	12.01.2026
101	खन्तादेशू	615	0.332	500	12.01.2026
102	खन्तादेशू	617	0.348	500	12.01.2026
103	खन्तादेशू	585	0.709	750	12.01.2026
104	खन्तादेशू	307ख	0.324	500	12.01.2026

मा0उच्च न्यायालय के सिविल मिस रिट पिटीशन संख्या–39590/2014 श्रीमती कौशल्या देवी बनाम उ0प्र0राज्य व अन्य एवं सिविल मिस रिट पिटीशन संख्या–41084/2014 शंकर बनाम उ0प्र0राज्य व अन्य में पारित आदेशों के अनुपालन में नीलामी में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को नवीनतम आय एवं जाति प्रमाण पत्र (विज्ञापन की तिथि से 6 माह पुराना न हो) प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने वाले की पात्रता एवं शर्तें:–

1. नीलामी प्रक्रिया के बोली की पात्रता की शर्ते (यथा संशोधित) शासनादेश संख्या–3736/1–2–1995 रा–2 दिनांक 17.10.1995 के अनुरूप होंगी जो तहसील मुख्यालय एवं राजस्व परिषद की वेबसाइट bor.up.nic.in पर उपलब्ध हैं।
2. राजस्व संहिता नियमावली 2006 के नियम 57/58 के अनुसार 2हे0 से कम क्षेत्रफल वाले तालाब पट्टा नीलामी की न्यूनतम धनराशि 2000रू प्रति प्रति एकड (5000 प्रति हेक्टेयर) प्रति वर्ष तथा 2हे0 से अधिक क्षेत्रफल वाले तालाबों पट्टा नीलामी की न्युनतम धनराशि 4000रू0 प्रति एकड (10000 प्रति हेक्टेयर) प्रति वर्ष निर्धारित है।
3. पट्टे की शर्तो एवं नीलामी से सम्बन्धित किसी अन्य जानकारी हेतु रजिस्टार कानूनगों कार्यालय मितौली में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।
4. विज्ञापन में सम्मिलित गाटों का यदि किसी व्यक्ति के नाम आवंटन पूर्व से पाया जाता है तो वह नीलामी तिथि से पूर्व जमा लगान आदि अभिलेखों के साथ कार्यालय में सूचित कर सकता है। ऐसे नम्बरान की नीलामी नही की जायेगी।
5. मत्स्य पालन के इच्छुक व्यक्तियों/मत्स्य पालक समितियों के अध्यक्ष/सचिव/सदस्यों को निर्देशित किया जाता है कि उपरोक्त विज्ञापित/प्रकाशित गाटा संख्याओं के सम्बन्ध में स्थलीय निरीक्षण कर लें अथवा क्षेत्रीय लेखपाल से सम्पर्क स्थापित कर जानकारी प्राप्त कर लें कि सम्बन्धित गाटा संख्या आवंटन योग्य है, अथवा नही। आवंटन योग्य होने पर ही शिविर में आवेदन करें। आवंटन/नीलामी के उपरान्त किसी व्यक्ति का उक्त के सम्बन्ध में कोई दावा स्वीकार नही किया जायेगा।
6. नीलामी में बोली बोलने के इच्छुक व्यक्ति को जमानत धनराशि बोली बोलने से पूर्व जमा करनी होगी तथा नीलामी सम्पन्न होने के पश्चात नीलाम ग्रहीता को सर्वोच्च बोली की धनराशि जो तय होगी, उसकी प्रथम किस्त अर्थात एक वर्ष का लगान तत्काल जमा करना होगा। शेष धनराशि प्रति वर्ष जमा 30 जून तक अग्रिम के रूप में जमा करनी होगी। नीलामी स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार उपजिलाधिकारी का है। पट्टा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अन्तिम निर्णय अधोहस्ताक्षरी/उपजिलाधिकारी मितौली खीरी का होगा।
7. उपरोक्त नीलामी तिथि में जो तालाब अवशेष रह जाते है उनकी नीलामी उक्त विज्ञापन के अनुसार दिनांक 15 जनवरी 2026 व इसके उपरान्त भी शेष रहे तालाबों की नीलामी दिनांक 17 जनवरी 2026 को पुनः की जायेगी।

UP-242876 दिनांक 22.12.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

उप जिलाधिकारी
मितौली–खीरी।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–लखीमपुर खीरी।

पत्रांक. 1306/ग्रा0अभि0वि0/निविदा पत्रा0–1/2025–26, दिनांक. 08.11.2025

निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश, की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–लखीमपुर खीरी के अन्तर्गत निम्न कार्यो हेतु उ0प्र0 ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग में ए,बी,सी, डी0 एवं इ श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से प्रतिशत दरों में अधोलिखित कार्यो हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है।

क0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	लागत लाख में	5 प्रतिशत धरोहर धनराशि लाख में	निविदा पत्रक का मूल्य (समस्तकरों सहित रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6	7
		क्रिटिकल गैप्स				
1	धौरहरा	वि0ख0 धौरहरा की ग्राम पंचायत बसंतापुर में इब्राहिम के खेत से रमेश सिंह के खेत तक खडंजा निर्माण कार्य, 435 मी0।	9.661	0.490	856.00	2 माह
		विधायक निधि				
2	लखीमपुर	राजकीय इण्टर कालेज, लखीमपुर गेट के पास सेमी हाईमास्ट लाइट (6वे) का अधिष्ठापन कार्य।	1.578	0.800	679.00	2 माह
3	लखीमपुर	ग्राम देवकली में श्रीमती चन्द्रकला संस्कृत विद्यापीठ के बाहर पेयजल (प्याऊ) का अधिष्ठापन कार्य। वि0ख0 लखीमपुर	4.863	0.250	767.00	2 माह
4	निघासन	तिकुनिया बाईपास मार्ग पर एस0बी0 मार्डन पब्लिक स्कूल के सामने बाबा फौजा सिंह स्मृति द्वार का निर्माण कार्य। वि0ख0 निघासन	8.177	0.410	856.00	2 माह
5	फूलबेहड़	लिलौटी नाथ मन्दिर मार्ग पर महाराजा अग्रसेन आर0सी0सी0 स्मृति द्वार का निर्माण कार्य। वि0ख0 फूलबेहड़	6.614	0.340	856.00	2 माह
6	बेहजम	ग्रा0पं0 ओयल देहात स्थित ट्रामा सेंटर के बाहर इण्टरलाक व नाली निर्माण कार्य, 47 मी0। वि0ख0 बेहजम	8.319	0.420	856.00	2 माह
7	लखीमपुर	ग्राम पंचायत– छाउछ के मजरा गोल्हवापुर में सुरेश के मकान से रमेश के मकान तक इण्टरलॉकिंग मार्ग व नाली निर्माण कार्य, ल0– 67.00 मी0। वि0ख0 लखीमपुर	5.170	0.260	856.00	2 माह
8	लखीमपुर	ग्राम पंचायत– छाउछ सी0सी0 रोड से रामू के मकान तक इण्टरलॉकिंग मार्ग व नाली निर्माण कार्य, ल0– 71.00 मी0। वि0ख0 लखीमपुर	5.155	0.260	856.00	2 माह
9	लखीमपुर	ग्राम पंचायत– हरदासपुर के मजरा– पिथवापुर स्व0 अरविद वर्मा के मकान से स्व0 पोले के मकान तक इण्टरलाकिंग मार्ग व नाली निर्माण कार्य, ल0– 130.00 मी0। वि0ख0 लखीमपुर	9.455	0.480	856.00	2 माह
10	नकहा	ग्राम अटकोहना में सोनू मिश्रा के मकान से दीप कुमार के मकान तक इण्टरलॉकिंग मार्ग का निर्माण कार्य, ल0– 156.00 मी0। वि0ख0 नकहा	9.937	0.500	856.00	2 माह
11	नकहा	ग्राम चहमलपुर में हाइवे रोड से भुइंयां माता मन्दिर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य, ल0– 112.00 मी0। वि0ख0 नकहा	8.153	0.410	856.00	2 माह
12	लखीमपुर	मो0 शिव कालोनी में बेहजम रोड स्थित प्रगतिशील ब्राम्हण धर्मशाला में धर्मशाला व रोड के मध्य इण्टरलॉकिंग मार्ग निर्माण कार्य, ल0– 25.22 मी0। वि0ख0 लखीमपुर	4.831	0.250	767.00	2 माह
13	लखीमपुर	ग्राम पंचायत– सैधरी में सेठ घाठ मंन्दिर के पास खडण्जे से छठ पूजा घाट तक इण्टरलाकिंग मार्ग का निर्माण कार्य, ल0– 35.50 मी0। वि0ख0 लखीमपुर	6.121	0.310	856.00	2 माह
14	लखीमपुर	ग्राम पंचायत– मिदनिया गढी में सैधरी बाईपास रोड से माधव चिल्ड्रेन एकेडमी तक इण्टरलॉकिंग मार्ग व नाली निर्माण कार्य, ल0– 116.00 मी0। वि0ख0 लखीमपुर	7.988	0.400	856.00	2 माह
15	लखीमपुर	लखीमपुर शहर के मो0 शिव कालोनी में भूपेन्द्र नाथ शर्मा के मकान से ओम प्रकाश वर्मा के मकान तक इण्टरलाकिंग मार्ग व नाली निर्माण कार्य, ल0– 63.00 मी0। वि0ख0 लखीमपुर	6.063	0.310	856.00	2 माह
16	लखीमपुर	लखीमपुर शहर के मो0 शिव कालोनी मे राजेश द्विवेदी के मकान से संदीप मौर्य के मकान तक इण्टरलाकिंग मार्ग व नाली निर्माण कार्य, 60 मी0। वि0ख0 लखीमपुर	6.511	0.330	856.00	2 माह
17		विधान सभा क्षेत्र 140–श्रीनगर में निम्नांकित स्थानों पर 07 नग 4वे सेमी हाईमास्ट लाइट का अधिष्ठापन कार्य (विकास खण्ड फूलबेहड/लखीमपुर/नकहा) वर्क आई0डी0 240117918	8.642	0.440	856.00	2 माह

1–निविदा ब्रिकी की तिथि– 07.01.2026 से 12.01.2026 (समय 11.00 बजे दोपहर से 4.00 बजे सायं तक कार्य दिवसों में)
2–निविदा डालने की तिथि– 13.01.2026 दोपहर 12.00 बजे तक, कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,विकास भवन द्वितीय तल लखीमपुर ,कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता,ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,परिमण्डल–लखनऊ इन्द्रानगर, ,कलेक्ट्रेट लखीमपुर (कार्या0जिलाधिकारी ,खीरी)
3–निविदा खुलने की तिथि– 13.01.2026 दोपहर 12.30 बजे।
4–निविदा सम्बन्धित अन्य जानकारी किसी भी कार्यदिवसों में अधिशासी अभियन्ता,ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड– खीरी स्थित विकास भवन द्वितीय तल के कार्यालय से की जा सकती है ।

UP-242860 दिनांक 22.12.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(हेमंत सक्सेना) अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड–लखीमपुर खीरी।

न्यूज ब्रीफ

प्रो. एमके मित्रा को सम्मानित करते हुए प्रो. वीरेंद्र आतम और प्रो. संजय टंडन

केजीएमयू में वरिष्ठ चिकित्सक सम्मानित

अमृत विचार, लखनऊ : किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में एपीआई-यूपी और लखनऊ चैप्टर के सहयोग से आयोजित शैक्षणिक व अभिनंदन कार्यक्रम में चिकित्सा क्षेत्र के तीन वरिष्ठ चिकित्सकों, प्रो. एमके मित्रा, प्रो. राजेंद्र प्रसाद और प्रो. वीरेंद्र आतम को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रोफेसर राजेंद्र प्रसाद ने छाती के एक्स-रे की व्याख्या पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया, जिसे नवोदित चिकित्सकों ने सराहा। समारोह में नैतिक आचरण और अकादमिक प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए इसका समापन हुआ।

मुख्यमंत्री से मिले राज्य मंत्री दानिश

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। बैठक में अल्पसंख्यक समुदाय के कल्याण, विकास और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सभी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहराई और पारदर्शी व परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। राज्यमंत्री ने बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार से जुड़ी योजनाओं का सकारात्मक असर जमीनी स्तर पर दिख रहा है, जिससे समुदाय का विश्वास और मजबूत हुआ है।

प्रयागराज में छह इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत

अमृत विचार, लखनऊ : प्रयागराज में स्वच्छ, हरित एवं आधुनिक सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत मंगलवार को लीडर रोड डिपो कार्यशाला प्रयागराज में आरजी मोविलिटी द्वारा 6 इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत की गई। उक्त बसों का संचालन प्रयागराज से वाराणसी, अयोध्या व कानपुर मार्गों पर किया जायेगा। इस मौके पर परिवहन मंत्री ने कहा कि प्रदेश के लोगों को प्रदूषण रहित आरामदायक एवं सस्ती परिवहन सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि परिवहन निगम के बेड़े में इलेक्ट्रिक बसों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिसका सीधा लाभ पर्यावरण को होगा। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक बसे शून्य उत्सर्जन तकनीकी पर आधारित है, जिससे वायु प्रदूषण एवं ध्वनि प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी आयेगी।

सच में पीडीए होता तो अखिलेश नहीं आजम खान बनते मुख्यमंत्री

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा, विपक्ष का पीडीए है 'पारिवारिक दल एलायंस'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने मंगलवार को विपक्ष, खासकर समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर सच में पीडीए होता तो अखिलेश यादव नहीं, बल्कि सबसे वरिष्ठ नेता आजम खान मुख्यमंत्री बनते। सपा के पीडीए का वास्तविक अर्थ 'पारिवारिक दल एलायंस' है। ऐसे दलों में किसी भी गैर-पारिवारिक व्यक्ति के लिए शीर्ष पद तक पहुंचना असंभव है।

प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार प्रदेश भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पंकज चौधरी ने कहा कि कहा कि देश की राजनीति का केंद्र उत्तर प्रदेश है और पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव में 2017 से भी बेहतर परिणाम के लक्ष्य के साथ एकजुट होकर काम करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सभी वर्गों को साथ लेकर विकास और सुशासन के एजेंडे को आगे बढ़ाएगी। प्रदेश अध्यक्ष और कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव की टिप्पणी पर पूछे गए सवाल के जवाब में चौधरी ने कहा कि फिर वरिष्ठ नेता आजम खान को मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनाया गया। उन्होंने कहा कि जब-जब समाजवादी पार्टी को सत्ता मिली, मुख्यमंत्री एक ही परिवार से चुना गया। यही नहीं, अलग-अलग प्रदेशो में इंडी गठबंधन में शामिल सभी दल पारिवारिक दल एलायंस' वाला पीडीए हैं।

चौधरी ने कहा कि भाजपा में ऐसा नहीं है। यहां जरूरत और क्षमता के अनुसार कार्यकर्ता को जिम्मेदारी दी जाती है। उन्होंने अखिलेश यादव के ट्वीट्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा में संगठन और सरकार दोनों में सामूहिक नेतृत्व की परंपरा है, जबकि सपा में शीर्ष पद परिवार तक सीमित हैं। प्रेस वार्ता में प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, सह मीडिया प्रभारी हिमांशु दुबे और प्रदेश प्रवक्ता समीर सिंह भी मौजूद रहे।

इन कार्यक्रमों पर किया फोकस

- अटल जन्म शताब्दी में 403 विधानसभा क्षेत्रों में स्मृति सम्मेलन
- 2027 विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का एकजुट अभियान
- 24 दिसंबर को स्वच्छता अभियान, दीप प्रज्ज्वलन
- 25–31 दिसंबर 'सुशासन सप्ताह', 403 अटल स्मृति सम्मेलन
- 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री का लखनऊ दौरा, राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण
- 26 दिसंबर से साहिबजादों के बलिदान दिवस पर प्रदेशव्यापी कार्यक्रम
- एसआईआर में मतदाता सूची शुद्धिकरण पर भाजपा की सक्रिय भूमिका

पत्रकारों से चर्चा करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी।

35 वर्षों का संगठनात्मक अनुभव, कार्यकर्ता सर्वोपरि

- प्रदेश अध्यक्ष ने अपने राजनीतिक सफर का जिक्र करते हुए कहा कि उनके पास 35 वर्षों का संगठनात्मक अनुभव है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उनकी पहली प्राथमिकता कार्यकर्ताओं का सम्मान, संवाद और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। भाजपा में कार्यकर्ता सर्वोपरि हैं और उनकी सेवा ही मेरी राजनीति का केंद्र रहेगी। संगठन में बदलाव के सवाल पर कहा कि सर्वानुमति से क्षमता के अनुसार नए लोगों को दायित्व सौंपने का कार्य करेंगे।

फेन्सिडिल कफ सिरप मामले में दो अभियुक्तों को अंतरिम जमानत

अमृत विचार विधि संवाददाता, लखनऊ: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने फेन्सिडिल कफ सिरप मामले में दो अभियुक्त सगे भाइयों विभोर राणा व विशाल सिंह को अंतरिम जमानत प्रदान दी है। मामले की अगली सुनवाई के लिए कोर्ट ने पांच जनवरी 2026 की तिथि नियत की है। इससे पूर्व राज्य सरकार ने जमानत याचिकाओं का विरोध करते हुए, आपत्ति दाखिल करने के लिए समय की मांग भी की थी।

यह आदेश न्यायमूर्ति करुणेश सिंह पवार की एकल पीठ ने विभोर राणा और विशाल सिंह की ओर से पृथक-पृथक दाखिल जमानत याचिकाओं पर पारित किया है। अंतरिम जमानत प्रदान करते हुए कोर्ट ने इस तथ्य पर विचार किया कि जिस ट्रक से दवाइयों की बरामदगी हुई थी। उसके चालक/अभियुक्त शैलेन्द्र आर्य को पहले ही 26 जून 2024 को जमानत मिल चुकी है। इसके अतिरिक्त सह-अभियुक्त पवन गुप्ता और देवेंद्र कुमार विश्वकर्मा को भी इस मामले में जमानत दी जा चुकी है। कोर्ट ने यह भी संज्ञान लिया कि इसी प्रकार के एक अन्य मामले में एनडीपीएस अधिनियम के तहत कोई अपराध न बन पाने के आधार पर अभियुक्तों को आरोप मुक्त भी कर दिया गया था। कोर्ट ने पाया कि वर्तमान अभियुक्तों के नाम सह-अभियुक्त बिट्टू कुमार और सचिन कुमार के बयानों के आधार पर प्रकाश में आए, जबकि अभियुक्तों के पास से कोई भी बरामदगी नहीं हुई। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को 13 नवंबर 2025 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

योगी ने किया किसानों, एफपीओ और वैज्ञानिकों को सम्मानित

मुख्यमंत्री ने चौधरी चरण सिंह की जयंती पर पांच किसानों को सौंपी ट्रैक्टरों की चाबी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की 123वीं जयंती पर मेहनत, नवाचार और उत्पादन क्षमता की सराहना करते हुए किसानों, एफपीओ और वैज्ञानिकों को सम्मानित किया।

- **मेहनत, नवाचार और उत्पादन क्षमता में अव्वल 8 किसानों को दिया गया 1 लाख रुपये का पुरस्कार**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसान समृद्धि योजना के अंतर्गत पांच किसानों को ट्रैक्टर की चाबी सौंपी और 25 ट्रैक्टरों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। योगी ने चौधरी चरण सिंह का जिक्र करते हुए कहा कि वे हमेशा देश, गांव व किसान के हित में काम करते थे। वे कहते थे कि जब तक किसान गरीब रहेगा, भारत अमीर नहीं हो सकता। योगी ने किसान हित के कार्यों को गिनाया, बोले कि अब योजनाओं की स्पीड सुस्त नहीं है

किसान सम्मान दिवस में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, योगी सरकार के मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, धर्मपाल सिंह, डॉ. संजय निषाद, अनिल कुमार, दिनेश सिंह, कपिलदेव अग्रवाल, बलदेव सिंह औलख, गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता समेत भाजपा व रालोद के कई विधायक भी मौजूद रहे।

किसान को ट्रैक्टर की चाबी देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कृषि मंत्री व अन्य मंत्री।

योगी बोले--

चौधरी चरण सिंह हमेशा देश, गांव व किसान के हित में काम करते थे। वह कहते थे कि जब तक किसान गरीब रहेगा, भारत अमीर नहीं हो सकता।

विशिष्ट महिला किसान पुरस्कार

- संध्या सिंह – 75 हजार, अंगवस्त्र व प्रशस्ति पत्र

एफपीओ सम्मान

- विकास कुमार सिंह, जया सीड्स कंपनी लिमिटेड, वाराणसी– 1 लाख
- कुलदीप मिश्र (गोंडा) – बीज विकास निगम में सर्वाधिक बीज आपूर्ति करने वाले एफपीओ

औद्यानिक खेती पुरस्कार

- विकास कुमार सिंह – 1 लाख, प्रशस्ति पत्र व अंगवस्त्र

कृषि वैज्ञानिक सम्मान

- डॉ. धीरज कुमार तिवारी, कृषि विज्ञान केंद्र, उन्नाव

इन किसानों मिली ट्रैक्टर की चाबी

- सीएम योगी ने जालौन की प्रवेशिका, शाहजहांपुर से उधम सिंह, फतेहपुर से मुकेश, मुजफ्फरनगर से श्रीपाल, लखीमपुर खीरी से जमाइफ खान को ट्रैक्टर की चाबी दी।

मुख्यमंत्री से ट्रैक्टर की चाबी लेते किसान।

इनको मिला फसल उत्पादन पुरस्कार

ट्रैक्टर लेकर जाते किसान।

- कमलनाथ – धान उत्पादन
- बिजेंद्र कुमार सिंह – गेहूं उत्पादन
- आशीष तिवारी – चना उत्पादन
- रामकिशुन – मटर उत्पादन
- हीरालाल – सरसों उत्पादन
- रणधीर सिंह – अरहर उत्पादन
- अमरेश कुमार – ज्वार उत्पादन

मोरिंगा से आत्मनिर्भर बन रहीं यूपी की बेटियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **लखनऊ, अयोध्या, बाराबंकी सुल्तानपुर और सीतापुर में आजीविका नया मॉडल**

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश विजन का प्रभाव अब ग्रामीण अंचलों में साफ दिखाई देने लगा है। लखनऊ, अयोध्या, बाराबंकी, सुल्तानपुर और सीतापुर जिलों में मोरिंगा आधारित आजीविका मॉडल के जरिए एक हजार से अधिक ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं।

मोरिंगा की पत्तियों, बीज और छाल की प्राथमिक प्रोसेसिंग से जुड़कर महिलाएं न सिर्फ नियमित आय अर्जित कर रही हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन का भी मजबूत उदाहरण पेश कर रही हैं। इस पहल की अगुवाई जेवीकेएस बायो एनर्जी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड कर रही है।

डॉ. लुईस खुर्शीद के खिलाफ ईडी ने दाखिल की चार्जशीट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **डॉ. जाकिर हुसैन मेमोरियल ट्रस्ट की परियोजना निदेशक थी पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की पत्नी**
- **45.92 लाख रुपये संपत्तियों को स्थायी रुप से जब्त करने की तैयारी**

अमृत विचार: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद की पत्नी व डॉ. जाकिर हुसैन मेमोरियल ट्रस्ट की तत्कालीन परियोजना निदेशक लुईस खुर्शीद व उनके साथियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। इन पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस चल रहा है। ईडी के लखनऊ जोनल कार्यालय ने इस मामले में अभियोजन शिकायत (प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट) दाखिल कर करीब 45.92 लाख रुपये की संपत्तियों को स्थायी रूप से जब्त करने और आरोपियों को सजा दिलाने की मांग की है।

ईडी के लखनऊ जोनल ऑफिस ने 11 अगस्त को विशेष पीएमएलए कोर्ट में अभियोजन शिकायत दाखिल की थी। इसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद की पत्नी व डॉ. जाकिर हुसैन मेमोरियल ट्रस्ट की परियोजना निदेशक रहीं लुईस खुर्शीद और मोहम्मद अथर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आरोपी बनाया है। स्पेशल पीएमएलए कोर्ट लखनऊ ने 25 नवंबर को इस अभियोजन शिकायत का संज्ञान ले लिया था। जानकारी के मुताबिक, यह मामला ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगों को कृत्रिम अंग और उपकरण वितरित करने के लिए केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदान राशि के कथित दुरुपयोग से जुड़ा है। ईडी ने उत्तर प्रदेश पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा डॉ. जाकिर हुसैन मेमोरियल ट्रस्ट के प्रतिनिधि प्रत्युष शुक्ला और अन्य के खिलाफ दर्ज 17 एफआईआर के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने ट्रस्ट के तत्कालीन सचिव अथर फारूकी उर्फ मोहम्मद अथर और तत्कालीन परियोजना निदेशक लुईस खुर्शीद के खिलाफ सभी 17 मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए हैं।

ईडी की जांच में सामने आया कि ट्रस्ट को प्राप्त 71.50 लाख रुपये की अनुदान राशि का इस्तेमाल केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत शिविरों के आयोजन के लिए नहीं किया गया था। आरोप है कि इस धनराशि का दुरुपयोग प्रत्युष शुक्ला, मोहम्मद अथर और लुईस खुर्शीद ने ट्रस्ट के हितों और अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए किया।

इससे पहले ईडी ने उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में कृषि भूमि के रूप में 29.51 लाख रुपये मूल्य की 15 अचल संपत्तियों और ट्रस्ट से जुड़े चार बैंक खातों में पड़े 16.41 लाख रुपये की राशि को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया था।

विधान सभा की कार्यवाही

अब शपथपत्र देकर ही सदन में आरोप मढ़ सकेंगे विधायक

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने दी व्यवस्था

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **चीनी मांझे से होने वाले हादसों से संबंधित प्रश्न के उत्तर पर विपक्षी सदस्य ने जताया असंतोष**

अमृत विचार: उप्र. विधानसभा में अब पीठ को एक शपथपत्र देकर ही सदस्यगण एक-दूसरे पर आरोप मढ़ सकेंगे। सदन की कार्यवाही के दौरान यह व्यवस्था मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने दी। महाना ने व्यवस्था देते हुए विपक्ष और सत्तापक्ष के सदस्यों से कहा कि किसी पर आरोप लगाने से पहले उनके समक्ष शपथ पत्र भेजें।

इससे पहले प्रश्नकाल समाप्त हो जाने के कारण पूरक प्रश्न पूछने का अवसर न मिलने पर सपा के वरिष्ठ सदस्य रविदास मेहरोत्रा ने कहा कि सरकार ने उनके प्रश्न का सही उत्तर नहीं दिया है। उनके इस आरोप पर प्रतिरोध करते हुए संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि सरकार ने सही जवाब दिया है।

इस बीच सदन में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि यह परंपरा बन गई है कि जब मंत्रीगण जवाब देते हैं तो सीधा जवाब न देकर पिछली सरकारों पर आरोप लगाते हैं। नियम है कि किसी के ऊपर आरोप लगाने पर सबूत होने चाहिए। यह परिपाटी बंद कराइए, अन्यथा हम लोग उसी समय विरोध करेंगे।

वहीं, माता प्रसाद पांडेय ने ही बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह द्वारा शिक्षा से जुड़े एक प्रश्न पर दिये गये जवाब को लेकर भी आपत्ति की थी। इस पर संसदीय कार्य मंत्री का तर्क रहा कि मंत्री ने किसी दल का नाम नहीं लिया और पिछली सरकारों की बात की है। इसी बीच व्यवस्था देते हुए अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा, मैं सभी सदस्यों से कहूंगा, आरोप लगाने से पहले शपथ पत्र मेरे टेबल पर भेज दें। यह सदन के सभी 403 सदस्यों पर लागू होगा। यह प्रश्न पूछने वाले और सरकार के ऊपर भी लागू होगा। हालांकि, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने इस पर तनिक आपत्ति की तो महाना बोले- अब आप पलट गए।

सदन में जाते समय गैलरी में सदस्यों का अभिवादन स्वीकारते विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना।

भ्रामक पोस्ट के आरोपी पर है 1 करोड़ रु. का जुर्माना, तीन साल की सजा

- **अमृत विचार लखनऊ :** राज्य सरकार ने मंगलवार को सदन को जानकारी दी कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अभद्र टिप्पणी, भ्रामक पोस्ट अथवा वीडियो अपलोड करने के आरोपी पर है 1 करोड़ रु. का जुर्माना ही नहीं तीन साल की सजा का भी प्रावधान है। दरअसल, एक सवाल के जवाब में संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन से यह जानकारी साझा की। इस पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सरकार को निर्देशित किया कि ने कहा, सभी जनप्रतिनिधि इसका शिकार हैं और इस तरह का बड़ा जुर्माना व सजा देकर नजीर पेश की जाए ताकि कुत्सित मानसिकता के साथ सोशल मीडिया का दुरुपयोग कोई न करे। इसी कड़ी में सरकार के जवाब में यह भी सामने आया कि, साइबर क्राइम प्रशिक्षण पोर्टल के माध्यम से अब तक 84,705 पुलिस कर्मियों को प्रमाणित प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिससे पुलिस बल को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम बनाया गया है। बताया गया कि वर्ष 2017 से पूर्व उत्तर प्रदेश में केवल दो साइबर क्राइम थाने (लखनऊ और गौतमबुद्धनगर) ही कार्यरत थे। साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौती को देखते हुए योगी सरकार ने चरणबद्ध तरीके से साइबर अपराध नियंत्रण का ढांचा मजबूत किया। इसके तहत 06 फरवरी 2020 को 16 परिक्षेत्रीय साइबर क्राइम थानों तथा 14 दिसंबर 2023 को 57 जनपदीय साइबर क्राइम थानों की स्थापना की गई। साथ ही प्रदेश के सभी जनपदीय थानों में साइबर सेल का गठन कर प्रशिक्षित पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है। वर्तमान में प्रदेश के सभी जनपदों में कुल 75 साइबर क्राइम थाने संचालित हो रहे हैं, जबकि प्रत्येक जनपदीय थाने में साइबर सेल भी सक्रिय है।

आरटीई के तहत प्राइवेट स्कूलों में रिकॉर्ड एडमिशन

- उत्तर प्रदेश में बीते पांच वर्षों में आरटीई के अंतर्गत प्राइवेट स्कूलों में एडमिशन लेने वाले बच्चों की संख्या में निरंतर रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 2025-26 में अब तक 1.40 लाख से ज्यादा बच्चों को दाखिला दिया गया है। यही नहीं, बीते पांच वर्षों में प्रवेश संख्या दोगुने से अधिक हो गई है। विधानसभा में पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने मंगलवार को बताया कि आरटीई अधिनियम के तहत गैर-सहायतित मान्यता प्राप्त विद्यालयों में 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर प्रवेश की व्यवस्था लागू है। सरकार के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शी चयन प्रक्रिया और डिजिटल व्यवस्था के चलते इस योजना की पहुंच लगातार बढ़ी है। इसके तहत शैक्षिक सत्र 2021-22 में जहां 61,403 बच्चों को निजी विद्यालयों में प्रवेश मिला, वहीं 2022-23 में यह संख्या बढ़कर 70,406 हो गई। सत्र 2023-24 में 1,00,249 बच्चों को लाभ मिला, जबकि 2024-25 में 1,13,991 बच्चों ने प्रवेश लिया। चालू सत्र 2025-26 में अब तक 1,40,007 बच्चों को आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में दाखिला दिया जा चुका है।उत्तर में यह भी स्पष्ट किया गया कि सरकार द्वारा आरक्षित सीटों की संख्या और प्राप्त आवेदन पत्रों के आधार पर विद्यालय-वार आवंटन किया जाता है। इसी आवंटन के अनुरूप बच्चों का संबंधित विद्यालयों में प्रवेश सुनिश्चित किया जाता है।

एसआईआर के नाम पर हो रहा एनआरसी?

- विधानसभा में मंगलवार को बीएलओ की मौतों का मुद्दा उठाने के दौरान विपक्षी सदस्यों ने एसआईआर के नाम पर एनआरसी कराने का आरोप भी लगाया। विपक्ष का आरोप रहा कि एसआईआर के दौरान ऐसे कागजात मांगे जा रहे हैं जो एनआरसी की औपचारिकता का हिस्सा हैं। आरोप लगाया कि यह अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की साजिश है।

बीएलओ की मौतों पर सरकार संवेदनशील, लेकिन होगी जांच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **नियम 56 के तहत विपक्ष ने उठाया प्रकरण, सरकार और चुनाव आयोग पर लगाया आरोप**

अमृत विचार : राज्य सरकार एसआईआर प्रक्रिया को अंजाम देने के दौरान उत्तर प्रदेश में हुई 10 बीएलओ की मौतों को लेकर संवेदनशील है। इस क्रम में मृतक बीएलओ के परिजन उन लाभों के अधिकारी भी होंगे जो सरकारी कर्मियों की नियमावली में है। परन्तु ऐसे प्रकरणों की पहले जांच भी की जाएगी। यह उत्तर मंगलवार को विधानसभा में राज्य सरकार की ओर से संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने दिया। कहा कि, आयोग तो चुप है, हम अपने अन्य सरकारी कर्मियों की ही तरह प्रभावित बीएलओ परिजनों संग न्याय करेंगे।

इससे पहले कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्र मोना समेत अन्य विपक्षी सदस्यों ने विधानसभा में नियम 56 के तहत एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बीएलओ की मौतों का मुद्दा उठाते हुए सरकार और चुनाव आयोग पर आरोप लगाया। साथ ही इन सदस्यों ने यह भी मांग रखी कि मृतक बीएलओ के परिजनों को नौकरी और 50 लाख रु. मुआवजा दिया जाए।

इस मुद्दे पर तर्क रखने के दौरान विपक्ष का यह भी आरोप रहा कि एसआईआर प्रक्रिया में जाति और धर्म देखकर नाम जोड़े या काटे जा रहे हैं। खासकर कांग्रेस व सपा सदस्यों ने कहा कि विपक्ष को कमजोर करने का हथियार एसआईआर है। इसके तहत गरीब, दलित व पिछड़े मतदाताओं के वोट काटे जा रहे हैं।

कांग्रेस की आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि एसआईआर के दबाव में ही बीएलओ की मौत हुई है। न तो आयोग ने और न ही सरकार ने इसका कोई संज्ञान लिया। उनका दावा रहा कि एसआइआर के बारे में बीएलओ को तकनीकी जानकारी तक नहीं दी गई। नवविवाहित महिलाओं के भी सबसे ज्यादा नाम कटे हैं। जिन बीएलओ की मौत हुई है उनके परिवार के सदस्यों को सरकार नौकरी देगी या नहीं। उन्होंने 50-50 लाख रुपये मुआवजा देने की भी मांग की। वहीं, सपा के मनोज पारस, गौरव कुमार, धर्मराज सिंह यादव व मो. हसन रूमी ने मांग रखी कि जाति व धर्म के नाम पर वोट न काटे जाएं।

इस मामले में सरकार की ओर संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि जिनकी भी मौत हुई है उनके स्वजन के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। मौत किस वजह से हुई यह तो जांच का विषय है। एसआइआर जब तक चल रहा है बीएलओ से लेकर सारे कर्मी चुनाव आयोग के दायरे में आते हैं। सुरेश खन्ना ने कहा कि यह मामला चुनाव आयोग के दायरे में आता है। जिला निर्वाचन अधिकारी से लेकर नीचे तक के अधिकारी चुनाव आयोग की परिधि में आते हैं।

उन्होंने विपक्ष पर तंज भी कसा कि, दर्द तो घुटने का है और इलाज दांत के डाक्टर से कराने आए हैं। हमारी पूरी संवेदना उन परिवारों के साथ है जिनके अपनों का असामयिक निधन हुआ है। जहां तक स्वजन की नौकरी का सवाल है तो सरकारी कर्मचारियों के तैयार नियमों के तहत उन्हें लाभ दिया जाएगा।

अमृत विचार

बुधवार, 24 दिसंबर 2025

जो अपने घर में ही सुधार न कर सका हो, उसका दूसरों को सुधारने की चेष्टा करना बड़ी भारी धूर्तता है।
–**मुंशी प्रेमचंद**, हिंदी साहित्यकार

दूरदर्शी समझौता

भारत-न्यूजीलैंड के बीच मात्र नौ महीनों में संपन्न हुआ मुक्त व्यापार समझौता यानी एफटीए न केवल अपनी गति के कारण उल्लेखनीय है, बल्कि यह बदलते वैश्विक व्यापार परिदृश्य में भारत की रणनीतिक आर्थिक सोच को स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है। आम तौर पर वर्षों तक खिंचने वाली एफटीए वार्ताओं की तुलना में यह समझौता तेज़, संतुलित और दूरदर्शी है, इसीलिए इसे दीर्घकालिक विकास योजनाओं के अनुरूप एक ऐतिहासिक उपलब्धि और मील का पत्थर कहना उचित है। यह समझौता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को कई स्तरों पर मजबूत करेगा। न्यूजीलैंड के तकरीबन 55 प्रतिशत उत्पादों को तत्काल टैरिफ-मुक्त पहुंच और दस वर्षों में यह दायरा लगभग 80 प्रतिशत तक पहुंचना, द्विपक्षीय व्यापार को नई गति देगा। भारत को इससे कृषि-आधारित और श्रम-प्रधान निर्यात बढ़ाने का अवसर मिलेगा, जबकि न्यूजीलैंड के लिए भारत जैसा विशाल और बढ़ता बाजार दीर्घकालिक स्थिरता देगा। समझौते के कानूनी और प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद इसे लागू होने में साल भर से ज्यादा लगेंगे।

भारत इसके पहले मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, यूएई, यूरोपीय संघ, ओमान और ब्रिटेन के साथ एफटीए कर चुका है, कनाडा से वार्ता अंतिम चरण में होना दर्शाता है कि भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भरोसेमंद भागीदार के रूप में उभर रहा है। इसका परोक्ष दबाव अमेरिका पर भी पड़ेगा, जहां अति संरक्षणवादी टैरिफ नीतियों के चलते भारतीय निर्यातक असमंजस में हैं। भले ही वह पूर्ण समाधान न हो पर विविध एफटीए नेटवर्क अमेरिकी टैरिफ के दुष्प्रभावों से आंशिक सुरक्षा कवच तो देगा। वर्तमान में भारत–न्यूजीलैंड द्विपक्षीय व्यापार लगभग 21 हजार करोड़ रुपये का है। समझौते के बाद मध्यम अवधि में इसमें दो से तीन गुना वृद्धि की संभावना है। भारतीय निर्यातकों को शून्य-शुल्क पहुंच से बड़ा लाभ होगा। कपड़ा, परिधान, चमड़ा और जूते जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के साथ-साथ इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, फार्मास्यूटिकल्स और रसायन उद्योगों में 25 से 40 प्रतिशत तक निर्यात वृद्धि हो सकती है।

कृषि क्षेत्र में यह समझौता व्यावहारिक संतुलन साधता है। फल, सब्जियां, अनाज, मसाले, कॉफी और प्रोसेस्ड फूड के लिए न्यूजीलैंड का बाजार खुलेगा, जबकि भारत के डेयरी, चीनी, खाद्य तेल, कीमती धातुओं, तांबे के कैथोड और रबर-आधारित उत्पादों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को पर्याप्त सुरक्षा मिलेगी। सेवाओं और मानव संसाधन की आवाजाही इस समझौते की एक और बड़ी ताकत है। 5,000 अस्थायी वर्क वीजा, वर्किंग हॉलिडे वीजा और अध्ययन के बाद रोजगार के अवसर भारतीय युवाओं और कुशल पेशेवरों के लिए वैश्विक दरवाज़े खोलेंगे। आईटी, आईटी-सक्षम सेवाएं, वित्त, शिक्षा, पर्यटन और निर्माण जैसे क्षेत्रों में भारत की पहुंच बढ़ेगी, जिससे एमएसएमई, कारीगरों, महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों और स्टार्टअप्स को भी लाभ मिलेगा। न्यूजीलैंड का अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर के एफडीआई की सुविधा देना महत्वाकांक्षी है। अवधि लंबी है, पर इससे निवेश को स्थायित्व, तकनीकी सहयोग व रोजगार सृजन का ठोस आधार मिलेगा।

देश के 216 बांध खतरनाक हालत में

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

देश में बड़े बांधों की सुरक्षा को लेकर गंभीर स्थिति सामने आई है। जल शक्ति राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी ने राज्यसभा में बताया कि देश भर में 216 बांध ऐसे हैं, जिनमें गंभीर खामियां पाई गई हैं और जिनकी तत्काल मरम्मत होना जरूरी है। इन बांधों को दूसरी श्रेणी में रखा गया है। इसका अर्थ है कि बांध में बड़ी संरचनात्मक या तकनीकी कमी है, जिसे नजरअंदाज करना भविष्य में बड़े खतरे को आमंत्रण देना होगा?

सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में 50 ऐसे बांध पाए गए हैं, जिनकी तत्काल मरम्मत जरूरी है। इसके बाद मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में 24-24 बांध, तमिलनाडू में 19, तेलंगाना में 18, उत्तर प्रदेश में 12, झारखंड में 10, केरल में 9, आंध्रप्रदेश में 7 और गुजरात तथा मेघालय में छह-छह बांध क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिनमें तत्काल सुधार जरूरी है। यह समझ से परे है कि 'बांध सुरक्षा विधेयक' अस्तित्व में होने के बावजूद इन बांधों की मरम्मत पर अब तक ध्यान क्यों नहीं दिया गया।

नदियों पर बांध इस दृष्टि से बनाए गए थे, जिससे जल के इन अक्षुण भंडारों से सिंचाई, बिजली और महानगरों के लिए पेयजल की आपूर्ति के साथ पानी की बर्बादी पर अंकुश लगे, लेकिन औसत आयु पूरी होने से पहले ही देश के ज्यादातर बांध एक तो गाद से भर गए, दूसरे बांधों की पक्की दीवारों में क्षरण होने से पानी का रिसाव बढ़ गया। पुराने होने से कई बांध बरसात में ज्यादा पानी भर जाने पर टूटने भी लगे हैं। बांधों में गाद भर जाने से जलग्रहण क्षमता कम हुई है। नतीजतन ये जल्दी भर जाते हैं। ऐसे में बांधों से छोड़ा गया पानी तबाही का कारण बन रहा है।

बांधों की मरम्मत के लिए, भारत सरकार ने देशभर के बांधों को सुरक्षित बनाए रखने की दृष्टि से 10,211 करोड़ रुपये का बजट भी आवंटित किया है। यह धन बांध पुनर्वास और सुधार कार्यक्रम (डीआरआईपी) के अंतर्गत दिया है। इस राशि से दो चरणों में बांधों की मरम्मत करने के प्रावधान हैं। भारत बांध संख्या के लिहाज से दुनिया में तीसरे स्थान पर हैं। देश में कुल बांध 5,745 हैं। इनमें से संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट ने 1115 बांधों की हालत खस्ता बताई है। चीन पहले और अमेरिका दूसरे स्थान पर है। देश में 973 बांधों की उम्र 50 से 100 वर्ष के बीच है, जो 18 प्रतिशत बैठती है। 973 यानी 56 फीसदी ऐसे बांध हैं, जिनकी आयु 25 से 50 वर्ष हैं। शेष 26 प्रतिशत बांध 25 वर्ष से कम आयु के हैं, जिन्हें मरम्मत की अतिरिक्त जरूरत नहीं है।

पुराने और ज्यादा जल दबाव वाले बांधों की मरम्मत इसलिए जरूरी है, क्योंकि अधिक मात्रा में बरसाती पानी भर जाने पर इनके टूटने का खतरा बढ़ जाता है। बांधों की उम्र पूरी होने पर रख-रखाव का तो खर्च बढ़ता है, लेकिन जल भंडारण क्षमता घटती है। बांध बनाते समय उनके आसपास आबादी नहीं होती है, लेकिन बाद में बढ़ती जाती है। नदियों के जल बहाव के किनारों पर आबाद गांव, कस्बे एवं नगर होते हैं, ऐसे में अचानक बांध टूटता है, तो लाखों लोग इसकी चपेट में आ जाते हैं। भारत में बांधों की मरम्मत अप्रैल 2021 से लेकर 2031 तक पूरी होनी है।

सरकार द्वारा बांध सुरक्षा विधेयक-2018 पारित कर दिए जाने के बाद से ही यह उम्मीद थी कि जिन बांधों की उम्र 26 से 100 वर्ष की है, उनकी कालांतर में मरम्मत की जाएगी। कई बांध इतनी जर्जर अवस्था में आ गए हैं कि बांध की दीवारों, मोरियों और द्वारों से निरंतर पानी रिसता रहता है। इस नजरिए से इस विधेयक का उद्देश्य बांधों की सुरक्षा के लिए एक मजबूत और संस्थागत कार्य योजना उपलब्ध कराना है। भारत में बांधों की सुरक्षा के लिए कानून की कमी के कारण यह चिंता का मुद्दा था। खासतौर से बड़े बांधों का निर्माण देश में बड़ी बहस और विवाद के मुद्दे बने हैं।

फरक्का, नर्मदा सागर और टिहरी बांध के विस्थापितों का आज भी सेवा-शर्तों के अनुसार उचित विस्थापन संभव नहीं हुआ है। बड़े बांधों को बाढ़, भू-जल भराव क्षेत्रों को हानि और नदियों की अविरलता के लिए भी दोषी माना गया है। 1979 में गुजरात के मोरवी बांध के टूटने से पांच हजार और 11 अगस्त 1979 को गुजरात की मच्छू नदी पर बने बांध के टूटने से 2000 लोगों की मौतें हुई थीं। 2010 में भारत, नेपाल सीमा पर कोसी नदी का बांध टूटने से सैंकड़ों लोग मारे गए थे और हजारों लोग बेघर हो गए थे।

भारत के हर क्षेत्र में बड़ी संख्या में नदियों और पहाड़ों के होने से अनेक बांधों का निर्माण संभव हुआ है। यहां 5,745 से भी ज्यादा बड़े बांध हैं। 450 बड़े बांध निर्माणाधीन भी हैं। इसके अलावा हजारों मध्यम और लघु बांध हैं। भारतीय भौगोलिक परिस्थिति व अनुकूल जलवायु का ही कमाल है, जो इतने छोटे-बड़े बांधों का निर्माण संभव हुआ। भारत में बांधों का निर्माण आजादी के पूर्व से ही आरंभ हो गया था, इसलिए 164 बांध सौ साल से भी ज्यादा पुराने हैं। 75 प्रतिशत बांध 25 वर्ष से अधिक पुराने हैं। बांधों का समुचित रख-रखाव नहीं होने के कारण 36 बांध पिछले कुछ दशकों के भीतर टूटे भी हैं। इनके अचानक टूटने से न केवल पर्यावरणीय क्षति हुई, बल्कि हजारों लोगों की मौतें भी हुईं।

इस कानून के मुताबिक, प्रत्येक राज्य में स्थित बांधों की सुरक्षा के लिए एनडीएसए स्थापित किया जाएगा। एक राज्य के स्वामित्व वाले बांध, जो किसी अन्य राज्य में या केंद्रीय लोक सेवा उपक्रमों (सीपीएसयू) के अंतर्गत आने वाले बांध या वे बांध जो दो या दो से अधिक राज्यों में फैले हैं, सभी एनडीएसए के अधिकार क्षेत्र में होंगे। इसी कारण तमिलनाडु जैसे राज्यों की ओर से विधेयक का विरोध किया गया था, क्योंकि यह राज्य केरल में कई बांधों का प्रबंधन करता है। मुल्ला पेरियार बांध इनमें से एक है। विरोधी राज्यों को शंका थी कि यह विधेयक उनकी शक्ति कमजोर करेगा। 2014 में तमिलनाडु एवं केरल सर्वोच्च न्यायालय भी गए थे।

देश में बड़े बांधों की सुरक्षा को लेकर गंभीर स्थिति सामने आई है। देश भर में 216 बांध ऐसे हैं, जिनमें गंभीर खामियां पाई गई हैं और जिनकी तत्काल मरम्मत की जरूरत है।

सोशल फोरम

कानून और शेयर बाजार में फेल हो रहा एआई

जितनी उम्मीदें एआई से लगाई गई थीं, उतनी ही तेजी से निराशा भी बढ़ रही है। खासकर दो क्षेत्रों में यह बात ज्यादा साफ नजर आती है। कानून और शेयर बाजार। दोनों जगह एआई लगातार फेल हो रहा है। तर्क गड़बड़ा रहे हैं, निष्कर्ष सतही हैं और जटिल स्थितियों में इसकी समझ जवाब दे जाती है। सवाल यह है कि ऐसा क्यों हो रहा है? क्या यह केवल तकनीकी समस्या है या बात इससे कहीं अधिक गहरी है।

मनोज अभिज्ञान
ब्लॉगर

कानून केवल नियमों का संग्रह नहीं होता। वह समाज की स्मृति, संघर्ष और नैतिक बहसों का परिणाम होता है। किसी कानूनी मुद्दे को समझने के लिए सिर्फ धाराएं याद होना काफी नहीं होता। यह भी देखना पड़ता है कि कानून किस ऐतिहासिक संदर्भ में बना, किस सामाजिक दबाव में बदला और आज उसे किस तरह लागू किया जा रहा है। अदालतों में दिए गए फैसले कई बार लिखित कानून से ज्यादा उसके पीछे की भावना को महत्व देते हैं। एआई यहां अक्सर चूक जाता है। वह फैसलों के शब्द पढ़ लेता है, लेकिन उनके भीतर छिपे सामाजिक तनाव, वर्गीय हित, सत्ता के संतुलन और नैतिक द्वंद्व को पकड़ नहीं पाता।

शेयर बाजार में हालात कुछ अलग दिखते हैं, लेकिन समस्या की जड़ यहां भी वही है। बाजार को अक्सर आंकड़ों की दुनिया समझ लिया जाता है। चार्ट, पैटर्न, ट्रेंड, एल्गोरिदम। एआई इन्हीं में माहिर है। वह अतीत के डेटा से भविष्य का अनुमान लगाने की कोशिश करता है, लेकिन शेयर बाजार केवल गणित का खेल नहीं है। वह उम्मीद, डर, अफवाह, राजनीति और लालच से चलता है। कोई खबर, बयान या भावनात्मक लहर पूरी दिशा बदल देती है। एआई इन मनोवैज्ञानिक कारकों को आंकड़ों में तब्दील तो कर सकता है, लेकिन उन्हें जी कर महसूस नहीं कर सकता।

बाजार में कई बार तर्क के खिलाफ चीजें होती हैं। खराब नतीजों के बावजूद शेयर चढ़ जाता है और अच्छे नतीजों पर गिर जाता है। यह विरोधाभास इंसानी व्यवहार से पैदा होता है। लोग भविष्य के सपने खरीदते हैं, वर्तमान की सच्चाई नहीं। एआई यहां चूक जाता है, क्योंकि वह भविष्य को भी अतीत की भाषा में ही पढ़ता है। वह यह नहीं समझ पाता कि कभी-कभी बाजार तर्क नहीं, कहानी पर विश्वास करता है।

–फेसबुक वाल से

प्रसंगवश

लैंगिक भेदभाव की खाई बढ़ाते कौमार्य परीक्षण

हाल ही में राजस्थान में महिलाओं की वर्जिनिटी टेस्ट के कुछ मामले सामने आए हैं, जिसके बाद एक बार फिर इस विषय पर बहस छिड़ गई है। यह ऐसा विषय है, जिस पर आमतौर पर बात करने से तो हम बचते हैं, लेकिन कुप्रथाओं में यही टेस्ट चादर में धब्बे नहीं लगने पर समाज में महिलाओं के लिए बड़ा कलंक साबित हो रहे हैं। वर्जिनिटी मसला यूं तो स्त्री और पुरुष दोनों से जुड़ा है, लेकिन 21वीं सदी जैसे आधुनिक युग में भी इसे अधिकांश महिलाओं की ही पवित्रता जांच यानी इस टेस्ट से तोला जाता रहा है। वर्जिनिटी टेस्ट की इस परंपरा को राजस्थान में कुकड़ी प्रथा के नाम से जानते हैं।

एक समाज विशेष की प्रथा के चलते वर्जिनिटी टेस्ट में फेल होने पर एक युवती को न सिर्फ प्रताड़ित किया गया, बल्कि दस लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। इस मामले में वर्जिनिटी टेस्ट के लिए चली आ रही प्रथा के नाम पर युवती और उसके परिवार को ये प्रताड़ना झेलनी पड़ी। यह मामला ऐसी प्रथाओं को शर्मसार करने वाला है, जिन्हें आज भी कई समाज अपनी रीति एवं रिवाजों का नाम देकर महिलाओं पर थोप रहे हैं और लैंगिक भेदभाव की खाई को और गहरा करने का काम कर रहे हैं।

डॉ. मोनिका शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

कुछ समय पहले भीलवाड़ा के बागौर गांव की 24 वर्षीय युवती की शादी उसी गांव में हुई। शादी के बाद सांसी समाज ने कुकड़ी प्रथा के तहत नई दुल्हन का वर्जिनिटी टेस्ट लिया। टेस्ट में दी गई सूत की गेंद, जिसे कुकड़ी कहा जाता है, में सुहागरात के दिन बिछाई चादर पर खून के धब्बे नहीं मिलने पर विवाहित युवती को टेस्ट में फेल बता मारपीट कर प्रताड़ित किया गया। टेस्ट में फेल होने का कारण पूर्व में एक युवक की ओर से युवती के साथ दुष्कर्म करना बताया गया। सांसी समाज की पंचायत बुलाई गई और वधू पक्ष पर दस लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसके बाद मामला पुलिस तक जा पहुंचा। कुकड़ी प्रथा राजस्थान के पश्चिमी हिस्सों में रहने वाली सांसी जनजाति में प्रचलित एक विवादास्पद और दमनकारी सामाजिक कुप्रथा है, जिसमें शादी के बाद दुल्हन के कौमार्य की परीक्षा ली जाती है।

असल में वर्जिनिटी टेस्ट एक अवैज्ञानिक और क्रूर तरीका है, जिसे सुप्रीम कोर्ट और कई अदालतों ने असंवैधानिक, पितृसत्तात्मक और मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया है, क्योंकि यह महिला की गरिमा और निजता का हनन करता है। आधुनिक विज्ञान और कानून भी इसे अस्वीकार करते हैं और पुरानी, अतार्किक प्रथा मानते हैं। कौमार्य भंग होने के कई कारण हो सकते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह एक सामाजिक अवधारणा है, चिकित्सा स्थिति नहीं है। इसका कोई एक निश्चित शारीरिक संकेत नहीं है।

आनुवंशिकी और प्राकृतिक विविधता में कुछ लोगों में जन्म से ही हाइमन बहुत कम या न के बराबर होती है। वहीं शारीरिक गतिविधि जैसे घुड़सवारी, जिमनास्टिक या साइकिलिंग जैसी शारीरिक गतिविधियों या खेलकूद के कारण भी हाइमन खिंच सकती है या फट सकती है। कोई दुर्घटना या चोट लगना भी एक कारण हो सकता है। कुछ मामलों में टैंपोन के उपयोग से भी हाइमन पर प्रभाव पड़ सकता है। कुछ चिकित्सा जांच या सर्जरी के दौरान भी हाइमन पर असर पड़ सकता है। वर्जिनिटी टेस्ट महिलाओं के शोषण का एक माध्यम बन गए हैं। महिला संगठन इस प्रथा का कड़ा विरोध करते हुए इसके उन्मूलन की मांग कर रहे हैं। कई मामलों में पीड़ितों ने पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है। इस प्रथा ने न सिर्फ कई बेटियों की जिंदगी खराब की है, बल्कि कुप्रथा की प्रताड़नाओं के कारण कई जीवन भी समाप्त किए हैं।

आमने

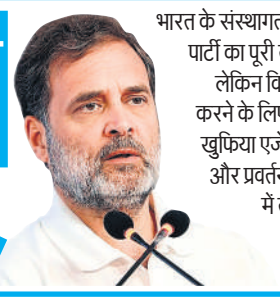

भारत के संस्थागत ढांचे पर भारतीय जनता पार्टी का पूरी तरह से कब्जा हो गया है, लेकिन विपक्ष को इसका मुकाबला करने के लिए रास्ता निकालना होगा। खुफिया एजेंसियों, केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय को हथियार में तब्दील कर दिया गया है।

–**राहुल गांधी**
नेता प्रतिपक्ष

सामने

राहुल गांधी का सिर्फ एक ही एजेंडा है, भारत विरोधी सोरोस के एजेंटों से मिलना, चाहे वह इल्हान उमर हों या सलिल शेट्टी। बर्लिन में उन्होंने कहा कि भारत की संस्थाओं पर कब्जा कर लिया गया है। भारत में कुछ भी निष्पक्ष नहीं है। वे यह भी कहते हैं कि भारतीय लोग आपस में लड़ेंगे।

–**शहजाद पूनावाला**
बीजेपी प्रवक्ता

गरीबी की ओर धकेल रहा महंगा इलाज

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

इश्तेहार और कागजों पर देखें तो आयुष्मान कार्ड और सस्ते दाम की जेनेरिक दवाओं ने आम लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हुई हैं, लेकिन कड़वा सच यह है कि आज भी देश की बड़ी आबादी अपने किसी प्रिय के इलाज की खातिर गरीबी रेखा के नीचे पहुंच जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और वर्ल्ड बैंक की एक ताजा संयुक्त रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि दुनियाभर में अरबों लोग अभी भी या तो स्वास्थ्य सेवाओं तक नहीं पहुंच पा रहे हैं या उन्हें वहन नहीं कर पा रहे हैं। भारत में 30.9% लोग स्वास्थ्य पर खर्च में वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं। उल्लेखनीय हैं कि स्वास्थ्य सेवा उपलब्धता के वैश्विक सूचकांक में भारत का 100 में 69वां स्थान है।

बड़े-बड़े आंकड़ों के बीच कड़वी सच्चाई तो यह है कि भारत दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा पर जीडीपी का सबसे कम हिस्सा खर्च करता है, तभी मूलभूत सुविधाओं से वंचित अस्पतालों में भारी भीड़ रहती है। जर्जर व्यवस्था से हताश लोग जब निजी अस्पतालों की तरफ रुख करते हैं, अज्ञानता का आधिक्य और पारदर्शिता के अभाव के कारण वे इस तरह लुटते हैं कि सारी बचत और यहां तक कि जमीन-जायदाद भी गंवा बैठते हैं, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी अस्पताल भीड़ भाड़ वाले और संसाधनों से वंचित हैं।

जॉओक्यूआईआई की एक रिपोर्ट बताती है कि 71% भारतीयों का मानना है कि उनके चिकित्सा खर्च में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। यहां तक कि 19 फीसदी लोगों ने तो इलाज करवाना ही छोड़ दिया या उसमें कुछ विलंब किया। इसी राह में बड़ी संख्या में लोग गरीब हो गए। स्वास्थ्य सेवाओं की जर्जरता की बानगी सरकार की सबसे प्रीमियम स्वास्थ्य योजना सीजीएचएस यानि केंद्रीय कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा है, जिसके तहत पत्रकार, पूर्व सांसद आदि आते हैं। इस योजना के तहत पंजीकृत लोगों में चालीस फीसदी डायबीटिज के मरीज हैं और वे हर महीने केवल नियमित दवा लेने जाते हैं। एक मरीज की औसतन हर दिन की पचास रुपये की दवा होती है, वहीं स्टेम सेल से डायबीटिज के स्थाई इलाज का व्यय महज सवा से दो लाख है, लेकिन सीजीएचएस में यह इलाज शामिल नहीं है। इसी तरह मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए सरकार जिस सामान्य लेंस का भुगतान करती है, उसे कोई लगवाता नहीं और सरकारी कर्मचारी खुद जेब से एक आंख के लेंस के कोई 22 हजार अपनी जेब से देता है। ऐसे ही कई अन्य रोग हैं, जिनकी आधुनिक चिकित्सा उपलब्ध है, लेकिन सीजीएचएस में उसे शामिल ही नहीं किया गया।

इस बात के खुलासे होते रहते हैं कि विभिन्न राज्यों में गरीबों को कार्ड दे कर निजी अस्पताल में मुफ्त इलाज की अधिकांश योजनाएं निजी अस्पतालों का खजाना भरने का जरिया बनी हैं, इसके विपरीत गरीब कंगाल हो रहा है, चूंकि ग्रामीण स्तर पर डॉक्टर नहीं हैं, जांच की व्यवस्था है नहीं है, सो बीमार होने पर लोग करीबी शहर की तरफ दौड़ते हैं और इस दुष्चक्र में उनके घर-खेत बिक जाते हैं। स्वास्थ्य सेवा को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता क्यों नहीं दी जाती, ताकि समाज के सभी वर्गों के लिए इलाज किफायती और सुलभ हो, हालांकि सरकारी निवेश महत्वपूर्ण है, लेकिन निजी स्वास्थ्य सेवा में लाभ-संचालित शोषण को रोकने के लिए उन्हें पारदर्शी विनियमन के साथ जोड़ा जाना चाहिए। एक सुदृढ़ स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण के लिए करुणा, नैतिक चिकित्सा पद्धतियां और निवारक देखभाल प्राथमिकताएं होनी चाहिए।

स्वास्थ्य बजट को जीडीपी के अनुपात में बढ़ाने की सलाह देने के बाद भी, यह अभी भी 1.3% पर बना हुआ है, जो दुनिया में सबसे कम दरों में से एक है। वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट के अनुसार स्वास्थ्य क्षेत्र को आवंटित राशि नाममात्र रूप से बढ़ी दिखी, लेकिन मुद्रा स्फीति के समायोजन के बाद यह पिछले वर्ष की तुलना में वास्तव में 3.17% कम हो गई। स्पष्ट रूप से यह उस बात के विरुद्ध था, जो सरकार द्वारा बनाई गई राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 ने सिफारिश की थी।

नीति में कहा गया था कि स्वास्थ्य पर खर्च जीडीपी के 2.5% के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए बजट आवंटन को निरंतर बढ़ना चाहिए और वह भी 'समयबद्ध तरीके' से। मनमोहन सिंह नेतृत्व वाली सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समूह, जो भाजपा सरकार से पूर्व था, ने इस लक्ष्य की समय सीमा के रूप में 2017 का निर्धारण किया था। यह समझना कठिन नहीं है कि यदि सरकार का स्वास्थ्य पर खर्च बहुत कम बना रहता है, तो क्षमता से अधिक इलाज पर खर्च करने में हम दुनिया में अव्वल होंगे।

देश के कुल स्वास्थ्य खर्च में से अधिकांश योगदान लोगों का है (52%), जबकि राज्य और केंद्र सरकारें मिलकर 35.3% देती हैं। राज्य सरकारों का हिस्सा केंद्र सरकार से अधिक है। नीति आयोग की एक रिपोर्ट इसे पुष्ट करती है। इसमें कहा गया है कि भारत की 7% आबादी, लगभग 10 करोड़ लोग, हर साल स्वास्थ्य पर किए गए खर्च के कारण गरीबी में धकेले जाते हैं।

डब्ल्यूएचओ और वर्ल्ड बैंक की ताजा संयुक्त रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि भारत में 30.9% लोग स्वास्थ्य पर खर्च में वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं।

सामयिकी

लड़कियों के लिए साइंस न पढ़ पाने की मजबूरी

उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में बसे गांव बाहर से शांत दिखाई देते हैं, लेकिन भीतर कई परेशानियां छिपी हैं। यह परेशानी केवल स्थानीय लोगों को ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को भी है। यहां कई इलाकों में 12वीं तक की पढ़ाई के लिए राजकीय इंटर कॉलेज तो हैं, लेकिन दसवीं के बाद विज्ञान में रुचि रखने वाले छात्र-छात्राओं के लिए इस कॉलेज के दरवाजे बंद हो जाते हैं, क्योंकि यहां आर्ट्स की पढ़ाई तो होती है लेकिन विज्ञान की नहीं।

यहां के एक गांव की अंजलि कक्षा ग्यारह में पढ़ रही हैं, वह बताती हैं कि उसने दसवीं तक की पढ़ाई पोथिंग के स्कूल से पूरी की थी, लेकिन जैसे ही दसवीं से आगे विज्ञान पढ़ने की बात आई, तो उसे वह स्कूल छोड़ना पड़ा। अंजलि अकेली नहीं हैं। उनके साथ विज्ञान विषय चुनने वाली अन्य लड़कियों को भी दूसरे स्कूल में एडमिशन लेना पड़ा, क्योंकि इस इंटर कॉलेज में आगे विज्ञान की पढ़ाई का विकल्प नहीं था। ऐसे में लड़कियां, या तो दूर के स्कूलों में जाने को मजबूर होती हैं या फिर पढ़ाई वहीं रोक देती हैं।

संजना
एक्टिविस्ट

यूनिसेफ और शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में माध्यमिक स्तर पर पहुंचते-पहुंचते लड़कियों की स्कूल छोड़ने की दर शहरी क्षेत्रों की तुलना में कहीं अधिक है। NFHS-5 के अनुसार उत्तराखंड में 10वीं के बाद लड़कियों की निरंतर शिक्षा में साफ़ गिरावट देखी जाती है और इसके पीछे प्रमुख कारण दूरी, सुरक्षा और विषयों की सीमित उपलब्धता है।

ऐसे माता-पिता हैं, जो अपनी बेटियों को घर से दूर पढ़ने के लिए भेजने में हिचकिचाते हैं। इसका कारण केवल दूरी नहीं, बल्कि सुरक्षा की चिंता भी है। ऐसे में कई लड़कियां चाहकर भी आगे पढ़ाई नहीं कर पातीं हैं। कई लड़कियों को दूर स्कूल तक जाने की अनुमति नहीं मिल पाती है। नतीजा यह होता है कि उनकी पढ़ाई रुक जाती है और वे सपने, जो उन्होंने अपने लिए देखे थे, अधूरे रह जाते हैं।

यूडीआईएसई प्लस के हालिया आंकड़ों के अनुसार, उत्तराखंड के कई पहाड़ी जिलों में माध्यमिक स्तर पर स्कूलों में विषयों की उपलब्धता सीमित है। विज्ञान जैसे विषयों के लिए प्रयोगशाला, प्रशिक्षित शिक्षक और संसाधनों की आवश्यकता होती है, जो कई ग्रामीण विद्यालयों में नहीं हैं। इसी वजह से हर साल बड़ी संख्या में बच्चे या तो स्कूल बदलते हैं या पढ़ाई छोड़ देते हैं। विज्ञान में रुचि रखने वाले बच्चों विशेषकर लड़कियों के लिए गांव से दूर जाकर पढ़ना मुश्किल हो जाता है। इस स्कूल में 60 लड़के और 69 लड़कियां पढ़ती हैं, जिनमें से कई बच्चों को केवल विज्ञान विषय नहीं होने के कारण स्कूल छोड़ना पड़ता है। इसका असर स्कूल की संख्या और भविष्य दोनों पर पड़ता है।

आज का समय विज्ञान और तकनीक का है। हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए वैज्ञानिक समझ और शिक्षा की आवश्यकता बढ़ती जा रही है, लेकिन जब गांव के स्कूलों में ही इसकी बुनियाद न मिले, तो बच्चे शुरू से ही पीछे रह जाते हैं। यह स्थिति केवल शिक्षा की नहीं, बल्कि अवसरों की असमानता की भी है। क्या शिक्षा केवल किताबों तक सीमित है, या यह रास्तों, दूरी, संसाधनों और फैसलों से भी जुड़ी हुई है। अगर गांव के विद्यालयों में दसवीं के बाद विज्ञान विषय उपलब्ध कराया जाए, तो न केवल लड़कियों की पढ़ाई जारी रह सकती है, बल्कि उन्हें घर से दूर जाने की मजबूरी से भी राहत मिलेगी। वास्तव में, स्कूल भविष्य की उम्मीदें होते हैं, लेकिन यही उम्मीद केवल विषय नहीं होने के कारण टूट जाते है, जिसकी तरफ केवल विभाग ही नहीं बल्कि समाज को भी ध्यान देने की जरूरत है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

रामटेक

वनवास के दौरान यहां रुके थे प्रभु राम

नागपुर से करीब 50 किलोमीटर दूर रामटेक नामक प्रसिद्ध ऐतिहासिक और धार्मिक स्थान है, जो प्राचीन राम मंदिर और महाकवि कालिदास से जुड़ाव की वजह से मशहूर है। रामटेक स्थित पहाड़ी श्रृंखला को सिंधूरगिरि पर्वत भी कहा जाता है। मान्यता है कि प्रभु श्रीराम वनवास के दौरान यहां माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ रुके थे, इसका उल्लेख वाल्मीकि रामायण और पद्मपुराण में मिलता है। यहीं पर अगस्त्य ऋषि का आश्रम था। मान्यता यह भी है कि महर्षि अगत्स्य द्वारा यहीं पर प्रभु श्रीराम को ब्रह्मास्त्र दिया गया था। हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार प्रभु श्रीराम ने यहीं पर राक्षसों का संहार करने की प्रतिज्ञा ली थी, जिसका वर्णन रामचरित मानस में मिलता है। वैसे भी टेक का अर्थ प्रतिज्ञा होता है।

अजय त्रिवेदी
उप निदेशक युवा कल्याण

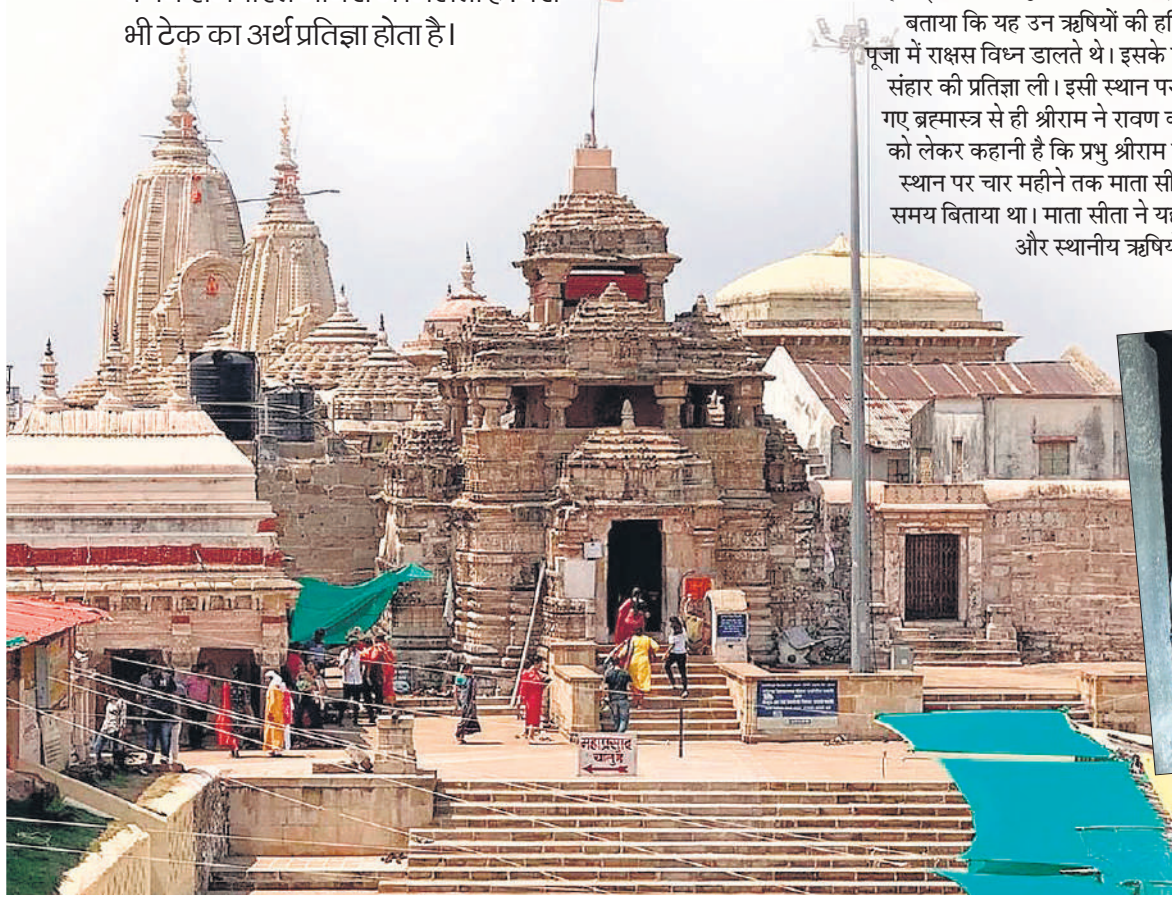

श्रीराम ने यहीं पर ली राक्षसों के संहार की प्रतिज्ञा

जब श्रीराम ने इस स्थान पर हर कहीं हड्डियों के ढेर देखे, तो उन्होंने इस बारे में ऋषि अगत्स्य से प्रश्न किया। इस पर उन्होंने बताया कि यह उन ऋषियों की हड्डियां हैं, जिनके यज्ञ और पूजा में राक्षस विध्न डालते थे। इसके बाद श्रीराम ने राक्षसों के संहार की प्रतिज्ञा ली। इसी स्थान पर ऋषि अगत्स्य द्वारा दिए गए ब्रह्मास्त्र से ही श्रीराम ने रावण का वध किया। इस मंदिर को लेकर कहानी है कि प्रभु श्रीराम ने वनवास के दौरान इस स्थान पर चार महीने तक माता सीता और लक्ष्मण के साथ समय बिताया था। माता सीता ने यहीं पहली रसोई बनाई थी और स्थानीय ऋषियों को भोजन कराया था।

किले जैसा आभास देता है मंदिर

एक छोटी पहाड़ी पर बने रामटेक मंदिर को गढ़ मंदिर भी कहा जाता है। केवल पत्थरों से बने होने के कारण यह मंदिर किसी किले जैसा लगता है। यह पत्थर एक दूसरे के ऊपर रखे हुए हैं। इसका निर्माण 18 वीं शताब्दी में नागपुर के मराठा शासक राजा रघुजी भोंसले ने छिंदवाड़ा में देवगढ़ के दुर्ग पर विजय प्राप्ति के बाद किया था। मंदिर के पूरब की ओर सुरनदी बहती है। मंदिर परिसर में एक तालाब भी है, जिसे लेकर मान्यता है कि इसमें पानी कभी कम या ज्यादा नहीं होता है। हमेशा सामान्य जल स्तर रहता है। ऐसा माना जाता है कि जब भी बिजली चमकती है, तो मंदिर के शिखर पर ज्योति प्रकाशित होती है, जिसमें भगवान राम का अक्स दिखाई देता है।

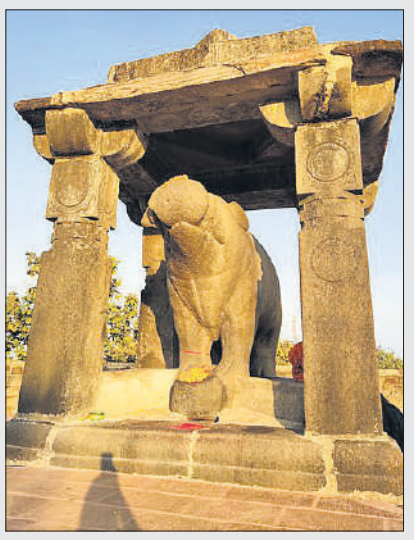

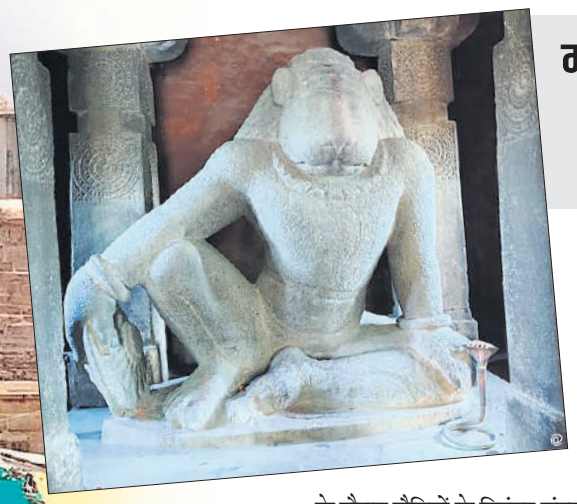

महाकवि कालिदास ने यहां पर लिखा मेघदूत

रामटेक में महाकवि कालिदास जी का एक भव्य दिव्य स्मारक भी मौजूद है। यहीं पर कालिदास द्वारा मेघदूत काव्य की रचना किए जाने का उल्लेख है। इस जगह को रामगिरि भी कहा जाता है। रामटेक में दिगंबर जैन मंदिर भी है, जिसका निर्माण 17 वीं शताब्दी के दौरान जैनियों के दिगंबर संप्रदाय द्वारा किया गया था, जो भगवान महावीर के अनुयायी थे। यह मंदिर जैन धर्म का एक महत्वपूर्ण केंद्र और महाराष्ट्र के सबसे पुराने जैन मंदिरों में से एक है।

आर्ट गैलरी

जूली मेहरेतु की पेंटिंग सिक्स बार्डोज

जूली मेहरतु की कृति 'सिक्स बार्डोज : हिम (बिहाइंड द सन)' 2018 में निर्मित एक प्रभावशाली चित्र है, जो उनकी आध्यात्मिक और कलात्मक गहराई को दर्शाता है। यह कृति उनकी 'सिक्स बार्डोस' श्रृंखला का हिस्सा है, जो बौद्ध धर्म में जीवन और पुनर्जन्म के बीच की छह संक्रमणकालीन अवस्थाओं (Bardos) से प्रेरित है। मेहरतु ने इस श्रृंखला की प्रेरणा चीन की मोगाओ गुफाओं (Mogao Caves) की यात्रा के बाद ली थी। 'बार्डो थडोल' (तिब्बती बुक ऑफ द डेड) के दर्शन को आधार बनाकर, उन्होंने मानवीय चेतना के जटिल प्रवाह को कैनवास पर उतारा है। यह विशेष पेंटिंग 25-रंगों वाली एक्वाटिंट (aquatint) तकनीक से बनाई गई है, जो इसे रंगों और रेखाओं का एक जीवंत सागर बनाती है।

जूली के बारे में

जूली मेहरेतु का जन्म 1970 में अदीस अबाबा, इथियोपिया में हुआ था। 1970 के दशक के आखिर में, ओगाडेन युद्ध के कारण इथियोपिया में राजनीतिक उथल-पुथल हुई और 1977 में मेहरेतू मिशिगन चली गईं। हाई स्कूल से ग्रेजुएशन करने के बाद, उन्होंने कलामाजू कॉलेज से बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री हासिल की और बाद में रोड आइलैंड स्कूल ऑफ डिजाइन से मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स की डिग्री प्राप्त की। असल में कई महाद्वीपों और संस्कृतियों में उनके अनुभवों ने उन्हें सामाजिक और राजनीतिक स्थितियों का एक अनोखा नजरिया दिया है। वह कला, वास्तुकला और पिछली सभ्यताओं के इतिहास को परखती हैं और उन्हें प्रवासन, क्रांति, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक पूंजीवाद और प्रौद्योगिकी के मौजूदा विषयों के साथ मिलाती हैं। उनकी प्रेरणा के स्रोत गुफा चित्रों, कार्टोग्राफी, गणितीय डिजाइनों, एशियाई सुलेख, भित्ति चित्रों, वास्तुशिल्प प्रस्तुतियों और समाचार इमेजरी से आते हैं। कभी-कभी उनका काम इतना स्तरित होता है कि वे जीवाश्म स्थलाकृतियों जैसा दिखता है। वह वर्तमान में न्यूयॉर्क शहर में रहती हैं।

चौक पूरना : भारतीय सांस्कृतिक चेतना की अभिव्यक्ति

मानव स्वभाव से ही रचनात्मक रहा है। आदि काल से लेकर वर्तमान तक उसने अपने अनुभवों, अनुभूतियों और जीवन में घटने वाली घटनाओं को अभिव्यक्त करने के लिए विविध रूपों का सृजन किया है। उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों और साधनों के माध्यम से मानव ने अपने भावों को आकार दिया और यही प्रक्रिया कला के प्रारंभिक स्वरूपों की जननी बनी। समय के साथ मानव ने न केवल भौतिक विकास किया, बल्कि अपनी कल्पनाओं, विश्वासों और आध्यात्मिक अनुभूतियों को भी कला के माध्यम से साकार किया। लोक कला इसी सहज और स्वाभाविक अभिव्यक्ति का रूप है। -*फीचर डेस्क*

कोई भी कला लोक मानस से जन्म लेती है, उसी से पोषित होती है और समाज की सामूहिक चेतना को प्रतिबिंबित करती है। लोक कला की विशेषता यह है कि इसमें कलाकार सीमित साधनों और सरल रेखाओं के माध्यम से भी प्रभावशाली एवं ओजपूर्ण चित्रांकन कर देता है। यह कला किसी औपचारिक प्रशिक्षण, विद्यालय या संस्थान की मोहताज नहीं होती, बल्कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी पारिवारिक परंपरा के रूप में आगे बढ़ती है। मां, दादी और नानी जैसे बुजुर्गों को बनाते देखकर अथवा उनसे सीखकर यह कला जीवन का अंग बन जाती है।

लोक कला का एक अत्यंत महत्वपूर्ण रूप 'चौक' है। चौक में स्वस्तिक, कलश, चरण, कमल, शंख, सूर्य, चंद्र, सप्त-कमल और अष्ट-कमल जैसे प्रतीकों का निर्माण किया जाता है, जिनका गहरा दार्शनिक और धार्मिक महत्व है। उदाहरणस्वरूप कलश को मानव शरीर का प्रतीक माना जाता है और उसमें भरा जल जीवन-रस का द्योतक है। यह लक्ष्मी का भी प्रतीक है और लगभग सभी शुभ एवं मांगलिक कार्यों में कलश-स्थापना अनिवार्य मानी जाती है। प्रागैतिहासिक काल के शैलचित्रों में लोक कला के बीज रूप दिखाई देते हैं। सिंधु सभ्यता से प्राप्त मिट्टी के पात्रों और मुहरों पर अंकित चित्रों में भी लोक परंपरा की स्पष्ट झलक मिलती है। मौर्य काल में यक्ष-यक्षिणी की मूर्तियां, सातवाहन तथा उत्तरवर्ती कालखंडों में शिल्प और चित्रकला के माध्यम से लोक कला की निरंतरता दिखाई देती है। मध्यकालीन चित्रशैलियों- पाल, अपभ्रंश, राजस्थानी और पहाड़ी में भी लोक परंपरा का सशक्त स्वरूप देखने को मिलता है। आगे चलकर इसी परंपरा ने आधुनिक भारतीय चित्रकला को भी गहराई और दिशा प्रदान की। चौक को उसके उपयोग और उद्देश्य के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में बांटा जा सकता है। मांगलिक चौक विवाह, गृह प्रवेश, छठी, वर्षगांठ और जन्मदिन जैसे शुभ अवसरों पर बनाए जाते हैं। विवाह के समय सगाई, तिलक, द्वार-पूजा और मंडप में आटे व हल्दी से चौक पूरने की परंपरा है। गृह प्रवेश के अवसर पर भूमि को गोबर से लीपकर, स्वच्छ कर पाटा पर कलश स्थापना हेतु चौक बनाया जाता है।

मांगलिक चौक

मांगलिक कार्य तिथि, माह, पक्ष, नक्षत्र और गणना के अनुसार किए जाते हैं। विवाह, गृह प्रवेश, वर्षगांठ, छठी आदि अवसरों पर चौक का निर्माण किया जाता है। विवाह में सगाई, तिलक, द्वार-पूजा और मंडप में सूखे आटे व हल्दी से चौक पूरने की परंपरा है। गृह प्रवेश या जन्मदिन के अवसर पर भूमि को गोबर से लीपकर, स्वच्छ कर पाटा पर कलश स्थापना हेतु अलंकरण किया जाता है, इसे ही मांगलिक चौक कहा जाता है।

संस्कार चौक

हिंदू धर्म में सोलह संस्कारों की परंपरा है और लगभग सभी संस्कारों में चौक का विधान मिलता है। जन्म के समय दीवारों पर शक्ति-देवताओं का अंकन किया जाता है। छठी के अवसर पर आटे का चौक पूरकर दीप प्रज्वलित किया जाता है। बरही में घर से द्वार तक पांच रेखाओं और मध्य में वृत्त का निर्माण किया जाता है। अन्नप्राशन, पाटी पूजन और उपनयन संस्कार में ओम, स्वस्तिक, श्री आदि प्रतीकों से युक्त चौक बनाए जाते हैं।

कल्याणकारी चौक

यह धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। देवी-देवताओं को आसन देने हेतु चौक का निर्माण किया जाता है। सत्यनारायण कथा, श्रीमद्भागवत कथा, अखंड रामायण पाठ, विशेष अनुष्ठानों में मूर्ति-स्थापना, कलश-स्थापना, नवग्रह पूजन, अखंड दीप प्रज्वलन और यज्ञ-वेदी सजाने हेतु चौक पूरना कल्याणकारी माना जाता है।

व्रत-त्योहार चौक

हिंदू धर्म में अनेक व्रत-त्योहारों पर चौक पूरने की परंपरा है। नवरात्रि, नाग पंचमी, रक्षाबंधन, हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी, करवा चौथ, अहोई अष्टमी, दीपावली, गोवर्धन, भैया दूज, छठ, देवोत्थान एकादशी, दशहरा, होली आदि अवसरों पर भिन्न-भिन्न प्रकार के चौक बनाए जाते हैं। ये आटा, हल्दी, रोली, गेरू, गोबर आदि से निर्मित होते हैं और जन-आस्था तथा सांस्कृतिक चेतना को अभिव्यक्त करते हैं। चौक में गेरू, खड़िया, हल्दी, पीली मिट्टी, गोबर और रोली जैसी स्थानीय एवं प्राकृतिक सामग्रियों का प्रयोग किया जाता है। इनसे निर्मित रूप केवल सजावटी नहीं होते, बल्कि लोगों की आस्था, विश्वास और धार्मिक मान्यताओं से गहराई से जुड़े होते हैं। आज के समय में कला के अनेक आधुनिक रूप देखने को मिलते हैं, किंतु लोक कला आज भी अपनी सादगी, आत्मीयता और सर्वग्राह्यता के कारण समाज के हर वर्ग को समान रूप से आनंदित करती है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसका स्वपोषित और आत्मनिर्भर स्वरूप है। यह जनसामान्य से जुड़ी रही है, इसलिए इसे न तो राजाश्रय की आवश्यकता पड़ी और न ही प्रबुद्ध वर्ग के संरक्षण की।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,524.84	26,177.15
गिरावट/बढ़त	42.64	4.75
प्रतिशत में	0.05	0.02

सोना 1,40,850 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,17,250 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 24 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु0) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8000-8800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7400, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 7800, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4280, बहेड़ी 4220

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3100, मसूरी- 980, बासमती- 5200, परमल- 1000

दाल दलहन : काला चना- 3000, साबुत चना दाल- 2800, मूंग साबुत- 4000, राजमा- 8000-12300, दाल उड़द- 6200, साबुत मसूर दाल- 3400, मसूर दाल- 3200, उड़द साबुत- 5300, काबुली चना- 8200, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 1200

एफटीए से निर्यात क्षेत्र में आएगी विविधता

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए : समझौते से भारत को द्वीपीय राष्ट्र के बाजारों में बिना शुल्क के मिलेगा प्रवेश

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) निर्यात में विविधता लाने और कृषि जैसे क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने में मदद करेगा। समझौते पर बातचीत संपन्न होने की घोषणा 22 दिसंबर को की गई। इस पर अगले साल हस्ताक्षर होने के बाद इसके लागू होने की संभावना है। भारत और न्यूजीलैंड ने सोमवार को कहा था कि उन्होंने मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी कर ली है जिससे भारत को द्वीपीय राष्ट्र के बाजारों में बिना किसी शुल्क के प्रवेश मिलेगा। साथ ही 15 वर्ष में 20 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश आएगा और अगले पांच वर्ष में वस्तुओं तथा सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके पांच अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के महासचिव मिथिलेश्वर ठाकुर ने कहा कि इस क्षेत्र के लिए एफटीए सिले-बुने वस्त्रों, फैशन परिधान, होम टेक्सटाइल, टेक्निकल टेक्सटाइल और मानव निर्मित फाइबर उत्पादों सहित उत्पादों की श्रृंखला के लिए बाजार विविधीकरण के

● 15 वर्ष में 20 अरब डॉलर का निवेश और 5 वर्ष में व्यापार दोगुना करने में मिलेगी मदद

रास्ते खोलता है। यह समझौता वैश्विक वस्त्र एवं परिधान मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की स्थिति को मजबूत करेगा, निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा और रोजगार सृजन में सहायता करते हुए एमएसएमई, कारीगरों, श्रमिकों तथा महिलाओं के लिए स्थायी अवसर उत्पन्न करेगा।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन्स (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि एफटीए लागू होने पर यह भारत निर्यात पर शून्य शुल्क की सुविधा प्रदान करेगा। इसमें सभी प्रकार के उत्पादों पर शुल्क समाप्त कर दिया जाएगा। इससे न्यूजीलैंड के बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ेगी और रोजगार सृजन करने वाले क्षेत्रों को खासा बढ़ावा मिलेगा। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विशेषज्ञ और हाई-टेक गियर्स के चेयरमैन दीप कपूरिया ने कहा कि न्यूजीलैंड द्वारा विशेष रूप से दुग्ध, कृषि और बुनियादी ढांचे में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता से भारत के कृषि क्षेत्र की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि एफटीए से भारत-न्यूजीलैंड के आर्थिक संबंधों का लाभ मिलने की संभावना नहीं है, क्योंकि व्यापार की मात्रा मामूली है। न्यूजीलैंड वर्तमान में लागू 'एमएफएन' शुल्क पर भी भारत को दुग्ध तथा उत्पादों का निर्यात बढ़ा सकता है जबकि भारत, न्यूजीलैंड को दवा, वस्त्र तथा आईटी सेवाओं का निर्यात बढ़ा सकता है। न्यूजीलैंड भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए शिक्षा, पर्यटन तथा विमानन प्रशिक्षण सेवाओं को बढ़ाकर भी विविधता ला सकता है।

भारत ने सेब, कीवी, शहद पर शुल्क रियायतें कृषि से जोड़ी

नई दिल्ली। भारत ने एफटीए के तहत न्यूजीलैंड को सेब, कीवी और मनुका शहद पर दी जाने वाली कोटा-आधारित शुल्क रियायतों को कृषि उत्पादकता वाली कार्ययोजनाओं से जोड़ दिया है, जिनकी निगरानी संयुक्त कृषि उत्पादकता परिषद (जेएपीसी) करेगी। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा है कि यह व्यवस्था बाजार पहुंच और घरेलू कृषि के संवेदनशील क्षेत्रों के संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है। इस समझौते के तहत न्यूजीलैंड ने भारत में सेब, कीवी और शहद क्षेत्रों की उत्पादकता, गुणवत्ता और क्षमताओं में सुधार के लिए लक्षित कार्ययोजनाओं पर सहमति जताई है। इस सहयोग के दायरे में उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना, बेहतर रोपण सामग्री की उपलब्धता, किसानों की क्षमता वृद्धि, बागवानी प्रबंधन में तकनीकी सहायता, कटाई के बाद की प्रक्रियाएं, आपूर्ति श्रृंखला और खाद्य सुरक्षा से जुड़े उपाय शामिल हैं।

बड़ा सोचें और बड़े की चाहत रखें : गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सूक्ष्म, छोटे एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सरकार की तरफ से मदद का पूरा आश्वासन देते हुए उनसे बड़ा सोचना और बड़े की चाहत रखने की अपील की है। गोयल ने एमएसएमई संगठन ''सीआईएमएसएमई'' के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश के भावी विकास का निर्णय एमएसएमई की मजबूती के आधार पर तय होगा।

उन्होंने कहा कि सरकार इस क्षेत्र के उद्यमों के लिए दुनिया के विकसित देशों के बड़ बाजारों के दरवाजे खोल रही है। उन्होंने संगठन से अपने सदस्यों की इस प्रकार मदद करने की अपील की जिससे सूक्ष्म उद्यम लघु उद्यम बने सकें, लघु उद्यम मझौले और मझौले उद्यम बड़े बन सकें। बड़ा सोचें, बड़े की चाहत रखें। न्यूजीलैंड

● गोयल ने सीआईएमएसएमई के कार्यक्रम में एमएसएमई को दिया सरकारी मदद का भरोसा

के साथ सोमवार को संपन्न मुक्त व्यापार संधि (एफटीए) का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि इससे सबसे ज्यादा फायदा एमएसएमई सेक्टर को होगा। पिछली सरकारों और मौजूदा सरकारों की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि पहले बैंक बड़े उद्यमियों को सस्ता कर्ज देते थे और बड़े ऋण की वसूली में भी दिक्कत आती थी। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को हर साल 80 हजार करोड़ रुपये का संयुक्त नुकसान हो रहा था।

एआई से बनी सामग्री की पहचान से जुड़े नियम जल्द होंगे जारी : आईटी सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने कृत्रिम मेधा (एआई) की मदद से तैयार सामग्री के अनिवार्य चिह्नांकन से जुड़े प्रस्तावित नियमों पर उद्योग के साथ परामर्श प्रक्रिया पूरी कर ली है और इससे संबंधित नियम जल्द ही जारी किए जाएंगे। यह जानकारी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सचिव एस कृष्णन ने दी।

कृष्णन ने कहा कि उद्योग ने इस मुद्दे पर 'काफी जिम्मेदाराना' रुख अपनाया है और एआई-जनित सामग्री की पहचान (लेबलिंग) अनिवार्य करने से जुड़ी दलीलों को समझता है। इस प्रस्ताव को लेकर उद्योग की ओर से कोई गंभीर विरोध सामने नहीं आया है। उद्योग ने इस पर स्पष्टता की मांग की है कि एआई से किए गए किस स्तर के बदलाव को महत्वपूर्ण

● कृष्णन बोले- प्रस्ताव को लेकर उद्योग जगत ने गंभीर विरोध नहीं जताया

या सारभूत संशोधन माना जाए और किन तकनीकी सुधारों को सामान्य गुणवत्ता बढ़ाने वाले बदलावों के रूप में देखा जाए। उन्होंने कहा कि हम इन सुझावों के आधार पर सरकार के भीतर अन्य मंत्रालयों से परामर्श कर रहे हैं कि किन बदलावों को स्वीकार किया जाए, कहां संशोधन किया जाए और किन बिंदुओं पर नियमों में सूक्ष्म बदलाव की जरूरत है। यह प्रक्रिया अभी चल रही है और मुझे लगता है कि नए नियम बहुत जल्द सामने आएंगे।

उद्योग की प्रतिक्रियाओं पर कृष्णन ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि वे इसके खिलाफ हैं। सरकार न तो कंपनियों से किसी तरह का पंजीकरण कराने को कह रही है, न किसी तीसरे पक्ष की मंजूरी अनिवार्य कर रही है और न ही किसी प्रकार का प्रतिबंध लगा रही है। उद्योग से केवल यही कहा जा रहा है कि एआई से तैयार सामग्री को चिह्नित किया जाए। कृष्णन ने कहा कि एआई के जरिये किया छोटा-सा बदलाव भी उसका अर्थ बदल सकता है जबकि मोबाइल फोन कैमरे से होने वाले सुधार जैसे कुछ तकनीकी सुधार केवल गुणवत्ता बढ़ाते हैं और तथ्यों को नहीं बदलते।

आर्थिक वृद्धि की मजबूती को घरेलू मांग जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

आगामी केंद्रीय बजट में लक्षित राजकोषीय समर्थन के जरिये मजबूत घरेलू मांग को सहारा देकर आर्थिक वृद्धि को मजबूती दी जा सकती है, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की विकास-उन्मुख मौद्रिक नीति के अनुरूप होगा। मंगलवार को जारी रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई।

वैश्विक परामर्श फर्म ईवाई की रिपोर्ट कहती है कि चालू वित्त वर्ष के दौरान आयकर और जीएसटी दरों में कटौती होने से राजस्व में कुछ नुकसान हो सकता है। गैर-कर राजस्व से अतिरिक्त प्राप्तियां और राजस्व व्यय में संभावित कटौती से सरकार के लिए राजकोषीय घाटे एवं पूंजीगत व्यय के लक्ष्यों को पूरा करना संभव हो सकता है। ईवाई ने कहा कि हाल में राजस्व बढ़ाने से जुड़े दो उपाय भी घोषित किए गए

● ईवाई के अनुसार, आयकर व जीएसटी दरों में कटौती से राजस्व में होगा कुछ नुकसान

हैं, जिनमें तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जन स्वास्थ्य उपकर शामिल हैं।

संसद ने हाल ही में तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क और पान मसाला पर उपकर लगाने से संबंधित दो विधेयकों को पारित किया है। ये कानून अधिसूचित तिथि से लागू होंगे। ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डीके श्रीवास्तव ने कहा कि आगे चलकर भारत को वृद्धि के समर्थन के लिए अपनी जुझारू घरेलू मांग पर निर्भर रहना पड़ सकता है। आरबीआई की विकास-उन्मुख नीति के साथ वित्त वर्ष 2026-27 के आम बजट से भी पूरक वृद्धि प्रोत्साहन की उम्मीद की जा सकती है। 2026-27 के लिए केंद्रीय बजट संसद में एक फरवरी, 2026 को पेश किया जाना प्रस्तावित है।

प्रतिकूल परिस्थितियों से जीडीपी में निर्यात का योगदान नकारात्मक होने की आशंका

ईवाई इकॉनमी वॉच रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में शुद्ध निर्यात का योगदान नकारात्मक बने रहने की आशंका है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में शुद्ध निर्यात का योगदान (-) 2.1 प्रतिशत अंक रहा, जो वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में (-) 1.4 प्रतिशत अंक था। व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताएं कम होने तक यह प्रभाव बना रह सकता है। श्रीवास्तव ने कहा कि भारत के मध्यम अवधि में मजबूत वृद्धि बनाए रखने और औसतन 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर रहने का अनुमान है। घरेलू निजी निवेश में तेजी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी बाधाओं के कम होने से वृद्धि को और समर्थन मिल सकता है। भारत ने चालू वित्त वर्ष की पहली दो तिमाहियों में क्रमशः 7.8 प्रतिशत एवं 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है जो 2024-25 में 6.5 प्रतिशत थी।

राष्ट्रीय

बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर विहिप-बजरंग दल का प्रदर्शन

बांग्लादेश में हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या किए जाने के खिलाफ भगवा झंडे लेकर लगाए नारे

● उच्चायोग के पास से अवरोधक हटाने के बाद प्रदर्शनकारियों की पुलिस से हुई झड़प

● 15,000 पुलिसकर्मी और अर्धसैनिक बल की अतिरिक्त टुकड़ियां रहीं तैनात

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश में हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या के खिलाफ भगवा झंडे लिए और नारे लगाते हुए विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश उच्चायोग के पास अवरोधक हटा दिया, जिसके बाद उनकी पुलिस से झड़प हुई। जब पुलिस भीड़ काबू करने की कोशिश कर रही थी तो लोगों ने कई अवरोधक हटा दिए।

पड़ोसी देश में हिंदू व्यक्ति की हत्या के खिलाफ हिंदू संगठनों के घोषित प्रदर्शन से पहले सुबह उच्च सुरक्षा वाले इलाके में पुलिस तैनात थी। इलाके में सात स्तर पर अवरोधक लगाए गए और पुलिस तथा अर्धसैनिक बल की अतिरिक्त टुकड़ियों को तैनात किया गया। अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शन से पहले 15,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को उच्चायोग

बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन करते विहिप और बजरंग दल के कार्यकताओं को रोकती पुलिस।

से 800 मीटर दूर रोक दिया। प्रदर्शनकारियों को उच्चायोग तक पहुंचने से रोकने के लिए डीटीसी की बसों को अवरोध के तौर पर खड़ा किया गया था। इस दौरान प्रदर्शनकारी बैनर और तख्तियां लहरा रहे, जिन पर बांग्लादेश के खिलाफ निंदा भरे संदेश लिखे थे। बांग्लादेश में 18 दिसंबर को कपड़ा फैक्टरी में काम करने वाले 25 वर्षीय दीपू चंद्र दास को मैमनसिंह के बालुका में ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने मार डाला और उसके शव को आग लगा दी।

प्रदर्शनकारी ने कहा कि हिंदू आदमी पर हमला कर बेरहमी से मार डाला गया। हम अपनी सरकार से अनुरोध करते हैं कि इस हत्या के पीछे जो लोग हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने कहा कि विहिप और बजरंग दल का हर कार्यकर्ता बांग्लादेश में हिंदू परिवारों के समर्थन में खड़ा है। हम सभी रुकावटों को पार करेंगे और बांग्लादेश उच्चायोग के सामने विरोध प्रदर्शन करेंगे। यह आंदोलन एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा और मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। प्रदर्शनकारी सुमित कश्यप ने हिंदू एकता का आह्वान किया। सतीश गुप्ता ने कहा कि वे आतंकवादी मानसिकता के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

इस दौरान प्रदर्शनकारी हनुमान चालीसा का पाठ करते और धार्मिक नारे लगाते दिखे। पुलिस ने उनसे बार-बार शांति बनाए रखने और अवरोधक तोड़ने की कोशिश न करने की अपील की। प्रदर्शनकारियों के पुलिस घेरे को तोड़ने की कोशिश करने पर झड़पें हुईं। विविहिप नेता ने कहा कि विहिप और बजरंग दल का हर एक कार्यकर्ता शांति से विरोध कर रहा है। हम सरकार द्वारा दिए गए अनुमति के नियमों का पालन करेंगे। विहिप या बजरंग दल का एक भी कार्यकर्ता सरकार की अनुमति का उल्लंघन नहीं करेगा।

कोलकाता में बांग्लादेश उप उच्चायोग की ओर निकाला मार्च

कोलकाता। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर कथित हमले के विरोध में हिंदूवादी संगठनों ने मंगलवार दोपहर को बांग्लादेश के उप उच्चायोग की ओर मार्च करने की कोशिश की और जब पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका तो उनकी पुलिस से झड़प हुई। कोलकाता के बेकबागन स्थित बांग्लादेश उप उच्चायोग कार्यालय के करीब पहुंचने की कोशिश में प्रदर्शनकारियों ने कई बैरिकेड तोड़ दिए, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। पुलिस के मुताबिक, 12 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया। झड़प में प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें आईं। कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश उप उच्चायोग के सामने स्थिति नियंत्रण में है। वहां अवैध रूप से इकट्ठा होने की कोशिश करने वालों को हटाया गया है। विदेशी राजनयिक कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और परिसर के घेराव के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए उप उच्चायोग कार्यालय के पास बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। हिंदू हुंकार पदयात्रा शीर्षक से विरोध मार्च का आयोजन बौंगियो हिंदू जागरण के बैनर तले किया गया। बांग्लादेश के खिलाफ नारे लगाते और भगवा झंडे थामे प्रदर्शनकारियों ने मार्च में हिस्सा लिया।

परिवार और कांग्रेस नेताओं को राहुल पर भरोसा नहीं : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने जर्मनी की राजधानी बर्लिन में दिए बयानों के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर मंगलवार को निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने विदेशी धरती पर भारत के खिलाफ बयानबाजी की और देश को बदनाम किया क्योंकि वह इस बात से परेशान हैं कि पार्टी के उनके साथी और यहां तक कि परिवार के सदस्यों को भी उनपर कोई विश्वास नहीं है।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पार्टी मुख्यालय में कहा कि गांधी जनता का विश्वास खो चुके हैं और यह जगजाहिर है कि उनके नेतृत्व में 95% चुनावों में पार्टी को हार मिली है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी लंबे समय से आरोप लगा रहे हैं कि भाजपा प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार प्रदान करने वाले संविधान को खत्म करने के प्रयास कर रही है और विपक्ष भाजपा को सत्ता से हटाकर रहेगा।

● जर्मनी के बर्लिन में दिए बयानों के लिए कांग्रेस नेता पर निशाना साधा

गांधी ने पिछले सप्ताह बर्लिन में हर्टी स्कूल में भाजपा पर देश के संस्थानों पर पूर्ण रूप से हमला करने और उनपर कब्जा करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता को बरकरार रखने के लिए संस्थानों पर कब्जा करने पर तुली हुई है जबकि विपक्ष इसके खिलाफ संघर्ष कर रहा है। सोमवार को जारी वीडियो में गांधी ने कहा कि भारत का सबसे बड़ा और जटिल लोकतंत्र वैश्विक संपत्ति है, और भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली पर हमला वैश्विक लोकतांत्रिक प्रणाली पर भी हमला है।

हाईकोर्ट का एसआईटी जांच में दखल से इन्कार

कोलकाता, एजेंसी

कलकत्ता हाईकोर्ट ने 13 दिसंबर को सॉल्ट लेक स्टेडियम में अर्जेंटीना के फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मेसी के कार्यक्रम के दौरान हुई गड़बड़ी की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) के काम में इस स्तर पर दखल देने से इन्कार कर दिया। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि मामले में जांच और पूछताछ शुरुआती चरण में है और उसके सामने ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया गया जिससे यह साबित हो सके कि जांच या पूछताछ में कोई गड़बड़ी है।

तीन जनहित याचिकाओं में याचिकाकर्ताओं ने घटना की जांच सीबीआई को सौंपने के साथ दर्शकों

मेसी के कार्यक्रम में गड़बड़ी

● कहा- जांच व पूछताछ शुरुआती चरण में, गड़बड़ी के सबूत नहीं

को टिकट के पैसे वापस करने का अनुरोध किया था। दर्शकों का एक वर्ग अपने पसंदीदा खिलाड़ी को न देख पाने से नाराज होकर उपद्रव करने लगा था। मैदान पर अव्यवस्थित हालात और कुछ लोगों द्वारा मेस्सी के आसपास धक्का-मुक्की किए जाने के कारण कार्यक्रम को समय से पहले समाप्त करना पड़ा, जिससे स्टैंड में बैठे दर्शक नाराज हो गए। इस मामले में अंतरिम राहत की याचिका को खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि इस स्तर पर वह दखल देने और जांच पर रोक लगाने की इच्छुक नहीं है।

खंडपीठ में न्यायमूर्ति पार्थ सारथी सेन भी शामिल हैं। खंडपीठ ने यह भी कहा कि हम इस चरण में जांच में दखल नहीं देना चाहते। तीन जनहित याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई खत्म होने के बाद पीठ ने कहा कि यह आम बात है कि सिर्फ कहने पर या सिर्फ इसलिए कि किसी पार्टी ने आरोप लगाए हैं, जांच को सीबीआई या किसी दूसरी एजेंसी को स्थानांतरित करने का निर्देश नहीं दिया जा सकता।

हरियाणा में धुएं से दम घुटने से पांच की मौत

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में होटल के कमरे में कोयले की अंगीठी से निकले धुएं से कमरे में सो रहे उत्तर प्रदेश के चार मजदूरों और एक ठेकेदार की दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि पांच लोगों को सुबह एक बंद कमरे में मृत पाया गया। कमरे में जल रही अंगीठी से निकले धुएं से दम घुटने से उनकी मौत हुई।

कुरुक्षेत्र के थाना प्रभारी दिनेश राणा के अनुसार, मारे गए लोग सहारनपुर से थे और जिला जेल के पास स्थित होटल में पेंटिंग के लिए कुरुक्षेत्र आए थे। मंगलवार सुबह देर तक कमरा बंद रहने पर होटल के कर्मचारियों ने उन्हें जगाने की कोशिश की, कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर मामले की सूचना होटल प्रबंधक और पुलिस को दी गई। कमरा खोलने पर सभी पांचों व्यक्ति बेहोश पाए गए और बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। राणा ने बताया कि बंद कमरे के अंदर कोयले की अंगीठी मिली है और प्रारंभिक आकलन से जहरीली गैस में सांस लेने से मौत की आशंका जताई जा रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में हवा जानलेवा, एक्यूआई 400 पार

● 40 निगरानी स्टेशन में से 27 पर एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज

● घने कोहरे के कारण दृश्यता में आई काफी कमी, वाहनों के पहिए थमे

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में मंगलवार की शुरुआत दम घोंटू हवा से हुई और पूरे शहर में घना कोहरा तथा धुंध छायी रही। शहर में 27 निगरानी स्टेशन पर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 (गंभीर श्रेणी) के पार रहा तथा कई अन्य स्थानों पर यह 'अत्यंत गंभीर' श्रेणी में पहुंच गया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, मंगलवार को एक्यूआई 415 रिकॉर्ड किया गया, जो एक दिन पहले की 'बहुत खराब' श्रेणी से भी नीचे चला गया। 40 निगरानी स्टेशन में से 27 ने 400 से अधिक एक्यूआई के साथ गंभीर श्रेणी की वायु गुणवत्ता दर्ज की। इस स्तर की वायु गुणवत्ता के स्वास्थ्य पर गंभीर असर होते हैं। सीपीसीबी के समीर एप के अनुसार, पांच स्टेशन पर एक्यूआई 450 से अधिक के साथ 'बहुत गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया। आनंद विहार में एक्यूआई 470, नेहरू नगर में 463, ओखला में 459, मुंडका में 459 और सिरीफोर्ट में 450 दर्ज किया गया। इस बीच घने कोहरे की वजह से दृश्यता में काफी कमी आई। जिससे वाहन सड़कों पर रेंगते नजर आए। पालम में सुबह आठ बजे घने कोहरे के कारण दृश्यता 50 मीटर दर्ज की गई, जबकि हवा पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से पांच किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी।

दिल्ली हवाईअड्डे पर 10 उड़ानें रद्द, 270 से अधिक में देरी

नई दिल्ली। घने कोहरे और कम दृश्यता से मंगलवार को दिल्ली हवाईअड्डे पर 10 उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि 270 से अधिक में देरी हुई। एक अधिकारी ने बताया कि दिन के दौरान छह आगमन और चार प्रस्थान उड़ानें रद्द की गई हैं। उड़ानों के परिचालन पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटरडार24.कॉम के अनुसार, 270 से अधिक उड़ानों में देरी दर्ज की गई और प्रस्थान उड़ानों का औसत विलंब समय 29 मिनट रहा। दिल्ली हवाईअड्डे के संचालक दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा लिमिटेड (डायल) ने एक्स पर कहा कि हवाईअड्डे पर दृश्यता में सुधार हो रहा है, हालांकि कुछ गंतव्यों के लिए उड़ानों के प्रस्थान में देरी हो सकती है। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा (आईजीआईए) प्रतिदिन लगभग 1,300 उड़ानों का संचालन करता है।

क्रिसमस

शिमला में मंगलवार को क्रिसमस उत्सव से पहले रिज पर लगाए गए क्रिसमस ट्री के पास टहल हुए पर्यटक।

24 वैज्ञानिकों को मिले 4 श्रेणी में राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार

- मरणोपरांत जयंत नार्लीकर को दिया गया विज्ञान रत्न

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को प्रख्यात खगोल भौतिक विज्ञानी जयंत नार्लीकर को ब्रह्मांड विज्ञान में उनके योगदान तथा विज्ञान को लोकप्रिय बनाने को लेकर मरणोपरांत विजयन रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया।

यह पुरस्कार पुणे स्थित अंतर-विश्वविद्यालय खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी केंद्र के निदेशक आर श्रीआनंद ने ग्रहण किया। नार्लीकर ने इस केंद्र की स्थापना की थी। मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार भी प्रदान किया।

सुरहुद श्रीकांत मोरे को युवा-शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार देतीं राष्ट्रपति मुर्मू।

दूसरे राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार में, प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को चार श्रेणियों - विज्ञान रत्न, विज्ञान श्री, विज्ञान युवा और विज्ञान टीम में 24 पुरस्कार प्रदान किए गए। राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार का उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रौद्योगिकी-आधारित नवाचार के विभिन्न क्षेत्रों में वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और नवोन्मेषकों द्वारा व्यक्तिगत रूप से या टीम में किए गए उल्लेखनीय एवं प्रेरणादायक योगदान को मान्यता देना है। प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए विज्ञान श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के भौतिकी समूह के निदेशक यूसुफ मोहम्मद शेख को विज्ञान श्री, कोशकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केंद्र के के. थंगराज ने जीव विज्ञान के क्षेत्र में यह पुरस्कार जीता। आईआईटी-मद्रास के प्रदीप थलप्पिल ने रसायन विज्ञान के क्षेत्र में विज्ञान श्री पुरस्कार प्राप्त किया है। रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान के कुलपति अनिरुद्ध भालचंद्र पंडित को अभियांत्रिकी विज्ञान के क्षेत्र में विज्ञान श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जन भागीदारी ही सुरक्षा की आधारशिला : मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि सामुदायिक भागीदारी राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करती है और लोगों को अपने आसपास होने वाली घटनाओं से बेपरवाह नहीं बने रहना चाहिए क्योंकि जन भागीदारी ही जन-केंद्रित सुरक्षा की आधारशिला है। खुफिया ब्यूरो (आईबी) के कार्यक्रम में मुर्मू ने कहा कि सोशल मीडिया ने सूचना और संचार की दुनिया को बदल दिया है तथा इसमें सृजन और विनाश दोनों की क्षमता है। मुर्मू ने कहा कि लोगों को गलत सूचनाओं से बचाना एक बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इस कार्य को निरंतर और अत्यंत प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय हित में तथ्यों पर आधारित जानकारी को लगातार प्रस्तुत करने वाले सक्रिय सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं का एक समुदाय बनाने की आवश्यकता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

रूस का यूक्रेन पर 650 ड्रोन और मिसाइलों से हमला, तीन की मौत

कीव। रूस ने सोमवार रात यूक्रेन पर 650 से अधिक ड्रोन और तीन दर्जन मिसाइलें दागीं। यह व्यापक हमला रात में शुरू हुआ और मंगलवार को दिन तक जारी रहा। इस हमले में चार वर्षीय बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि बमबारी ने यूक्रेन के 13 क्षेत्रों में घरों और बिजली ग्रिड को निशाना बनाया, जिससे भीषण सर्दी में व्यापक स्तर पर बिजली गुल हो गई।जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा कि बमबारी से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यूक्रेन पर आक्रमण जारी रखने का इरादा जाहिर हो गया है। यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों का दावा है कि पुतिन अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में गंभीरता से सहयोग नहीं कर रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा, यह हमला रूसी प्राथमिकताओं का बेहद स्पष्ट संकेत है।

गोवा अग्निकांड का सह-आरोपी के खिलाफ जालसाजी का केस

पणजी। गोवा पुलिस ने ओरपोरा के नाइटक्लब में आग लगने के मामले में आरोपी अजय गुप्ता के खिलाफ मंगलवार को कथित जालसाजी का मामला दर्ज किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बर्च बाई रोमियो लेन के सह-मालिक गुप्ता ने नाइटक्लब के संचालन के लिए व्यापार लाइसेंस हासिल करने के वास्ते स्वास्थ्य विभाग के फर्जी प्रमाण पत्र का कथित तौर पर इस्तेमाल किया था, जिसके चलते उत्तरी गोवा जिले के मापुसा पुलिस थाने में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। गुप्ता फिलहाल अंजुना पुलिस की हिरासत में है।

नशीले पदार्थों के वांछित तस्कर को यूएई से भारत लाया गया

नई दिल्ली। इंटरपोल के रेड नोटिस का सामना कर रहे नशीले पदार्थों के एक तस्कर को मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत लाया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के सहयोग से समन्वित तरीके से चलाया गया। मादक पदार्थों की तस्करी और आपूर्ति के आरोप में दिल्ली पुलिस को वांछित ऋतिक बजाज देश से फरार हो गया था जिसके बाद सीबीआई के अनुरोध पर इंटरपोल ने नौ अक्टूबर को रेड नोटिस जारी किया था। रेड नोटिस ने वैश्विक कानून प्रवर्तन प्राधिकारियों को सतर्क कर दिया और राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो (एनसीबी) बैंकॉक ने सीबीआई को सूचित किया कि बजाज यूएई की ओर जा रहा है।

भारत ने श्रीलंका के लिए 45 करोड़ डॉलर की मदद का किया एलान

विदेश मंत्री जयशंकर ने प्रधानमंत्री मोदी का पत्र राष्ट्रपति दिसानायके को सौंपा

- चक्रवात से उबरने में श्रीलंका की मदद के लिए पैकेज का दिया प्रस्ताव

कोलंबो, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत को चक्रवात दित्वा के दौरान श्रीलंका के साथ खड़ा रहने पर गर्व है और उसने द्वीप देश को 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के सहायता पैकेज के प्रस्ताव एलान किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में श्रीलंका आए जयशंकर ने ये टिप्पणियां श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेरात की मौजूदगी में कीं। उन्होंने मोदी का एक पत्र राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को भी सौंपा। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, चक्रवात दित्वा के दौरान श्रीलंका के साथ खड़े रहने पर भारत को गर्व है। श्रीलंका की दो दिवसीय यात्रा पर आए जयशंकर ने कहा, श्रीलंका 2022 के आर्थिक संकट से उबर ही रहा था कि तभी इस प्राकृतिक आपदा ने नयी कठिनाइयां पैदा कर दी हैं।

जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने निर्देश दिया कि हम श्रीलंका सरकार की प्राथमिकताओं को लेकर उनसे बातचीत करें। उस संदर्भ में हमने जिस सहायता पैकेज का प्रस्ताव दिया है उसकी राशि 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर है। उन्होंने कहा, पैकेज में 35 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रियायती ऋण और 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की अनुदान सहायता शामिल होगी। उन्होंने कहा, श्रीलंका सरकार के साथ परामर्श करके इस पैकेज को अंतिम रूप दिया जा रहा है। जयशंकर ने कहा कि नुकसान के पैमाने को देखते हुए भारत का श्रीलंका की मदद के लिए आगे आना स्वाभाविक है। 'दित्वा' के श्रीलंका पहुंचने के पहले ही दिन भारत का 'ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू हो गया था।

श्रीलंका समकक्ष से हाथ मिलाते विदेश मंत्री जयशंकर।

इन प्रभावित क्षेत्रों को करेगी कवर

- **पहला क्षेत्र :** सड़क, रेल और पुल संपर्क की पुन: बहाली
- **दूसरा क्षेत्र :** जो घर पूरी तरह नष्ट हो गए हैं और जिन्हें आंशिक नुकसान हुआ है, उनके निर्माण में मदद करना।
- **तीसरा क्षेत्र :** स्वास्थ्य और शिक्षा प्रणालियों के लिए सहयोग, खासकर वे जो चक्रवात से क्षतिग्रस्त हुई हैं।
- **चौथा क्षेत्र :** कृषि क्षेत्र, जिसमें अल्पावधि और मध्यम अवधि में संभावित कमी से निपटने के उपाय।
- **पांचवां क्षेत्र :** बेहतर आपदा प्रतिक्रिया और तैयारियों की दिशा में काम करना।

भारत की ओर से मदद के लिए हेलीकॉप्टर किए गए थे तैनात

उन्होंने कहा, हमारे विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत और आईएनएस उदयगिरि कोलंबो में मौजूद थे और उन्होंने राहत सामग्री पहुंचाई, जिसके बाद हेलीकॉप्टर तैनात किए गए। उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना के कई 'एमआई-17' हेलीकॉप्टर ने श्रीलंका में दो सप्ताह से अधिक समय तक मदद पहुंचाई जबकि 80 सदस्यीय राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीम ने बचाव और राहत कार्य किया। उन्होंने बताया कि 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत कुल मिलाकर 1,100 टन से अधिक राहत सामग्री पहुंचाई गई, जिसमें सूखा राशन, तंबू, तिरपाल, स्वच्छता किट, आवश्यक वस्त्र और जल शोधन किट शामिल थीं।

श्रीलंका में भारतीय पर्यटन को किया जाएगा प्रोत्साहित : जयशंकर

विदेश मंत्री ने कहा, सेना के इंजीनियरों ने किलिनोच्ची में सी-17 विमानों से लाए गए बेली पुल का निर्माण किया। चिल्लाल में एक और बेली पुल का निर्माण फिलहाल जारी है। जयशंकर ने श्रीलंका की सहायता के अन्य तरीकों का जिक्र करते हुए कहा कि श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पर्यटन पर काफी निर्भर है, इसलिए भारत श्रीलंका में भारतीय पर्यटन को प्रोत्साहित करेगा। विदेश मंत्री ने कहा, इसी तरह, भारत से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि इस महत्वपूर्ण समय में आपकी अर्थव्यवस्था को बल दे सकती है। हमने अतीत में श्रीलंका का मजबूत संकल्प देखा है। भारत पहले से कहीं अधिक दृढ़ता से श्रीलंका के साथ खड़ा है।

अमेरिकी सांसदों ने कहा- अल्पसंख्यकों की रक्षा व कानून बहाल करे बांग्लादेश

- हिंदू युवक की हत्या की निंदा करते हुए जवाबदेही तय करने का किया आह्वान

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी सांसदों ने बांग्लादेश में एक हिंदू व्यक्ति की भीड़ द्वारा पीट-पीट कर की गई हत्या की निंदा की और अधिकारियों से धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने और कानून के शासन को बहाल करने का आह्वान किया है।

कांग्रेस सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने बढ़ती अस्थिरता और अशांति के बीच दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा की गई हत्या की कड़ी निंदा की। इलिनॉय से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद कृष्णमूर्ति ने बांग्लादेशी अधिकारियों से जवाबदेही सुनिश्चित करने, धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने और कानून का शासन बहाल करने का आह्वान किया। कृष्णमूर्ति ने रविवार को एक बयान में कहा, बांग्लादेश में एक हिंदू व्यक्ति दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा की गई हत्या से मैं स्तब्ध हूं- यह हिंसा का एक ऐसा कृत्य है जो खतरनाक अस्थिरता और अशांति के दौर में हुआ है।

उन्होंने कहा, अधिकारियों ने गिरफ्तारियों की सूचना दी है, लेकिन बांग्लादेश सरकार को पूरी तरह से पारदर्शी जांच करनी चाहिए और सभी दोषियों को कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिए। उसे हिंदू समुदायों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों को हिंसा से बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई भी करनी चाहिए। सभी बांग्लादेशियों के हित में, इस अशांति का अंत होना चाहिए और कानून का शासन कायम होना चाहिए।

न्यूयॉर्क विधानसभा की सदस्य जेनिफर राजकुमार ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ जारी हिंसा से वह बेहद परेशान हैं, जिसका सबसे हालिया उदाहरण दास की निर्मम हत्या है। उन्होंने कहा, भीड़ ने उन्हें पीटा, आग लगा दी और उनके शव को राजमार्ग पर छोड़ दिया। इस जघन्य अपराध के सिलसिले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। राजकुमार ने कहा कि यह घटना बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ धार्मिक उत्पीड़न और लक्षित हिंसा की 'चिंताजनक' प्रवृत्ति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि 'बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद' के अनुसार अगस्त 2024 से जुलाई 2025 तक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की 2,442 घटनाएं हुईं और 150 से अधिक मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं।

बांग्लादेश में हिंसा पर गुतारेस ने जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने बांग्लादेश में हिंदू व्यक्ति की हत्या और हिंसा की अन्य घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि हां, बांग्लादेश में हमने जो हिंसा देखी है उससे हम बहुत चिंतित हैं। डेली स्टार ने पुलिस और रैपिड एक्शन बटालियन के सूत्रों के हवाले से बताया कि इन गिरफ्तारियों के साथ अब तक हत्या में कथित संलिप्तता के आरोप में 12 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क ने कहा है कि वह विरोध प्रदर्शनों के नेता शरीफ उस्मान बिन हादी की हत्या से बेहद चिंतित हैं।

बांग्लादेश ने भारतीय उच्चायुक्त को किया तलब

ढाका। भारत में बांग्लादेशी दूतावासों की सुरक्षा को लेकर चिंताओं को लेकर बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को मंगलवार को विदेश मंत्रालय में तलब किया गया। बांग्लादेश के विदेश सचिव असद आलम सियाम ने भारत के उच्चायुक्त को तलब किया और उस समय उप उच्चायुक्त मौजूद थे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वर्मा को नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग और आवास के बाहर हुई घटनाओं और सिलीगुड़ी में वीजा केंद्र में चरमपंथियों द्वारा की तोड़फोड़ पर ढाका की गंभीर चिंता से अवगत कराया गया। बांग्लादेश ने भारत में बांग्लादेश के विभिन्न दूतावासों के परिसरों के बाहर आयोजित हिंसक प्रदर्शनों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। बांग्लादेश राजनयिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ की गई हिंसा या धमकी के कृत्यों की निंदा करता है, जो न केवल दूतावास के कर्मियों की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं, बल्कि आपसी सम्मान के सिद्धांतों और शांति एवं सहिष्णुता के मूल्यों को भी कमजोर करते हैं।

गैर निर्धारित स्थानों पर कुत्तों को खाना देने से रोकना गलत नहीं

मुंबई, एजेंसी

- बंबई हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान की टिप्पणी

बंबई हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी व्यक्ति को गैर-निर्धारित स्थानों पर आवारा कुत्तों को भोजन कराने से रोकने को गलत तरीके से रोकना या बाधा डालना नहीं कहा जा सकता।

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति संदेश पाटिल की पीठ ने महिला और उसके दोस्तों को आवासीय सोसाइटी के गेट पर कुत्तों को भोजन कराने से रोकने के आरोप में पुणे के 42 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामला रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति को गैर-निर्धारित स्थानों पर आवारा कुत्तों को गलत तरीके से खाना खिलाने से रोकने को भारतीय न्याय संहिता के तहत रोकने के के अर्थ में नहीं कहा जा सकता। फैसला 18 दिसंबर को सुनाया गया, जिसकी एक प्रति मंगलवार को उपलब्ध करायी गई। फैसले में कहा गया है कि अगर किसी को फुटपाथ, हाउसिंग सोसाइटी के प्रवेश-निकास स्थल या स्कूल बस स्टॉप पर कुत्तों को खाना खिलाने से रोका जाता है, तो इसे स्वेच्छा से बाधा डालना या गलत तरीके से रोकना नहीं कहा जा सकता।

अगस्तावेस्टलैंड में मिशेल की जमानत शर्तों में हुआ संशोधन

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने मंगलवार को अगस्तावेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में कथित बिचौलिए क्रिश्चियन जेम्स मिशेल की जमानत की शर्तों में संशोधन किया।

विशेष सीबीआई न्यायाधीश संजय जिंदल ने जमानत बॉण्ड व पासपोर्ट जमा करने की शर्तों से संबंधित संशोधनों का आग्रह करने वाली मिशेल की याचिका पर आदेश दिया। न्यायाधीश ने कहा कि आरोपी की गिरफ्तारी के सात साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद, कार्यवाही प्रारंभिक चरण में है।

आम चुनाव को अनुकूल माहौल बनाएंगे कार्की, ओली और देउबा

काठमांडू, एजेंसी

- सितंबर के आंदोलन से ओली सरकार सत्ता से हटी और कार्यवाहक सरकार का हुआ था गठन

नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की, पूर्व प्रधानमंत्रियों और तीन प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' ने पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव के लिए अनुकूल माहौल बनाने का मंगलवार को संकल्प लिया। 8-9 सितंबर के आंदोलन के बाद ओली के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार सत्ता से हट गई थी और कार्यवाहक सरकार का गठन हुआ था।

सरकार गठन के बाद शीर्ष राजनीतिक नेताओं और प्रधानमंत्री कार्की के बीच यह पहली बैठक थी। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल की पहल पर आयोजित संयुक्त बैठक में हिमालयी देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति और आगामी आम चुनाव पर चर्चा हुई। बैठक में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री कार्की, पूर्व प्रधानमंत्री एवं नेपाली कांग्रेस अध्यक्ष देउबा, नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री ओली तथा पूर्व प्रधानमंत्री एवं नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के समन्वयक 'प्रचंड' उपस्थित थे। राष्ट्रपति के प्रेस सलाहकार किरण पोखरेल के अनुसार, शीर्ष नेताओं ने आम चुनाव के लिए अनुकूल माहौल बनाने पर सहमति जताई।

शहबाज ने की पीटीआई से बातचीत की पेशकश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश में जारी राजनीतिक तनाव कम करने के लिए इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को मंगलवार को बातचीत की पेशकश की। यह पेशकश पीटीआई संस्थापक इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को भ्रष्टाचार के एक मामले में 17-17 साल की जेल की सजा सुनाए जाने के कुछ दिनों बाद आई है। शहबाज ने इस्लामाबाद में संघीय कैबिनेट की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इन दिनों पीटीआई और उसके सहयोगी बातचीत की संभावनाओं के बारे में चर्चा कर रहे हैं। मैंने नेशनल असेंबली में बार-बार कहा है कि पीटीआई बातचीत को लेकर संजीदा है, तो सरकार भी समान रूप से तैयार है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 24 दिसंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 13 .11 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

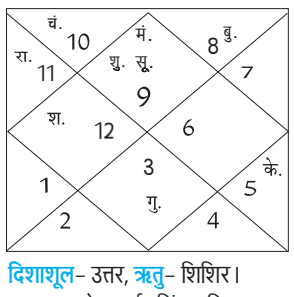

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- श्रवण 07 .07 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

मेष आज आपको नौकरी के अच्छे प्रस्ताव मिल सकते हैं। उच्चाधिकारी आपका अत्यधिक सहयोग करेंगे। कोई गंभीर समस्या दूर होने की संभावना बन रही है। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन बेहतरीन रहेगा। परिवार में उत्सव का वातावरण रहने वाला है।

वृष आज धन के लेन-देन को लेकर थोड़ी परेशानी हो सकती है। पुरानी नकारात्मक बातों के कारण थोड़े निराश होंगे। गूढ़ विषयों के अध्ययन में आपकी रुचि जागृत होगी। अनजान व्यक्तियों के साथ संपर्क बनाकर रखें।

मिथुन आज विवाहेतर संबंधों से बचने का प्रयास करें। भावुकता के कारण लिए गए निर्णय आपको नुकसान पहुंचाएंगे। बच्चों के साथ आपको संबंध अच्छे रखने चाहिए। स्वभाव में चिड़चिड़ेपन के कारण थोड़ी परेशानी होगी।

कर्क आज व्यवसाय में उतार-चढ़ाव के बावजूद आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। रुके हुए कार्य पूर्ण होने के योग बन रहे हैं। आपका मन अत्यंत संतुष्ट रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति आपकी आस्था में वृद्धि होगी। वैवाहिक जीवन बहुत ही अच्छा रहने वाला है।

सिंह आज मन में संतुष्टि का भाव रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार आने की संभावना है। आपसे कोई भूल हो सकती है। व्यापार को लेकर थोड़ी परेशानी होगी। सभी कार्य पूरे मनोयोग से करेंगे। पुण्य कार्यों पर आपको धन खर्च करना चाहिए।

कन्या आज नया रोजगार आरंभ करने के योग बन रहे हैं। बच्चों के करियर को लेकर थोड़े चिंतित हो सकते हैं। प्रेमी जन के साथ झगड़ा हो सकता है। पारिवारिक मामलों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

तुला आज अपने संपर्कों को मजबूत कर लें। कोई बड़ा व्यापारिक ऑर्डर मिलने के योग बन रहे हैं। बदलते मौसम का प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। रियल एस्टेट में निवेश शुभ सिद्ध होगा। परिवार में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं।

वृश्चिक आज आपके लिए बहुत ही अच्छा दिन रहने वाला है। बेरोजगार लोगों को नई जॉब मिलने के योग बन रहे हैं। अनुभवी व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त होगा। विद्यार्थियों को शिक्षा में उत्तम सफलता मिल सकती है। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

धनु आज आपको अभद्र भाषा का प्रयोग करने से बचना चाहिए। आलस्य के कारण आप काम से बचने का प्रयास करेंगे। परिवार में कुछ गलतफहमियां उत्पन्न हो सकती हैं। नई भूमि-संपत्ति खरीदने का विचार बना रहे हैं, तो थोड़ी सावधानी बरतें।

मकर आज आप कुछ नया सीखने का प्रयास कर सकते हैं। आपकी भौतिक इच्छाओं की पूर्ति होगी। परिवार में हर्ष का वातावरण रहेगा। सरकारी प्रोजेक्ट्स से जुड़े कार्यों में उत्तम सफलता प्राप्त होगी। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ आज आपके सम्मान में कमी आने के योग बन रहे हैं। अपना समय व्यर्थ में बर्बाद न करें। पारिवारिक समस्याओं को बाहरी लोगों से साझा न करें। सही समय पर काम पूरा न कर पाने के कारण आपको कठिनाई हो सकती है।

मीन आज रचनात्मक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। कानूनी मामलों में आपको सफलता मिल सकती है। ऑनलाइन व्यापार में अच्छे परिणाम मिलेंगे। अपनी प्रतिभाओं और क्षमताओं को पहचानें। घर की समस्या दूर होगी। धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं।

सुडोकू - 11

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

2					3		4	
		6		9				8
7			5					
			4		7		3	9
		4				6		
	5				1			
	3	9						5
				4		2		
			8					1

सुडोकू - 10 का हल

1	2	7	3	9	8	6	5	4
3	8	5	4	6	1	2	7	9
6	9	4	5	7	2	1	3	8
7	6	9	8	1	5	4	2	3
8	5	3	9	2	4	7	1	6
4	1	2	7	3	6	8	9	5
5	7	1	6	4	3	9	8	2
2	3	6	1	8	9	5	4	7
9	4	8	2	5	7	3	6	1

> ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद इंग्लैंड का कोच बने रहने के बारे में मुझे नहीं पता। यह वास्तव में मेरे हाथ में नहीं है। मैं बस अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाने की कोशिश करता रहूंगा। यह सवाल किसी और के लिए है, मेरे लिए नहीं।
>
> –ब्रेंडन मैकुलम, इंग्लैंड के मुख्य कोच

हाईलाइट

नेरेस के दो गोल से नेपोली ने इटालियन सुपर कप जीता

इटैलियन सुपर कप फाइनल सॉकर मैच के दौरान बॉल को किक लगाते नेपोली के खिलाड़ी। एजेंसी

रियाद। डेविड नेरेस ने दोनों हॉफ में एक-एक गोल किया, जिससे मौजूदा सीरी ए चैंपियन नेपोली ने सऊदी अरब में खेले गए फाइनल में बोलोग्ना को 2-0 से हराकर तीसरी बार इटालियन सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट जीता। नेरेस का 39वें मिनट में पहला गोल किया। उनका 25 मीटर की दूरी से बाएं पैर से लगाया गया शॉट दूर के कोने में जाकर लगा। उन्होंने बोलोग्ना के गोलकीपर फेडेरिको रावग्लिया को इसे बचाने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने मैच का एक घंटा पूरा होने के बाद अपना दूसरा गोल किया। नेरेस ने रावाग्लिया के एक ढीले पास का फायदा उठाया और जॉन लुकुमी से गेंद छीनकर गोलकीपर के ऊपर से उसे गोल में डाल दिया।

प्रियंदना ने एक ओवर में पांच विकेट लेकर बनाया रिकॉर्ड

बाली (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गेडे प्रियंदना ने मंगलवार को टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच के एक ओवर में पांच विकेट लेकर रिकॉर्ड बनाया। यह कारनामा उन्होंने कंबोडिया के खिलाफ अपनी टीम की 60 रन की जीत के दौरान किया। आठ मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में सातवें गेंदबाज के रूप में गेंदबाजी करते हुए प्रियंदना ने सिर्फ एक ओवर में एक रन पर पांच विकेट झटक कर शानदार प्रदर्शन किया। इंडोनेशिया ने पांच विकेट पर 167 रन बनाए। जवाब में कंबोडिया की टीम 16 ओवर में 107 रन पर आउट हो गई। कंबोडिया ने 15वें ओवर तक पांच विकेट गंवाये थे पर प्रियंदना ने 16वें ओवर में शाह हुसैन (37), निर्मलजीत सिंह (0), चान्थोउन रथनाक (0), मोंगदारा सोक (0) और पेल वन्नक (0) को आउट कर उपलब्धि हासिल की।

कोहली, रोहित और गिल ने बढ़ाई टूर्नामेंट की चमक

विजय हजारे ट्रॉफी

- आज से शुरू हो रही है एकदिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता

15 वर्षों बाद इस टूर्नामेंट में खेलेंगे विराट कोहली

24 और 26 दिसंबर को रोहित शर्मा मुंबई की तरफ से खेलेंगे

बेंगलुरु, एजेंसी

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा सहित कई शीर्ष भारतीय क्रिकेटरों की उपस्थिति से बुधवार से शुरू होने वाले विजय हजारे एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट की चमक बढ़ गई है जिसमें इन दिग्गज खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने और अपनी क्षमता साबित करने का मौका मिलेगा। विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने वाले स्टार खिलाड़ियों की कतार में ऋषभ पंत, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा जैसे नाम भी शामिल हैं, लेकिन कोहली और रोहित जितनी सुर्खियां किसी और को नहीं मिलतीं।

कोहली और रोहित को इसलिए घरेलू टूर्नामेंट में खेलना पड़ रहा है क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी भारतीय क्रिकेटरों के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के कम से कम दो मैच में खेलना अनिवार्य कर दिया गया है। कोहली 15 साल बाद इस टूर्नामेंट में खेलेंगे। उनका और रोहित का इस टूर्नामेंट में खेलने का सीधा मतलब है कि यह दोनों खिलाड़ी भारतीय क्रिकेट में विकसित हो रहे शक्ति समीकरणों से अछूते नहीं हैं। यह दोनों खिलाड़ी अभी क्रिकेट जगत के स्टार हैं लेकिन क्रिकेट परिदृश्य में तेजी से बदलाव हो रहा है जिसका असर इन दोनों पर पड़ना लाजमी है।

रोहित ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह मुंबई की तरफ से सिक्किम और उत्तराखंड के खिलाफ जयपुर में 24 और 26 दिसंबर को होने वाले पहले दो मैच खेलेंगे। कोहली ने मुंबई में भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ के साथ अभ्यास किया। उन्होंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह दिल्ली के लिए कौन से दो या तीन मैच खेलेंगे। दिल्ली एलीट ग्रुप डी में बेंगलुरु में आंध्र के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। यह मैच बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में खेला जाएगा क्योंकि कर्नाटक सरकार ने सुरक्षा कारणों से एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैचों के आयोजन को अनुमति नहीं दी। दिल्ली का अगला मुकाबला गुजरात से होगा। कोहली के मंगलवार रात बेंगलुरु पहुंचने के बाद से ही यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि यह स्टार बल्लेबाज इन दोनों मैच में खेलेगा। विजय हजारे ट्रॉफी में निराशाजनक प्रदर्शन का अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे मैचों के लिए उनके चयन पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन कोहली और रोहित इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि उनका दायरा सिकुड़ता जा रहा है। वे जानते हैं कि युवा खिलाड़ी उन्हें कड़ी टक्कर दे रहे हैं। भारत की टी20 विश्व कप टीम से गिल को बाहर करना और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के दम पर ईशान किशन को टीम में शामिल करना, इस बात का गंभीर संकेत है कि अगर कोहली और रोहित सहजता से रन नहीं बना पाते हैं तो उनके साथ क्या हो सकता है। रोहित और कोहली के अलावा कई अन्य सीनियर खिलाड़ी भी इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

शेफाली वर्मा।

महिला टीम ने श्रीलंका को सात विकेट से हराया

टी-20 सीरीज में मेजबान 2-0 से आगे, शेफाली ने खेली तूफानी पारी

विशाखापत्तनम, एजेंसी

वैष्णवी शर्मा और श्रीचारणी (दो-दो विकेट) के साथ क्षेत्ररक्षकों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद शेफाली वर्मा (नाबाद 69) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय महिला टीम ने मंगलवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में श्रीलंका को 49 गेंदें शेष रहते सात विकेट से हरा दिया। इसी के साथ भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है।

29 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की सलामी जोड़ी ने तेज शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 31 रन जोड़े। कविशा दिलहारी ने स्मृति मंधाना 11 गेंदों में (14) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी जेमिमाह रॉड्रिग्स ने भी आतिशी बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए तेजी के साथ रन बटोरे। आठवें ओवर में 87 के स्कोर पर काव्या कविंदी ने जेमिमाह रॉड्रिग्स को अपना शिकार बना लिया। जेमिमाह रॉड्रिग्स ने 15 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 26 रनों की पारी खेली। कप्तान हरमनप्रीत कौर (10) को मल्की मदारा बोल्ड कर जीत के एक रन से पहले पवेलियन भेज दिया। भारतीय टीम ने 11.5 आवरों में तीन विकट पर 129 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। शेफाली वर्मा ने 34 गेंदों में 11 चौके और एक छक्का उड़ाते हुए नाबाद 69 रनों की पारी खेली। श्रीलंका की ओर से मल्की मदारा, काव्या कविंदी और कविशा दिलहारी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में विष्मी गुणारत्ने (एक) का विकेट विकेट गंवा दिया। विष्मी को क्रांति गौड ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हसिनी परेरा ने कप्तान चामरी अटापट्टू के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। छठें ओवर में स्नेह राणा ने चामरी अटापट्टू को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। चामारी अटापट्टू ने 24 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 33 रनों की पारी खेली।इसके बाद श्रीचारणी ने हसिनी परेरा (22) को अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर पवेलियन भेज दिया। हर्षिता समाराविक्रमा ने 32 गेंदों में चार चौकों की मदद से (33) रनआउट हुई।

श्रीलंका की कप्तान अटापट्टू का विकेट लेने के बाद टीम के साथ जश्न मनातीं स्नेह राणा। एजेंसी

दीप्ति पहली बार शीर्ष टी-20 गेंदबाज बनीं

आईसीसी रैंकिंग

दुबई, एजेंसी

स्टार भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा मंगलवार को अपने करियर में पहली बार आईसीसी महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गईं।

विशाखापत्तनम में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज के पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले में 28 साल की ऑफ स्पिनर दीप्ति ने 20 रन देकर एक विकेट चटकाया और इस प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच गईं। दीप्ति ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज से एक रेटिंग अंक आगे 737 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं।

तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी पांच स्थान के फायदे से 36वें स्थान पर हैं जबकि स्पिनर श्री चरणी 19 स्थान की लंबी छलांग के साथ 69वें स्थान पर पहुंच गईं। विशाखापत्तनम में 44 गेंद में नाबाद 69 रन बनाकर मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गईं जेमिमा रोड्रिग्स पांच स्थान के फायदे से नौवें स्थान पर हैं। भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना शीर्ष रैंकिंग वाली भारतीय बल्लेबाज बनी हुई हैं। वह तीसरे स्थान पर हैं। शेफाली वर्मा एक स्थान नीचे खिसककर 10वें स्थान पर हैं।

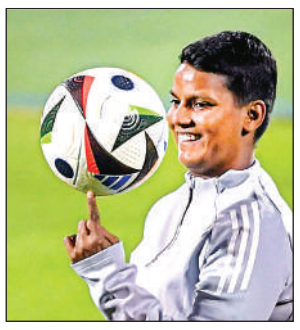

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट महिला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में स्मृति की जगह नंबर एक बल्लेबाज बन गईं। आयरलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दूसरे और तीसरे मैच में 124 और नाबाद 100 रन बनाकर लगातार दो शतक जड़ने वाली वोलवार्ट ने स्मृति पर नौ अंक की बढ़त बना ली। वोलवार्ट ने करियर के सर्वश्रेष्ठ 820 रेटिंग अंक हासिल किए हैं।

आयरलैंड की कप्तान गैबी लुईस 45 और 64 रन की पारियों के बाद चार स्थान ऊपर 18वें स्थान पर पहुंच गई हैं। उनकी टीम की साथी ऐमी हंटर 31वें से 28वें स्थान पर पहुंच गईं जबकि दक्षिण अफ्रीका की सुने लुस सात स्थान ऊपर 34वें स्थान पर पहुंच गईं।

2025

भारतीय कुश्ती पर एक नजर

सीनियर पहलवानों को मिली सीमित सफलता

लेकिन जूनियरों ने बिखेरी चमक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कुश्ती के लिए वर्ष 2025 उतार-चढ़ाव से भरा रहा जिसमें सीनियर स्तर पर अपेक्षित परिणाम नहीं मिले, लेकिन जूनियर स्तर पर किए गए अच्छे प्रदर्शन ने उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद जगाई। सीनियर खिलाड़ियों में अंतिम पंघाल ही अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रख पाई। हरियाणा की इस पहलवान ने विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं के 53 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर इस प्रमुख प्रतियोगिता की पदक तालिका में भारत की उपस्थिति सुनिश्चित की। कांस्य पदक के मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करने वाली अंतिम ने मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ दबाव में भी बेहतरीन प्रदर्शन करने की अपनी क्षमता दिखाई। उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप में भी तीसरा स्थान हासिल किया, जिससे महाद्वीपीय स्तर पर उनकी साख और बढ़ी। उन्होंने सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर वर्ष का शानदार समापन किया। जिस तरह से उन्होंने पूरे साल अच्छा प्रदर्शन किया, उसे देखते हुए अंतिम को इस खेल में देश की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

सीनियर विश्व चैंपियनशिप में भारत का समग्र प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा, जिसमें उसे केवल एक पदक से संतोष करना पड़ा। यह पदक अंतिम ने कांस्य पदक के रूप में जीता था। भारत के कई पहलवान शुरुआती दौर में हारने के बाद बाहर हो गए। महाद्वीपीय स्तर पर एक प्रमुख उपलब्धि मनीषा भानवाला (62 किलोग्राम) का एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना रही।

इस साल सभी की निगाह इस पर टिकी थी कि अमन सेहरावत (57 किलोग्राम) के लिए यह सत्र कैसा रहेगा। पिछले साल ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बनकर पूरे देश के चहेते बने इस 22 वर्षीय खिलाड़ी के लिए वर्ष 2025 मुश्किलों भरा रहा। विश्व चैंपियनशिप में अधिक वजन के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। इस कारण उन पर प्रतिबंध भी लगा।

अमन ने बिना शर्त माफी मांगी

अमन पर लगा प्रतिबंध इस साल के सबसे चौंकाने वाले घटनाक्रमों में से एक था। बाद में अमन ने बिना शर्त माफी मांगी। इसके बाद भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने उनका निलंबन वापस ले लिया और वह घरेलू प्रतियोगिताओं में लौट आए।

सकारात्मक पक्ष की बात करें तो सुजीत कलकल ने अपने शानदार रक्षात्मक कौशल से प्रभावित किया और पुरुषों के फ्रीस्टाइल 65 किलोग्राम वर्ग में अपना स्थान पक्का कर लिया है।

अंतिम पंघाल।

विनेश फोगाट संन्यास से वापसी कर आईं चर्चा में

इस वर्ष चर्चा का एक और प्रमुख विषय विनेश फोगाट का ओलंपिक पदक जीतने की अपनी कवायद में संन्यास से वापसी करने का निर्णय था। पेरिस ओलंपिक खेलों में 50 किलोग्राम वर्ग के फाइनल से पहले 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा था। हरियाणा की इस जुझारू पहलवान ने इस निराशा से खुद को बाहर निकाला। उन्होंने अब पहले से भी अधिक मजबूत होकर वापसी करने का वादा किया है। डब्ल्यूएफआई ने अपनी नई चयन नीति तैयार की जिसमें राष्ट्रीय शिविरों को अधिक महत्व दिया गया और यह स्पष्ट किया गया कि ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले खिलाड़ियों को चयन के लिए होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेना होगा। लंबे समय के अंतराल के बाद फ्रेंचाइजी आधारित प्रो कुश्ती लीग अगले महीने फिर से शुरू होने जा रही है जो युवा पहलवानों के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

नेमार के घुटने की सर्जरी हुई, विश्व कप में खेलने की उम्मीद

साओ पाउलो : स्टार स्ट्राइकर नेमार के बाएं घुटने की सर्जरी हुई है लेकिन उन्हें अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में खेलने और ब्राजील की तरफ से फाइनल में गोल करने की उम्मीद है।

नेमार के क्लब सैंटोस ने बताया कि इस 33 वर्षीय खिलाड़ी के बाएं घुटने की मामूली सर्जरी हुई है। इस चोट के कारण वह इस साल लंबे समय तक बाहर रहे। उनकी आर्थ्रोस्कोपी सर्जरी रोड्रिगो लास्मार ने की, जो ब्राजील टीम से भी जुड़े हुए हैं।

मोहम्मद सलाह।

सलाह के गोल से मिस्त्र ने जिम्बाब्वे को हराया

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस

रबात (मोरक्को), एजेंसी

स्टार स्ट्राइकर मोहम्मद सलाह के गोल की मदद से मिस्र ने जिम्बाब्वे को 2-1 से हराकर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फुटबॉल टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की।

विश्व रैंकिंग में 129वें स्थान की टीम जिम्बाब्वे ने मिस्र के सामने कड़ी चुनौती पेश की और एक समय वह मैच ड्रॉ कराने के करीब पहुंच गया था।

ऐसे में सलाह में इंजरी टाइम में गोल करके मिस्र को जीत दिलाई।

एक अन्य मैच में दक्षिण अफ्रीका ने अंगोला को 2-1 से हराया। यह दक्षिण अफ्रीका की अंगोला के खिलाफ पिछले छह मैचों में पहली जीत है।

कैसाब्लांका में खेले गए एक अन्य मैच में पैटसन डाका ने स्टॉपेज टाइम में गोल किया जिससे जाम्बिया ने माली के खिलाफ मैच 1-1 से ड्रॉ कराया। मेजबान देश मोरक्को ने रविवार को कोमोरोस पर 2-0 से जीत हासिल की थी।

प्रोत्साहन | बेल्जियम के डिफेंडर का मानना है कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में प्रदर्शन में दिखाई निरंतरता

भारत हॉकी विश्व कप का प्रबल दावेदार : डोरेन

आर्थर वैन डोरेन। फाइल फोटो

नई दिल्ली, एजेंसी

बेल्जियम के डिफेंडर आर्थर वैन डोरेन का मानना है कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपने प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई है जिससे वह अगले साल होने वाले पुरुष हॉकी विश्व कप में खिताब का प्रबल दावेदार बन गया है। भारत ने पिछले दो ओलंपिक खेलों में कांस्य जीता था और वैन डोरेन का मानना है कि भारतीय टीम को किसी भी दृष्टिकोण से कम करके नहीं आंका जा सकता है।

वैन डोरेन ने पीटीआई वीडियो से कहा भारत को बड़े दावेदारों के रूप में न मानना असंभव है। भारतीय टीम ने लंबे समय से अच्छे परिणाम हासिल किए हैं। वह पिछले दो ओलंपिक खेलों की पदक विजेता है। इसलिए विश्व कप की बात करते समय भारत को नजरअंदाज करना अब उचित नहीं होगा।

14 से 30 अगस्त तक विश्व कप नीदरलैंड्स और बेल्जियम में खेला जाएगा

लगभग 300 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल चुके बेल्जियम के इस दिग्गज खिलाड़ी ने भारतीय टीम के शानदार संतुलन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा उनके पास लगभग हर विभाग में अच्छे खिलाड़ी हैं। उनके पास एक अच्छा कोच है, अनुभवी खिलाड़ी हैं और उसके युवा खिलाड़ी भी प्रतिभावान हैं।

भारतीय टीम आज जिस मजबूत स्थिति में हैं वह महज संयोग नहीं है। इसके लिए उन्होंने लंबे समय से काम किया जिसके परिणाम अब मिल रहे हैं। वैन डोरेन ने इसके साथ ही कहा कि विश्व कप में किसी भी टीम को काम करके नहीं आंका जा सकता है और खिताब की दौड़ बेहद कड़ी होने की संभावना है।

युवा पीढ़ी की तकनीकी क्षमता शानदार

वैन डोरेन ने भारतीय खिलाड़ियों विशेषकर युवा पीढ़ी के उभरते खिलाड़ियों की तकनीकी क्षमता की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा भारतीय हॉकी टीम दुनिया के किसी भी अन्य टीम की तुलना में अधिक व्यस्त हैं। वे सीखना चाहते हैं, खेलना चाहते हैं और प्रगति करना चाहते हैं। उसके पास कई युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। उनके खिलाड़ी कम उम्र में ही अपने कौशल को अगले स्तर पर पहुंचा देते हैं। आर्थर वैन डोरेन ने कहा भारत और बेल्जियम जैसी टीमों के लिए चुनौती आसान नहीं होगी क्योंकि पांच, छह या सात और टीमें हैं जो हमारी तरह ही आत्मविश्वास से भरी हैं। शीर्ष पर मुकाबला बेहद कड़ा है।